@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली–हरियाणा–पंजाब–चण्डीगढ़–उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शुक्रवार, 12 जून 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक – गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 218 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

उत्तर प्रदेश की बदलती तस्वीर योगी मॉडल की चर्चा देश–दुनिया भर में

सरदारनी सिम्मी कौर बब्बर

गाजियाबाद 11 जून। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज देश के सबसे चर्चित और प्रभावशाली मुख्यमंत्रियों में गिने जाते हैं। उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विकास, कानून–व्यवस्था, निवेश, आधारभूत ढांचे और सुशासन के क्षेत्र में उल्लेखनीय पहचान बनाई है। यही कारण है कि आज देश और दुनिया में उत्तर प्रदेश का नाम सम्मान के साथ लिया जाता है और योगी आदित्यनाथ निरंतर राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय चर्चाओं का केंद्र बने रहते हैं। योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद उत्तर प्रदेश को एक नई दिशा देने का प्रयास किया। उन्होंने प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के विजन को आगे बढ़ाते हुए राज्य में अनेक विकास योजनाओं को गति दी। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से उत्तर प्रदेश में विकास के अनेक नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। योगी आदित्यनाथ सरकार की सबसे अधिक चर्चा कानून–व्यवस्था को लेकर होती है। उनके नेतृत्व में सरकार ने अपराध और संगठित अपराध के खिलाफ सख्त रुख अपनाया। प्रदेश में पुलिस व्यवस्था को मजबूत किया गया और कानून का राज स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया आज बड़ी संख्या में लोग यह महसूस करते हैं कि उत्तर प्रदेश में कानून–व्यवस्था पहले की तुलना में अधिक मजबूत हुई है। आम नागरिक, व्यापारी, उद्योगपति और निवेशक अपने कार्यों को अधिक विश्वास के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। प्रदेश में सुरक्षा और स्थिरता का वातावरण बनाने के प्रयासों की व्यापक चर्चा होती है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेस–वे, एयरपोर्ट, मेट्रो परियोजनाएं, औद्योगिक कॉरिडोर,

मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय और अन्य आधारभूत ढांचा परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया गया है। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क से जोड़ने के लिए अनेक परियोजनाओं पर कार्य हुआ है। आधुनिक परिवहन सुविधाओं के विस्तार ने व्यापार, उद्योग और पर्यटन को भी नई गति प्रदान की है योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने का प्रयास किया है। देश और विदेश की बड़ी कंपनियों को निवेश के लिए आमंत्रित किया गया। विभिन्न निवेशक सम्मेलनों के माध्यम से उत्तर प्रदेश को औद्योगिक विकास के नए केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया गया। सरकार का लक्ष्य प्रदेश में रोजगार के नए अवसर पैदा करना और युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इसके लिए औद्योगिक विकास, कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकासवादी सोच का एक मजबूत क्रियान्वयनकर्ता माना जाता है।

शेष पृष्ठ 3 पर

ओमान तट के पास एक और जहाज पर हमला
भारत ने दर्ज कराया विरोध

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत ने ओमान तट के पास भारतीय नाविकों वाले लगातार तीसरे जहाज एमटी जलवीर पर अमेरिकी हमले को लेकर गुरुवार को कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारत ने कहा कि जहाजों पर हो रहे हमले तुरंत बंद होने चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पत्रकार वार्ता में कहा कि ओमान तट के पास एक जहाज पर हुए हमले में तीन भारतीय नागरिकों की मृत्यु हुई है। भारत ने इस घटना पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। इस मामले में अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी को तलब कर भारत की गंभीर चिंता और विरोध से अवगत कराया गया है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में पश्चिम एशिया में भारतीय नाविकों से जुड़ी कई घटनाएं सामने आई हैं। भारत अपने नाविक समुदाय की सुरक्षा तथा कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि क्षेत्र में जहाजों पर लगातार हो रहे हमले अत्यंत चिंताजनक हैं और ये वहां जारी संघर्ष

का प्रत्यक्ष परिणाम हैं। ऐसे हमले तुरंत बंद होने चाहिए और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता की बहाली के लिए संवाद तथा कूटनीतिक प्रयासों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

पंजाबी गायक गुरु रंधावा के ब्रांड 24 आवर फिटनेस जिम पर गोलीबारी

नई दिल्ली। पश्चिम विहार के पुष्कर एन्क्लेव में 24 आवर फिटनेस जिम पर बृहस्पतिवार तड़के बाइक सवार बदमाशों ने गोलीबारी की। पंजाबी गायक गुरु रंधावा इस ब्रांड के जिम के ब्रांड अंबेसडर हैं। हालांकि फायरिंग में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन जिम के शीशे टूट गए हैं। गोलीबारी के बाद बदमाश वहां से भाग गए। घटना के कुछ देर बाद ही लॉरेंस बिश्नोई गैंग के अमेरिका में रहने वाले एक सदस्य अनिल पंडित ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर गोलीबारी की जिम्मेदारी ली। उसने बताया कि अभिनेता सलमान खान से नजदीकी होने की वजह गोलीबारी की गई है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और गोलीबारी करने वाले आरोपियों की पहचान कर रही है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार तड़के पश्चिम विहार ईस्ट थाना पुलिस ने पुष्कर एन्क्लेव स्थित 24 ऑवर फिटनेस जिम पर गोलीबारी की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने देखा कि फिटनेस जिम के शीशे टूटे हुए हैं। जांच में पता चला कि बाइक से आए दो हमलावरों ने जिम पर कई राउंड गोली चलाने के बाद मौके से भाग गए। दोनों हमलावरों ने कपड़े से अपना चेहरा ढक रखा था। गोलीबारी में कोई हताहत नहीं हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि इस बाबत एक मामला दर्ज किया है। घटना की जांच शुरू की गई है। स्थानीय थाने की पुलिस के साथ साथ जिले की अन्य यूनिटों की कई टीमें बनाकर वारदात में शामिल हमलावरों की तलाश कर रही है। पुलिस घटनास्थल के साथ साथ बदमाशों के भागने की दिशा में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को कब्जे में कर लिया है और फुटेज के जरिए हमलावरों की पहचान कर रही है। गुरु रंधावा से संबंध की जांच कर रही पुलिस ‑ मामले की जांच में गुरु रंधावा का जिम होने की बात सामने आने के बाद पुलिस ने इसके मालिकाना हक की भी जांच शुरू की है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि जिम का गुरु रंधावा से कोई लेना–देना नहीं है। टैगोर गार्डन के रहने वाले एक कारोबारी इसको चलाते हैं। मालिक से मालिकाना हक से जुड़े दस्तावेज पेश करने के लिए कहा गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिम इस साल फरवरी में शुरू हुआ था। यह रंधावा से जुड़े फिटनेस ब्रांड की फ्रेंचाइजी के तौर पर काम करता है। अधिकारियों ने अब तक गायक और घटना के बीच किसी सीधे संबंध की पुष्टि नहीं की है और सत्यापन की प्रक्रिया जारी है।

गुरुद्वारा बंगला साहिब में श्रद्धालु से मंगलसूत्र चुराने वाली महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली। जिले की संसद मार्ग थाना पुलिस ने नई दिल्ली के गुरुद्वारा बंगला साहिब में एक श्रद्धालु महिला से सोने का मंगलसूत्र चुराने के आरोप में 36 साल की एक महिला वैष्णवी को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला के पास से चोरी का मंगलसूत्र बरामद किया है। वैष्णवी महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले की रहने वाली है। नई दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि उत्तम नगर की एक महिला ने बुधवार को शिकायत दी कि एक दिन पहले जब वह अपने परिवार के साथ गुरुद्वारा बंगला साहिब गई थी। गुरुद्वारे में उसका सोने का मंगलसूत्र चोरी हो गया था। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि चोरी गुरुद्वारे के महिलाओं के नहाने की जगह (स्नाघर) के अंदर हुई, जहां एक अनजान महिला ने कथित तौर पर मंगलसूत्र चुरा लिया।

उड़ानों से पहले नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गूंजें वैदिक मंत्र

यमुना सिटी। नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से कमर्शियल उड़ानें दो दिन बाद से शुरू होने जा रही हैं। उड़ानें शुरू होने से पहले एयरपोर्ट के सफल संचालन, प्रदेश की तरक्की और खुशहाली की कामना के साथ गुरुवार को एयरपोर्ट परिसर में हवन किया गया। जेवर विधायक, यापल और प्राधिकरण के अधिकारियों की मौजूदगी में विधि विधान से हवन किया गया। इस दौरान पूरा परिसर वैदिक मंत्रों की ध्वनि से गूंज उठा। एयरपोर्ट से 15 जून को पहली उड़ान होगी और यात्री विमान लखनऊ से यात्रियों को लेकर सुबह यहां पहुंचेगा। इसके बाद यह वापस लखनऊ रवाना हो जाएगा। एयरपोर्ट शुरू होने के साथ ही हर दिन तरक्की की नई ऊंचाइयों तक पहुंचे, इसी कामना के साथ एयरपोर्ट के टर्मिनल फोरकोर्ट एरिया (ईस्ट साइड) में धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

आज पोर्टल पर याचिका दायर करने की तैयारी में कांग्रेस, सुप्रीम कोर्ट का रुख संभव

कौमी संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र खारिज होने के बाद सियासी विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस ने इस फैसले को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई है, जबकि बीजेपी का कहना है कि कार्रवाई पूरी तरह नियमों के अनुरूप की गई है।

इस पूरे प्रकरण के बाद आज कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में निर्वाचन आयोग में जाकर अपना पक्ष रखा था। कयास लगाए जा रहे थे कि चुनाव आयोग आज शाम तक इसपर फैसला सुनाएगा। हालांकि देर शाम तक चुनाव आयोग की तरफ से इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। जिसके बाद कांग्रेस आज रात पोर्टल पर याचिका दायर करने की तैयारी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, कल सुबह सुप्रीम कोर्ट के सामने इस मामले को रखने की तैयारी चल रही है। दरअसल, राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र पर भाजपा ने आपत्ति दर्ज कराई है। भाजपा का आरोप है कि मीनाक्षी नटराजन ने अपने शपथ पत्र में हैदराबाद की एक अदालत में लंबित प्रकरण की जानकारी नहीं दी है। इसी आधार पर भाजपा ने उनका नामांकन निरस्त करने की मांग की है। वहीं कांग्रेस का कहना है कि मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। पार्टी के अनुसार उन्हें केवल अदालत की ओर से नोटिस प्राप्त हुआ था, इसलिए शपथ पत्र में इसका उल्लेख करने का कोई दायित्व नहीं था। दूसरी ओर, कांग्रेस का तर्क है कि मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ किसी न्यायालय ने अभी तक आरोप तय नहीं किए हैं और न ही उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज है। इसलिए भाजपा की आपत्ति का कोई कानूनी आधार नहीं है।

लालू यादव का जन्मदिन : राबड़ी के हाथों से केक और परिवार का प्यार

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति के दिग्गज और आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का जन्मदिन उनके पटना स्थित आवास पर धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर उनके पूरे परिवार की मौजूदगी थी, जिसने माहौल को और खुशनुमा कर दिया। पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने उन्हें हैप्पी बर्थडे साहेब कहकर शुभकामनाएं दीं और लालू यादव ने भावुक पल में केक काटा। मगर जश्न की सबसे खूबसूरत और हृदयस्पर्शी तस्वीर तब सामने आई जब राबड़ी देवी ने अपने पारंपरिक प्रेम और स्नेह का प्रदर्शन कर अपने हाथों से पति लालू यादव को केक खिलाया। यह दृश्य तुरंत सोशल मीडिया पर छा गया, जहाँ समर्थकों और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, यहाँ तक कि आम लोगों के बीच भी बधाई संदेशों की बाढ़ आ गई। राबड़ी का यह खास और स्नेहपूर्ण अंदाज इंटरनेट पर खूब चर्चा का विषय बना रहा। हर साल की तरह इस बार भी उन्होंने आरजेडी प्रमुख के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए उन्हें बेहद प्यार से केक खिलाया। दोनों वरिष्ठ नेताओं के बीच की यह खूबसूरत केमिस्ट्री और आपसी सौहार्द उनके कार्यकर्ताओं और आम जनता को खूब पसंद आया। इस पारिवारिक उत्सव में लालू यादव के छोटे बेटे और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, बेटी मीसा भारती सहित परिवार के सभी सदस्य एकजुट दिखाई दिए। जैसे ही घड़ी की सुइयां आधी रात को बदलीं, पूरा परिवार अपने साहेब और मुखिया को जन्मदिन की मुबारकबाद देने के लिए इकट्ठा हो गया। तेजस्वी ने अंतरंग तस्वीरों को खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा कर पिता के प्रति अपना गहरा सम्मान और असीम प्रेम जाहिर किया।

मरवाही में 4 हाथियों का उपद्रव : हॉस्टल की दीवार तोड़ी, कॉलोनी में मचा हड़कंप

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में तब हड़कंप मच गया जब चार जंगली हाथी अचानक रिहायशी इलाके में घुसे। मरवाही स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी और रेंज ऑफिस परिसर में इन विशालकाय हाथियों को टहलते देख लोगों में दहशत मच गई। सुबह-सुबह अपने घरों से निकले लोगों को जब सड़क पर हाथी नजर आए, वे हैरान हो गए। कई लोगों ने मोबाइल पर अनोखे और डरावने नजारे को कैद किया, जबकि कुछ लोग सुरक्षित दूरी से अप्रत्याशित मेहमानों को देख रहे थे। हाथियों के आबादी वाले क्षेत्र में पहुंचने की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम पहुंची। अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर हाथियों को वहां से खदेड़ने की कोशिश की। काफी मशक्कत के बाद वनकर्मी उन्हें दर्रीटोला की दिशा में भेजने में कामयाब रहे, जिससे लगा कि फिलहाल खतरा टल गया है और लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि, यह राहत कुछ ही देर की साबित हुई। कुछ समय बाद वहीं चारों हाथी फिर से वापस लौट आए। इस बार वे एक छात्रावास की ओर बढ़े और उसकी बाउंड्री वॉल को तोड़ते हुए आगे निकल गए। इसके बाद हाथियों का यह दल नवाटोला स्थित आम की बगिया में पहुंच गया और वहीं कुछ समय के लिए डेरा डाल दिया। हाथियों की फिर वापसी ने वन विभाग की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि एक बार आबादी वाले क्षेत्र का रास्ता पहचानने के बाद उनके बार-बार लौटने की संभावना बढ़ जाती है।

सचिन पायलट का पूर्व सीएम गहलोत पर स्नेह बयान, भाजपा पर तीखा हमला

जयपुर(एजेंसी)। दौसा में पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट की 26वीं पुण्यतिथि पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा राजस्थान की राजनीति का केंद्र बनी। अपने दोनों बेटों के साथ पिता को श्रद्धांजलि देने पहुंचे कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने कई अहम राजनीतिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखी। हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बगावत संबंधी बयानों पर पलटवार कर पायलट ने मुस्कुराते हुए कहा कि गहलोत जी का स्नेह उनके साथ भी उतना ही है, जैसा उनके बेटे वैभव गहलोत के साथ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में उनके बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद कभी नहीं रहे। हालांकि, इससे ठीक पहले, पायलट ने बिना नाम लिए विरोधियों को आंख में आंख डालकर सच-झूठ पहचानने की चुनौती दी थी। अपने पिता के स्मारक से कांग्रेस नेता पायलट ने भजनलाल और केंद्र सरकार पर चौतरफा हमला किया। उन्होंने देश में नीट पेपर लीक और लगातार हो रही परीक्षाओं में धांधली पर गहरी चिंता जताकर कहा कि इससे 22 लाख से अधिक युवाओं का भविष्य दांव पर है। पायलट ने किसानों की घटती आमदनी, डीजल-पेट्रोल और गैस सिलेंडर के आसमान छूते दामों पर सवाल उठाए, साथ ही सरकार के किसान 20 दिन काम करता है जैसे बयानों को उनकी किसान विरोधी मानसिकता का परिचायक बताया।

तमिलनाडु में सिंगप्पन स्पेशल फोर्स ने संभाला मोर्चा, महिला-बाल सुरक्षा हुई मजबूत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री विजय द्वारा गठित सिंगप्पन स्पेशल फोर्स ने अपने औपचारिक उद्घाटन के बाद मोर्चा संभाल लिया है। इस विशेष बल की टीमें राज्य के संवेदनशील इलाकों में तुरंत तैनात हुई हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य महिला और बाल अपराधों पर लगाम लगाना है। पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) के.भुवनेश्वरी ने बताया कि बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, धार्मिक स्थल और अन्य भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती होगी है। साथ ही, घनी आबादी वाले क्षेत्रों और संभावित संवेदनशील जगहों पर निगरानी के लिए ड्रोनों का इस्तेमाल होगा। आईजी भुवनेश्वरी ने राजारथिनम स्टेडियम में पहल की शुरुआत के बाद बताया कि महिला पुलिसकर्मियों वाली यह विशेष इकाई महिलाओं की सुरक्षा और बचाव के लिए एक समर्पित है। अपनी प्रारंभिक अवस्था में, यह इकाई राज्यभर में 70 फील्ड यूनिट्स के साथ कार्य कर रही है, जिनमें 140 उप निरीक्षक और 420 कॉन्स्टेबल शामिल हैं। भविष्य में इसके विस्तार के लिए राज्यभर में कुल 2,545 नए पद भी स्वीकृत किए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशों पर, आईजी भुवनेश्वरी ने स्पष्ट किया कि पीछा करने, यौन उत्पीड़न और सार्वजनिक रूप से अश्लीलता फैलाने जैसे अपराधों के दोषियों के खिलाफ तुरंत और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पहले चरण में, इन 70 विशेष टीमों में से 12 चेन्नई शहर में, जबकि अवादी और ताम्बरम पुलिस कमिश्नरेट में दो-दो टीमें कार्यरत रहेंगी। ये सभी टीमें स्थानीय पुलिस अधिकारियों की निगरानी में काम करेंगी और कंट्रोल रूम से प्राप्त होने वाली आपातकालीन सूचनाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया देंगी, जिससे राज्य में महिला-बाल सुरक्षा तंत्र और मजबूत होगा।

मैं सच बोल दूंगा तो बहुत परेशानी में पड़ जाऊंगा क्योंकि वे बहुत बड़े लोग हैं

-राम मंदिर दान में गड़बड़ी पर बृजभूषण शरण सिंह ने दिया चौंकाने वाला बयान

अयोध्या (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने अयोध्या के प्रसिद्ध राम मंदिर में चढ़ावे के दुरुपयोग और चोरी के आरोपों पर एक बेहद चौंकाने वाला बयान दिया है। जिले के विश्नोहरपुर स्थित अपने पैतृक आवास पर बुधवार को पत्रकारों से कहा कि वह इस पूरे विषय पर बहुत कुछ जानते हैं, लेकिन फिलहाल सच बोलने की स्थिति में नहीं हैं। अयोध्या में राम मंदिर के दान में गड़बड़ी को लेकर पिछले कुछ दिनों से जारी विवाद के बीच बृजभूषण की यह टिप्पणी राजनीतिक गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बृजभूषण सिंह ने कहा कि मैं बहुत कमजोर आदमी हूं। अगर मैं सच बोल दूंगा तो बहुत परेशानी में पड़ जाऊंगा क्योंकि वे बहुत बड़े लोग हैं। सच बोलने की हिम्मत अभी मेरे अंदर नहीं है। कभी समय आएगा तो बोलूंगा। उन्होंने यह निर्दिष्ट नहीं किया कि वे से उनका तात्पर्य किससे है। सिंह की टिप्पणी अयोध्या में राम मंदिर के दान में गड़बड़ी को लेकर बढ़ते विवाद के बीच आई है। दिल्ली में करीब 10 दिन के प्रवास के बाद गांव लौटे बृजभूषण सिंह ने अपने हालिया राजनीतिक और सामाजिक अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले कुछ समय से वह कई जटिल परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। 2023 में कुछ महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए आरोपों से जुड़े विवाद का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से उस प्रकरण से उपजी परिस्थितियों को संभालने में लगे हुए हैं।

नीट में अनियमितताओं और पेपर लीक के मुद्दे पर बृजभूषण ने कहा कि किसी मंत्री के इस्तीफा देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पेपर लीक के पीछे एक संगठित तंत्र है जिसमें विभिन्न स्तरों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल होते हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या किसी मंत्री के इस्तीफा देने से भविष्य में पेपर लीक रुकने की गारंटी दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि मंत्री प्रत्येक परीक्षा केंद्र या व्यवस्था की व्यक्तिगत निगरानी नहीं कर सकता। उनके अनुसार जब तक दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक ऐसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाना संभव नहीं। उन्होंने कहा कि पहली बार बड़े अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होती दिखाई दे रही है और उन्हें उम्मीद है कि मौजूदा सरकार नकल एवं पेपर लीक से जुड़े नेटवर्क को तोड़ने में सफल होगी।

संजय सिंह ने कांग्रेस, पीएम मोदी और विदेश नीति पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) सांसद संजय सिंह ने राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के बाद कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कांग्रेस से पूछा कि जब चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त के भाजपा के साथ मिले होने की बात सभी को पता है, तब उन्होंने सपोर्टिंग कैंडिडेट का पर्चा क्यों नहीं भरवाया। आप नेता सिंह ने कहा कि इसतरह के समय में जब एक-एक सांसद महत्वपूर्ण है, यह घटना भाजपा को राज्यसभा में आसानी से जीत दिला देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मीनाक्षी का पर्चा गलत ढंग से खारिज हुआ है और चुनाव आयोग भाजपा के हाथ में खेल रहा है। मीनाक्षी नटराजन के मुद्दे के बाद, संजय सिंह ने ओमान तट पर हुए वाणिज्यिक जहाज पर हमले की घटना पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि इस हमले में 24 भारतीय चालक दल सदस्यों में से तीन अभी भी लापता हैं। आप सांसद सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाकर कहा कि उन्हें इस पर अपना प्रतिरोध दर्ज कराना चाहिए। उन्होंने अतीत की घटनाओं का जिक्र किया जहां अमेरिका ने भारतीयों के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणियां कीं या कार्रवाइयां कीं, लेकिन प्रधानमंत्री शांत रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री और विदेश मंत्रालय से तत्काल विरोध दर्ज कराने की मांग की। इसके बाद अंत में आप सांसद सिंह ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के मामले पर भी केंद्र सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठा दिए। उन्होंने कहा कि अगर भारत सरकार पीओके को अपना हिस्सा मानती है और वहां आतंकी ठिकानों की बात करती है, तब उस पर अब तक कब्जा क्यों नहीं किया। सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना की बहादुरी का हवाला देकर आरोप लगाया कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के कहने पर युद्धविराम कर दिया गया, जो ठीक नहीं था। उन्होंने सलाह दी कि भारत को पीओके की गतिविधियों पर लगातार नजर रखनी चाहिए और उसके अनुसार फैसले लेने चाहिए।

बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पद पर फिलहाल बने रहेंगे ऋतब्रत बनर्जी

-कलकत्ता हाईकोर्ट ने तत्काल हस्तक्षेप से किया इनकार

-टीएमसी की याचिका पर अगली सुनवाई 16 जून को

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) की नियुक्ति को लेकर चल रहे राजनीतिक और कानूनी विवाद के बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने गुरुवार को महत्वपूर्ण अंतरिम फैसला सुनाया। अदालत ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की उस मांग पर तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया, जिसमें विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में ऋतब्रत बनर्जी की नियुक्ति पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था। इसके साथ ही ऋतब्रत बनर्जी फिलहाल विपक्ष के नेता के पद पर बने रहेंगे।

यह मामला उस समय शुरू हुआ जब विधानसभा अध्यक्ष रथींद्रनाथ बोस ने टीएमसी के बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता प्रदान कर दी। इस फैसले के बाद राज्य की राजनीति में विवाद खड़ा हो गया और तृणमूल कांग्रेस ने इसे चुनौती देते हुए अदालत का रुख किया। टीएमसी का तर्क है कि नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति केवल विधानसभा अध्यक्ष के विवेक पर आधारित नहीं हो सकती। पार्टी का कहना है कि इस पद के निर्धारण में सदन में दलों की वास्तविक संख्या, राजनीतिक परिस्थितियों और संसदीय परंपराओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। पार्टी ने दावा किया कि विपक्ष में रहते हुए उसने इस जिम्मेदारी के लिए सोवंदेब चट्टोपाध्याय को चुना था और अध्यक्ष का निर्णय लोकतांत्रिक मानदंडों के अनुरूप नहीं है।

दूसरी ओर, विधानसभा अध्यक्ष के फैसले के बाद ऋतब्रत बनर्जी को आधिकारिक रूप से नेता प्रतिपक्ष की मान्यता मिल चुकी है। हाईकोर्ट द्वारा तत्काल रोक लगाने से इनकार किए जाने के बाद उनकी स्थिति फिलहाल यथावत बनी रहेगी। अदालत के इस अंतरिम रुख को राजनीतिक हलकों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विपक्षी दलों और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इससे विधानसभा के भीतर चल रहे शक्ति संतुलन पर असर पड़ सकता है। वहीं टीएमसी इसे अपने राजनीतिक अधिकारों और संसदीय परंपराओं से जुड़ा मुद्दा बता रही है।

पार्टी ने विधानसभा अध्यक्ष पर आरोप लगाया है कि उन्होंने एक बागी विधायक को विपक्ष का नेता बनाकर स्थापित परंपराओं से हटकर निर्णय लिया है। टीएमसी का कहना है कि इससे सदन की राजनीतिक संरचना और विपक्षी दलों की भूमिका प्रभावित हुई है। मामले की अगली सुनवाई 16 जून को निर्धारित की गई है।

13 जून तक दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में ओले व बारिश की संभावना

-आने वाले दिनों में केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में भारी बारिश का अनुमान

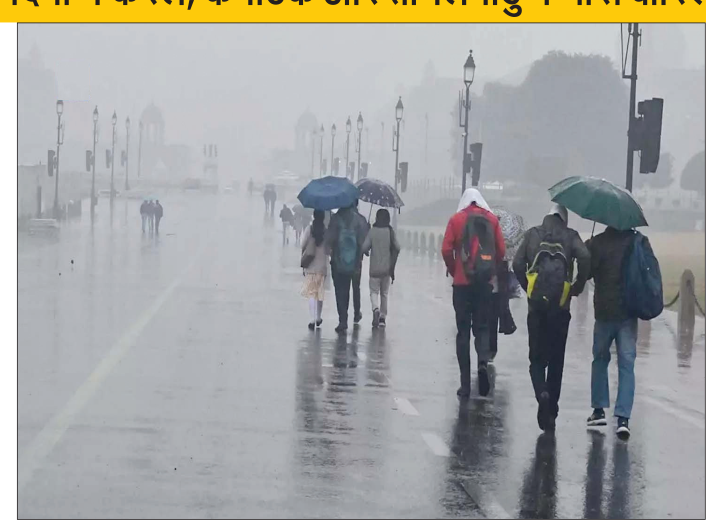

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर और मध्य भारत में भीषण गर्मी और लू का सामना कर रहे लोगों राहत मिल सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर-पश्चिम भारत के मौसम में बड़ा बदलाव आने वाला है। 13 जून तक दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में तेज आंधी-तूफान, आकाशीय बिजली कड़कने, ओलावृष्टि और व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि मौसम की सबसे ज्यादा हलचल 11 और 12 जून को देखने को मिलेगी, जिससे बढ़ते पारे से बड़ी राहत मिल सकती है।

इस दौरान देश के कई हिस्सों में जिसमें दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र और उत्तर भारत के आस-पास के इलाके शामिल हैं बिजली कड़कने, तेज़ हवाओं और ओले गिरने के साथ आंधी-तूफान आ सकता है। पूर्वोत्तर राज्यों और पश्चिम बंगाल में अगले पांच से सात दिनों में कुछ जगहों पर 7 सेमी से 20 सेमी तक बारिश हो सकती है। दक्षिण के राज्यों केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में भी भारी बारिश का अनुमान है। पिछले 24 घंटों में हिमालयी क्षेत्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के कुछ इलाकों में 12 सेमी से 20 सेमी के बीच बारिश दर्ज की गई।

विभाग के मुताबिक हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और पूर्वी मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर ओले गिरने की खबर है। देश के कई हिस्सों में आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं चलने की घटनाएं भी देखी गईं। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में लू की स्थिति बने रहने की उम्मीद है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में ओले भी गिर सकते हैं, जिसके चलते आईएमडी ने इन क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राजस्थान और उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर धूल भरी आंधी चलने की संभावना है, जबकि आने वाले दिनों में पूर्वी भारत में बिजली कड़कने और तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान आ सकता है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून के अगले तीन से चार दिनों में महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के और हिस्सों में आगे बढ़ने की उम्मीद है। इस दौरान इसके तमिलनाडु के बाकी हिस्सों को भी कवर करने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में मानसून के और आगे बढ़ने के लिए स्थितियां अनुकूल हो रही हैं। मध्य भारत के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की मदद से मानसून के आगे बढ़ने में मदद कर रहा है।

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से अगले 24 घंटों में उत्तर-पश्चिम भारत में तापमान में कोई खास बदलाव होने की उम्मीद नहीं है। हालांकि, 11 से 13 जून के बीच तापमान में 3 से 5 डिग्री की गिरावट आ सकती है, जिसके बाद धीरे-धीरे 2 से 4 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। मध्य भारत में, 12 जून तक तापमान काफी हद तक स्थिर रहने की उम्मीद है, उसके बाद इसमें 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। पूर्वी भारत में अगले दो दिनों तक तापमान में बहुत कम बदलाव की संभावना है, जिसके बाद 12 से 14 जून के बीच 2 से 4 डिग्री की गिरावट आ सकती है।

विभाग ने पूर्वी मध्य प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम और मेघालय के साथ-साथ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में बिजली कड़कने और तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान आने की उम्मीद है। असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ जगहों पर भारी बारिश की संभावना है। भारी बारिश वाले अन्य इलाकों में अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा, तेलंगाना, कर्नाटक, दक्षिण कोंकण, तटीय कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और लक्षद्वीप शामिल हैं। कर्नाटक, गोवा और केरल के कुछ हिस्सों में हवा की गति 30-40 किमी प्रति घंटा रहने की संभावना है।

टीएमसी में बगावत~ममता के पंसदीदा स्टार चेहरों की रहस्यमयी चुप्पी

-सयानी घोष ममता और अभिषेक दोनों की करीबी

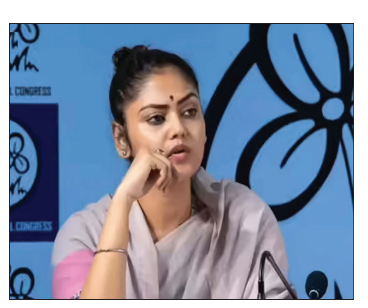

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अंदर इन दिनों भारी उथल-पुथल मची हुई है। ममता की पार्टी के अंदर सुलग रही सियासी बगावत की आग अब खुलकर सामने आ गई है, जहाँ टीएमसी के विधायक के बाद सांसद भी बागी हो रहे हैं। टीएमसी के उन 19 बागी सांसदों की एक सूची सामने आई है, जिन्होंने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर एनडीए को समर्थन देने और काकोली घोष को अपना नेता घोषित किया है।

इस बागी सूची में सयानी घोष, शत्रुघ्न सिन्हा और यूसुफ पठान जैसे तीन बड़े और ग्लैमरस चेहरों के नाम भी शामिल हैं। सूची सामने आने के 24 घंटे से अधिक समय गुजर जाने के बाद भी ये तीनों नेता पूरी तरह खामोश हैं। न उनकी तरफ से कोई आधिकारिक बयान आया है और न ही सोशल मीडिया पर कोई सफाई दी गई है, जिससे राजनीतिक गलियारों में अटकलों का बाजार बेहद गर्म है।

अपनी बेबाक बयानबाजी के लिए मशहूर आसनसोल सांसद शत्रुघ्न सिन्हा का 24 घंटे तक चुप रहना किसी आश्चर्य से कम नहीं है। राजनीति के पुराने खिलाड़ी शत्रुघ्न सिन्हा ने अमूमन इसतरह के मामलों में तुरंत मीडिया के सामने आकर खंडन किया होता, लेकिन उनकी खामोशी यह संकेत देती है कि वे फिलहाल वेट एंड वॉच के मोड में हैं। मार्च 2022 में टीएमसी में शामिल हुए और ममता बनर्जी द्वारा गैर-बंगाली होने के बावजूद दिए गए सम्मान के बाद उनका बागी गुट में नाम आना पार्टी के लिए चिंता का कारण है।

बहरामपुर से टीएमसी सांसद बने पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान भी पूरी तरह मौन हैं। ममता बनर्जी ने उन्हें सियासत में लाकर एक बड़े धर्मनिरपेक्ष चेहरे के रूप में दिखाया था। इसके बाद बागी लिस्ट में उनका नाम होना और उनकी तरफ से कोई प्रतिक्रिया न आने से टीएमसी नेतृत्व के माथे पर शिकन साफ दिख रही है।

लेकिन इन बागी सांसदों में सबसे ज्यादा चौंकाने वाला नाम सयानी घोष का है। टीएमसी की युवा विंग की बड़ी नेता रहीं सयानी को ममता और अभिषेक बनर्जी का बेहद करीबी कहा जाता है। हर मुद्दे पर पार्टी का पक्ष आक्रामक तरीके से सोशल मीडिया और टीवी डिबेट में रखने वाली सयानी की चुप्पी बताती है कि पार्टी के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। ममता और अभिषेक बनर्जी भी सयानी के इस बदलाव को लेकर बेचैन हैं। सत्ता गंवाने के बाद पार्टी पहले से ही बिखराव के दौर से गुजर रही है, इसके बाद सयानी का बागी गुट के साथ जाना उनकी चिंताएं और बढ़ा रहा है।

वहीं टीएमसी की तरफ से डैमेज कंट्रोल की कोशिशें जारी हैं। सांसद कीर्ति आजाद ने बताया कि उन्होंने सयानी घोष से कई बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। सयानी की तरफ से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया न मिलना यह दर्शाता है कि बगावत की जड़ें अनुमान से कहीं ज्यादा गहरी हैं।

मैं पूरी तरह उस पार्टी और नेतृत्व के साथ खड़ा हूं, जिसके साथ वर्तमान में जुड़ा हूं : सुप्रियो

राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अपनी जगह है, लेकिन विकास कार्यों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सियासी उथल-पुथल जारी है। चुनाव हारने के बाद से टीएमसी लगातार बिखरती जा रही है और एक-एक करके ममता के करीबी उनका साथ छोड़ते जा रहे हैं। अब तक टीएमसी के तीन राज्यसभा सांसद इस्तीफा दे चुके हैं और एक अनुमानित लिस्ट में कई ऐसे बागियों के नाम हैं जो आने वाले दिनों में पार्टी छोड़ सकते हैं। इसी बीच तृणमूल कांग्रेस सांसद बाबुल सुप्रियो ने पार्टी में चल रही अंदरूनी उथल-पुथल और राजनीतिक अटकलों के बीच बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि मीडिया लगातार उनसे यह पूछ रहा है कि वे किस खेमे में हैं, जिससे वे थक चुके हैं। सुप्रियो ने साफ किया कि वह पूरी तरह उस पार्टी और नेतृत्व के साथ खड़े हैं, जिसके साथ वर्तमान में जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने जो जनादेश दिया है, उसका सम्मान करना लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है। इसी भावना के तहत वह राज्य सरकार के साथ तालमेल बनाकर अपने संसदीय क्षेत्र के विकास कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। बाबुल सुप्रियो ने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना फंड को जनता का पैसा बताते हुए कहा कि यह राशि सीधे राज्य सरकार और जिला प्रशासन के जरिए खर्च होती है, न कि सांसद के निजी नियंत्रण में रहती है, उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि उपलब्ध निधि का करीब 90 फीसदी हिस्सा पश्चिम बंगाल में विकास परियोजनाओं पर खर्च किया जाए।

सुप्रियो ने याद दिलाया कि अतीत में राजनीतिक मतभेदों के बावजूद उन्होंने जनता के जनादेश का सम्मान करते हुए राज्य सरकारों के साथ काम किया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अपनी जगह है, लेकिन विकास कार्यों और जनता के हितों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर ओपन लेटर की तरह एक लंबा जवाब लिखकर पोस्ट किया है और लिखा है कि मुझे किसी से व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है। हर व्यक्ति को अपने फैसले लेने का अधिकार है, मैं उन लोगों का बचाव नहीं करूंगा जिन्होंने भ्रष्टाचार किया, जनता का पैसा लूटा और सिस्टम को नुकसान पहुंचाया। ऐसे लोगों की जगह जेल में है और उन्हें कानून के मुताबिक सजा मिलनी चाहिए। उम्मीद है कि सभी दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

नया भारत: पहली बार 12 परमाणु वॉरहेड को ऑपरेशनल रूप से तैनात किया

नई दिल्ली(एजेंसी)। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (स्त्रिपी) की नई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने पहली बार 12 परमाणु वॉरहेड को ऑपरेशनल रूप से तैनात किया है, जो उसकी परमाणु नीति में बड़े बदलाव को दिखाता है। पहले भारत युद्धकालीन स्थिति में ही परमाणु वॉरहेड और मिसाइलों को जोड़ता था, लेकिन अब कुछ वॉरहेड मिसाइल साइलो और परमाणु पनडुब्बियों पर हमेशा तैयार रखे जाएंगे। इस कदम से भारत की परमाणु तैयारियों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है और यह उसके परमाणु त्रय (हवाई, जमीन और समुद्री) को और मजबूत बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। रिपोर्ट बताती है कि भारत अब मिसाइलों को कैनिस्टर में रखने और समुद्री प्रतिरोध गश्त जैसे उपाय कर रहा है, जिससे शांतिकाल में भी कुछ वॉरहेड लांचर से जुड़े रह सकते हैं। यह कदम सुरक्षा को लेकर भारत की बढ़ती चिंताओं का स्पष्ट संकेत देता है। भारत का परमाणु कार्यक्रम हमेशा से रक्षात्मक रहा है, जिसका उद्देश्य हमला करना नहीं, बल्कि दुश्मनों को रोकना है।

भारत अपनी नो फर्स्ट यूज (पहले परमाणु हमला न करने) की नीति पर दृढ़ता से कायम है, जिसका अर्थ है कि उसके परमाणु हथियार केवल जवाबी कार्रवाई के लिए हैं। यदि कोई देश भारत या उसकी सेनाओं पर परमाणु हमला करता है, तभी इनका इस्तेमाल किया जाएगा। भारत अपना परमाणु शस्त्रागार सीमित लेकिन प्रभावी रखता है, जिसका मकसद केवल दुश्मनों को रोकना है, न कि हथियारों की होड़ में शामिल होना। स्त्रिपी के हालिया अनुमानों के अनुसार, भारत के पास करीब 190 परमाणु हथियार हैं, जो पिछले वर्ष से थोड़े अधिक हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हथियारों की निगरानी करने वाली प्रमुख संस्था स्त्रिपी की रिपोर्ट बताती है कि भारत इस बदलाव से अपनी सुरक्षा को और पुख्ता बनाने की कोशिश कर रहा है। इसी बीच, पाकिस्तान भी परमाणु हथियारों की दौड़ में शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के पास अनुमानित रूप से 170 परमाणु हथियार हैं और वह नई हथियार प्रणालियों का विकास जारी रखे हुए है, जिससे उसके भंडार में आने वाले दशक में और वृद्धि होने की संभावना है।

स्त्रिपी ने अपनी रिपोर्ट में पिछले वर्ष भारत और पाकिस्तान के बीच रहे असामान्य रूप से गंभीर सैन्य संकट का भी उल्लेख किया है। मई 2025 में दोनों देशों के बीच हुए संक्षिप्त सैन्य संघर्ष के दौरान, भारत ने पाकिस्तानी हवाई और मिसाइल ठिकानों पर हमले किए थे, जिनके परमाणु स्तर तक बढ़ने की आशंका भी थी, हालांकि दोनों पक्षों ने तनाव को बढ़ने से रोकने के प्रयास किए। रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2025 में 92.1 अरब अमेरिकी डॉलर के रक्षा व्यय के साथ दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश रहा है।

दिल्ली में दिल दहला देने वाली वारदात: फंदे पर झूलता मिला पिता

नई दिल्ली। आज सुबह दिल्ली के ज्योति नगर इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक व्यक्ति अपने 13 वर्षीय बेटे के साथ मृत पाया गया। पुलिस को सूचना मिली कि छज्जूपुर क्षेत्र में प्रवीण शर्मा (54) अपने कमरे में फंदे से लटके हुए मिले। उनके पास ही बिस्तर पर उनका 13 वर्षीय बेटा भी मृत अवस्था में पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही ज्योति नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि प्रवीण शर्मा, तेजवीर सिंह के पुत्र और उत्तरी छज्जूपुर, दिल्ली के निवासी थे। मौके पर फॉरेंसिक टीमों को बुलाया गया। फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं। दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारणों का खुलासा होने की उम्मीद है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 194 के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की आगे की जांच जारी है। पुलिस इस घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। ज्योति नगर पुलिस स्टेशन को सुबह के समय इस घटना की जानकारी मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत छज्जूपुर इलाके में पहुंची। घटनास्थल पर पहुंचने के बाद, पुलिस ने प्रवीण शर्मा को फंदे से लटका पाया। उनके बेटे का शव पास के बिस्तर पर मिला, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई। फॉरेंसिक टीमों ने बारीकी से जांच की और सभी आवश्यक सबूत जुटाए। दोनों मृतकों के शवों को तत्काल पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह स्पष्ट हो पाएगा कि मौत कैसे हुई और क्या कोई बाहरी चोट थी। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 194 के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू की है। यह धारा आत्महत्या के लिए उकसाने या हत्या से संबंधित मामलों में लागू होती है। जांच अधिकारी घटना के सभी पहलुओं की गहनता से पड़ताल कर रहे हैं।

जीटीबी अस्पताल की कुछ सेवाएं राजीव गांधी अस्पताल में होंगी शिफ्ट

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली स्थित गुरु तेग बहादुर अस्पताल में चल रहे मरम्मत कार्य के कारण अस्पताल की कुछ सेवाओं को राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में स्थानांतरित करने की तैयारी चल रही है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार यह प्रक्रिया अगले सप्ताह तक पूरी होने की संभावना है। सबसे पहले इमरजेंसी सेवाओं को राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में शिफ्ट किया जाएगा, जिसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। जीटीबी अस्पताल के एडिशनल मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. प्रवीण कुमार ने बताया कि शिफ्टिंग के दौरान चिकित्सा सेवाएं प्रभावित न हों

दिल्ली की जमीन पर निवेशकों का बढ़ा भरोसा, ई-नीलामी में तीन गुना दाम में बिकीं डीडीए की संपत्तियां

नई दिल्ली। दिल्ली में जमीन, मकान और दुकान जैसी संपत्तियां खरीदने में आज भी लोग देश के अन्य शहरों के मुकाबले कहीं ज्यादा दिलचस्पी दिखा रहे हैं। इसका सीधा प्रमाण डीडीए की हालिया मेगा ई-नीलामी में देखने को मिला। जिन संपत्तियों का आरक्षित मूल्य 480.38 करोड़ रुपये तय हुआ था। उनके लिए खरीदारों ने 1321.21 करोड़ रुपये तक की उच्चतम बोली लगा दी। इस नीलामी में कई संपत्तियां अपने बेस प्राइस से करीब तीन गुना महंगी बिकीं, जो दिल्ली के बाजार की मजबूती और इसमें निवेशकों के भरोसे को साफ तौर पर जाहिर कर दिया है। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने इसे दिल्ली को एक ग्लोबल इन्वेस्टमेंट और फाइनेंशियल हब बनाने के रोडमैप की सफलता बताया है। कड़कड़डूमा में एक प्लॉट के लिए 3160 बोलियां

इस नीलामी में सबसे अधिक प्रतिस्पर्धा पूर्वी दिल्ली के कड़कड़डूमा इलाके में देखी गई, जिसने बाजार विशेषज्ञों को भी चौंकाया। यहां के पॉकेट 21-22 स्थित एक कमर्शियल प्लॉट को खरीदने के लिए 36 खरीदारों ने मुकाबला किया और आखिरकार यह अपनी आरक्षित कीमत से 10 गुना से भी ज्यादा दाम पर बिका। इसी तरह, कड़कड़डूमा के ही एक अन्य संस्थागत (इंस्टीट्यूशनल) प्लॉट (नंबर 3ए) के लिए 20 बोलीदाताओं के बीच ऐसी जंग छिड़ी कि पूरी प्रक्रिया के दौरान कुल 3,160 बोलियां लगाई गईं। एलजी संधू ने कहा है कि इससे साफ है कि बेहतर लोकेशन और बेहतर कनेक्टिविटी वाली जमीन के लिए निवेशक किसी भी स्तर तक जाने को तैयार हैं। डीडीए ने इस नीलामी में संपत्तियों का एक बहुत बड़ा और विविध पोर्टफोलियो निवेशकों के सामने पेश किया था। नीलामी में कुल 142 संपत्तियां शामिल थीं, जिनमें सिर्फ बड़े प्लॉट ही नहीं, बल्कि मध्यम और छोटे कारोबारियों के लिए भी काफी विकल्प थे। इस सूची में रिहायशी, कमर्शियल, इंडस्ट्रियल और इंस्टीट्यूशनल प्लॉट के साथ-साथ ग्रुप हाउसिंग साइट्स, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में बनी दुकानें, मल्टीलेवल पार्किंग और छोटे कियोस्क (खोखे) तक शामिल थे। हर श्रेणी की संपत्ति की खरीद में यहां कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जिससे साफ हो गया कि दिल्ली में अभी विकास के लिए बाजार बड़ा है। यह पूरी नीलामी प्रक्रिया डीडीए के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हुई। डीडीए के मुताबिक, ये नीलामी प्रक्रिया पारदर्शी रही। इसमें निवेशकों को निष्पक्ष मौके मिले। अधिकारियों के मुताबिक, ई-नीलामी का यह तरीका प्राइस डिस्कवरी यानी बाजार की मांग के हिसाब से संपत्ति की वास्तविक और सही कीमत खोजने में बेहद प्रभावी साबित हुआ। खरीदारों की सुविधा के लिए डीडीए ने एक समर्पित हेल्पडेस्क भी बनाया था, जिसने बोलीदाताओं की मदद की। एलजी ने कहा कि नीलामी में मिला 175 फीसदी का भारी-भरकम प्रीमियम इस बात का प्रमाण है कि दिल्ली की जमीन आज भी निवेश का सबसे सुरक्षित और फायदेमंद जरिया है। दिल्ली को साफ, टिकाऊ निवेश और विश्व स्तरीय आवास वाली एक ग्लोबल सिटी के रूप में संवारने का प्रयास किया जा रहा है। इस सफलता से डीडीए की टीम उत्साहित है। उम्मीद है कि भविष्य में भी इसी तरह के पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी अवसर मिलेंगे। एलजी संधू ने पदभार संभालने के बाद से ही दिल्ली को एक वैश्विक शहर के रूप में विकसित करने पर जोर दिया है। इस सफल ई-नीलामी को उसी विजन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा सकता है।

ब्लड की कमी ही नहीं, इसका अधिक होना भी जानलेवा

नई दिल्ली। अक्सर लोगों का ध्यान एनीमिया यानी खून की कमी पर जाता है, लेकिन शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं (आरबीसी) की संख्या सामान्य से अधिक होना भी स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। इस स्थिति में खून गाढ़ा हो जाता है, जिससे शरीर में रक्त प्रवाह प्रभावित होने लगता है और हार्ट अटैक, स्ट्रोक व रक्त के थक्के बनने का खतरा बढ़ सकता है। चिकित्सकों का कहना है कि लाल रक्त कोशिकाओं की अधिकता को पॉलीसाइथीमिया कहा जाता है। यह समस्या धूम्रपान, फेफड़ों की बीमारियों, शरीर में लंबे समय तक ऑक्सीजन की कमी, डिहाइड्रेशन या बोन मैरो से जुड़ी कुछ बीमारियों के कारण होती है। मरीजों में सिरदर्द, चक्कर आना, धुंधला दिखना, थकान और त्वचा में खुजली जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार कई मामलों में यह समस्या शुरुआती चरण में बिना किसी स्पष्ट लक्षण के भी मौजूद रहती है। इसलिए नियमित स्वास्थ्य जांच और रक्त परीक्षण के जरिए इसकी समय पर पहचान जरूरी है। समय रहते इलाज न मिलने पर यह स्थिति गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकती है। दिल्ली का रहने वाला एक 35 वर्षीय युवक इस समस्या के साथ गुरु तेग बहादुर अस्पताल पहुंचा। जांच के दौरान सामने आया कि खून की अधिकता के कारण युवक को सांस लेने में दिक्कत, धुंधला दिखाई देना जैसी परेशानी हो रही थी। डॉक्टर ने सलाह दी कि वह अपनी दिनचर्या में कम से कम आधे घंटे व्यायाम करे। उपचार के बाद युवक की स्थिति में सुधार है। डॉ. संदीप ने बताया कि खून का अधिक होना भी उतना ही गंभीर विषय है जितना खून की कमी होना। जब शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या जरूरत से ज्यादा बढ़ जाती है

दिल्ली में इंदौर-सूरत जैसा चमकेगा स्ट्रीट फूड हब: MCD ने केंद्र को भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली। राजधानी में स्ट्रीट फूड संस्कृति को नया और व्यवस्थित स्वरूप देने की दिशा में एमसीडी ने बड़ी पहल की है। विदेशों के आधुनिक फूड कोर्ट और भारत के इंदौर व सूरत जैसे सफल मॉडलों की तर्ज पर राजधानी के प्रमुख और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अत्याधुनिक फूड हब विकसित करने की योजना तैयार की गई है। इस संबंध में एमसीडी ने केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजकर पांच स्थानों पर जमीन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। एमसीडी अधिकारियों के अनुसार, राजधानी में बड़ी संख्या में लोग सड़क किनारे मिलने वाले खानपान का आनंद लेते हैं। इस तरह राजधानी की पहचान उसके विविध स्ट्रीट फूड से भी जुड़ी हुई है, लेकिन अधिकांश स्थानों पर फूड स्टॉल अव्यवस्थित तरीके से संचालित होते हैं, जिससे ट्रैफिक जाम, स्वच्छता और अतिक्रमण जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। इन्हीं चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए निगम ने आधुनिक फूड हब विकसित करने की योजना बनाई है। अधिकारियों के मुताबिक, सलीम गढ़ किला के सामने, पीतमपुरा स्थित टीवी टावर के पास, रिंग रोड स्थित मिलेनियम पार्क, जनकपुरी डिस्ट्रिक सेंटर व वसंत विहार में प्रस्तावित फूड हब में स्वच्छ और व्यवस्थित फूड स्टॉल, बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, सार्वजनिक शौचालय, पार्किंग, पेयजल, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और सुरक्षा संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए नियमित निगरानी व्यवस्था भी बनाई जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि योजना तैयार करने से पहले देश और विदेश के कई सफल मॉडलों का अध्ययन किया गया है। विशेष रूप से इंदौर के प्रसिद्ध छप्पन दुकान और सराफा बाजार के मॉडल को ध्यान में रखा गया है, जहां स्ट्रीट फूड को व्यवस्थित स्वरूप देकर पर्यटन का प्रमुख आकर्षण बनाया गया है। इसके अलावा सिंगापुर, दुबई और अन्य देशों के फूड कोर्ट एवं हॉकर सेंटर मॉडल का भी अध्ययन किया गया है। एमसीडी के अनुसार, पांचों प्रस्तावित स्थानों पर एमसीडी के पास जमीन नहीं है। इन स्थानों पर केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों की भूमि है। इस कारण केंद्र सरकार से भूमि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। इन स्थानों पर भूमि मिलने और आवश्यक मंजूरियां प्राप्त होने के बाद परियोजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। इस तरह आने वाले वर्षों में दिल्ली को भी इंदौर और सूरत की तरह विश्वस्तरीय फूड हब मिल सकेंगे, जो राजधानी की नई पहचान बनेंगे। एमसीडी की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा का कहना है कि इस परियोजना से रेहड़ी-पटरी और स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को भी बड़ा लाभ होगा। वर्तमान में कई विक्रेता सड़क किनारे अस्थायी ढंग से कारोबार करते हैं और समय-समय पर अतिक्रमण विरोधी अभियानों का सामना करते हैं। फूड हब विकसित होने के बाद ऐसे विक्रेताओं को निर्धारित स्थानों पर व्यवसाय करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी आजीविका अधिक स्थिर हो सकेगी।

शादी की सातवीं सालगिरह पर महिला ने फंदा लगाकर दी जान, पति से हुआ था विवाद

फतेहपुर। चांदपुर थाना क्षेत्र के गांव दपसौरा में शादी की सातवीं सालगिरह पर महिला का शव कमरे में साड़ी के फंदे से लटका मिला। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच के बाद परिजन से पूछताछ कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस शुरुआती जांच में दंपती के बीच विवाद को घटना की वजह मान रही है। हमीरपुर जिले के मौदहा थाना क्षेत्र के छिरका निवासी जयकरन सिंह की पुत्री मोनिका (29) की शादी 28 मई 2019 को दपसौरा गांव निवासी ज्ञानेंद्र सिंह के साथ हुई थी। ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि बुधवार रात वह परिवार के साथ आंगन में सो गया था। रात करीब एक बजे बिजली आने पर पत्नी बड़ी बेटी आद्या (6) के साथ कमरे में सोने चली गई। छोटी बेटी मनु भी उसके साथ थी। बृहस्पतिवार सुबह करीब पांच बजे वह पत्नी को जगाने कमरे पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी आवाज लगाने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला। खिड़की से झांककर देखा तो पत्नी रोशनदान में साड़ी के फंदे से लटकी थी। शोर मचाने पर बड़ी बेटी आद्या जाग गई और उसने अंदर से दरवाजा खोला। फंदा काटकर मोनिका को नीचे उतारा गया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। अमौली चौकी पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। महिला के पिता जयकरन सिंह ने बताया कि बुधवार को उन्होंने बेटी को बुलाने के लिए बेटे नीरेंद्र सिंह को भेजा था लेकिन ससुराल पक्ष ने मना कर दिया। इसके बाद शाम को बेटा लौट आया। इसी बात को लेकर बेटी और दामाद के बीच विवाद हुआ था। थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार मौर्या ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

PUBLIC NOTICE

I ,Taiba Siddiqui D/O S.A Siddiqui W/O Vikash Agarwal,R/O U-73, Front First Floor, Solanki Road, Subhash Park, Solanki Chowk, Uttam Nagar, PO: D.k Mohan Garden, DIST: West Delhi, Delhi-110059, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced HINDUISM and renounced MUSLIM with effect from 02-02-2013.

NAME CHANGE

I hitherto known as SUDHIR SHAH S/o JAGDISH SHAH R/o House No. 9/724, Block C, Sultanpuri, Sultanpuri, North West Delhi, Delhi - 110086 have changed my name and shall hereafter be known as SUDHIR GOND .

NAME CHANGE

I hitherto Known as DIKSHA MISHRA D/o VINOD KUMAR MISHRA W/o AKSHAY KUMAR , Residing at C-49 , Karam Pura , Ramesh Nagar , HO West Delhi , Delhi -110015 have changed my name and shall hereafter be known as DIKSHA.

NAME CHANGE

It is for general information that I AKSHAY YADAV S/o RAJESH KUMAR R/o WZ □ 42, Todapur Village, I.A.R.I. PO: I.a.r.i, Dist: Central Delhi, Delhi - 110012 declare that the name of my mother and my Father has been wrongly written as MUNESH YADAV and RAJESH KUMAR YADAV in my all Educational Documents and name of my Father has been wrongly written as RAJESH YADAV in my Driving License No. DL9 20200012740 and name of my Mother and my Father has been wrongly written as MUNESH YADAV and RAJESH YADAV in my Birth Certificate No. 183764. The actual name of my mother and my Father are MUNESH and RAJESH KUMAR respectively, Which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I JAIVARDHAN S/O SUMAN KUMAR CHAUDHARI R/O DVM public school, kulesra Greater Noida, Kulesara, PO: Kulesra, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201306 declare that name of my father has been Wrongly written as SUMAN in my 10th Class Marksheet and name of mine and my father have been Wrongly written as JAIVARDHAN CHOUDHARY and SUMAN CHOUDHARY in my 12th Class Marksheet and Certificate. The actual name of mine and my father JAIVARDHAN and SUMAN KUMAR CHAUDHARI which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client 1. Mr. Pawan Kumar Mandal S/o Mr. Ramji Mandal 2. Mr. Anil S/o Mr. Ramji Singh 3. Mr. Vikas Kumar Jha S/o Mr. Ashok Kumar Jha are the owner of Freehold Residential Property/Plot No. 67-B, area measuring 50 Sq. Yds., out of Khasra No. 45/23, Situated at Village Hastsal, Delhi Abadi Colony Known as Vijay Nagar, in Block D, Mohan Garden, Uttam Nagar, New Delhi. by virtue of Notarized GPA, ATS & Will dated 13.05.2026, now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mr. Jitendra Singh and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the‘ right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, Anshika w/o Mayank Modi R/o 1870, Gali Wazir Singh Gurudwara Road, Chuna Mandi Pahar Ganj, Delhi-110055 have changed my name to Anshika Sahu Modi for all future purposes.

NAME CHANGE

I NARENDER SINGH S/o CHAND SINGH Residing Titoli (88), Titauli, Rohtak - 124001 (Haryana) have changed my minor son name from MAYANK to MAYANK KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE

I, NARENDER S/o CHAND SINGH Residing Titoli (88), Titauli, Rohtak - 124001 have changed my name from NARENDER to NARENDER SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Subhash Gupta S/o Shardanand Sah R/o K-10, Saurabh Vihar, Jaitpur, Delhi-110044 have changed my name to Subhash Sah for all future purposes.

NAME CHANGE

I, I, MANISHABA JADEJA wife of NO-15437711X, Rank-L/NK, Name-JADEJA SHAILENDRASINH residing at VILL-DEDAKDAD, PO-KHAJURDI, TEH-DHROL, DIST-JAMNAGAR, GUJARAT-360110, have changed my name MANISHABA JADEJA to JADEJA MANISHABA SHAILENDRASINH for all future purposes vide Affidavit Dated 11/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I MOHINDER KUMAR SHARMA S/O RAVI DUTT SHARMA R/O A-2/259 JANAKPURI DELHI -110058 have changed my name to MAHINDER KUMAR SHARMA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, SACHIN KUMAR S/O RAMESH KUMAR R/O VPO MALPURA, DHARUHERA, REWARI, HARYANA-122106, HAVE CHANGED MY MINOR SON NAME FROM RIDAN KATARIA TO HRIDHAAN KATARIA FOR ALL FUTURE PURPOSES

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Shafique Ahmed S/o Mr. Rafique Ahmed is the owner of Freehold Residential Built-up Flat on Third Floor without roof rights, area measuring 80 Sq. Yds. Part of Property Bearing No. D-185 Situated at Layout Plan of New Seelampur Residential Colony in the Abadi of D- Block, New Seelampur, Illaqa Shahdara, Delhi-110053. by virtue of Notarized GPA, ATS and WILL dated 03.01.2022, now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property Gift to be Mrs. Husan Jahan W/o Mr. Rafique Ahmed and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the‘ right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, KALYAN SINGH YADAV S/O JORAWAR SINGH R/O H.NO-247A GALI NO 1 SHIV COLONY REWARI HARYANA 123401, CHANGED MY NAME TO KALYAN SINGH.

NAME CHANGE

I, LALIT S/O KISHORI LAL R/O F-225, 4TH FLOOR SHASTRI GALI HIMALAYA GYM LAXMI NAGAR DELHI 110092, CHANGED MY NAME TO LALIT KUMAR.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Avashek S/O: Manoj, R/O Lakhavati, Bulandshahr, Uttar Pradesh, 245407, have changed my name and shall hereafter be known as the Abhishek.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Ritu W/O: Deepak Kumar R/O 230, Salarpur, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh - 251314 have changed my name and shall hereafter be known as Pinki.

NAME CHANGE

I hitherto known as RAJEEV KUMAR AGNIHOTRI S/O KALLOO PRASAD AGNIHOTRI R/O Flat 51-C 2nd Floor Blk-C Pkt-I, Platinum Enclave, Rohini Sector 18, PO: Rohini Sector 15, Dist: North West Delhi, Delhi-110089 have changed my name and shall hereafter be known as RAJEEVA KUMAR AGNIHOTARI.

NAME CHANGE

I Tanmay Yadav S/o Mandeep Singh R/o D1/1, DLF Alameda, Sector 73, Badshahpur, Gurgaon - 122101 have changed my name to Tanmay Rao for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MAYANK MALHOTRA S/O KRISHAN KUMAR residing at B-31, SECOND FLOOR, GALI NO-2, ANARKALI GARDEN, JAGATPURI, SHAHDARA, DELHI-110051 have changed my name to MAYANK for all future purposes.

NAME CHANGE

I, JC-812302A, Rank-SUB, Name-AKSHAY KUMAR DUBEY legal father of ARAV residing at VILL-FARUSATAR, PO-SAHATWAR, DIST-BALLIA, UTTAR PRADESH-277211, have changed my minor son□s name from ARAV to AARAV for all future purposes vide affidavit dated 11/06/2026 Before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Zafar Alam S/o Mohd. Elias is the owner of Freehold Residential Property Old No. 246/70-E & New No. 246/70-E/1, area measuring 50 Sq. Yds., out of Khasra No. 1099/607, situated at the abadi of East School Block, Mandawali, in the area of Village Mandawali, Fazalpur, Illaqa Shahdara, Delhi 110092. by virtue of Notarized GPA, ATS & Will dated 21.03.2015, now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mr. Nasir and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the‘ right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, No.-14667684F Rank-HAV Name-KORE SHIVARAJ TUKARAM legal father of KORE KARAN R/O VPO-TAVASHI(GAD), TEHSIL-LOHARA, DIST-OSMANABAD, MAHARASHTRA-413604, have changed my minor son□s name from KORE KARAN to KARAN SHIVARAJ KORE for all future purposes vide affidavit dated 11/06/2026 Before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, NO-2619330X Rank-L/NK Name-HAJEEMIRASAB SOUDAGAR S/o HARUNRASHID residing at VPO-MASALI BK, TQ-INDI, DIST-BIJAPUR, KARNATAKA-586215, in my service records my minor son□s date of birth wrongly mentioned as 25/04/2019 instead of his correct date of birth as 05/04/2018 vide affidavit dated 11/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I SAYED RAJIYA legally mother of Army No - 2804512X, Rank-Hav, Name- AKRAM SAYED, presently residing At- Gopalapatnam, Post-Gopalapatnam, Teh-Gopalapatnam, Dist- Visakhapatnam, State- Andhra Pradesh, Pin 530027 in my son□s service record my date of birth wrongly mentioned as 20/03/1963 instead of my correct date of birth as 10/10/1970 Vide Affidavit dated 11/06/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, JITENDRA KUMAR CHATURVEDI S/O RAJESH KUMAR CHATURVEDI R/O House No. 546, 1, Near Sarvodaya School, Sarvodaya Colony Ghaziabad, PO: Ghaziabad, District Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001, declare that name of mine and my father has been wrongly written as JITENDRA CHATURVEDI and RAJESH CHATURVEDI in my Driving License No. UP14-20100014692. The actual name of mine and my father are JITENDRA KUMAR CHATURVEDI and RAJESH KUMAR CHATURVEDI respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I,PRAVEEN GUPTA S/o SATISH GUPTA, residing at House No.528, First Floor, Montola, Near Kela Gowdown, Pahar Ganj, Central Delhi, Delhi-110055, have changed the name of my minor son GUHAN GUPTA, aged 13 years and he shall hereafter be known as GGUHAN GARG.

NAME CHANGE

I Lalit Sharma S/o Satveer Sharma R/o Bhogpur, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203207 have changed the name of my minor son Jaitn Sharma aged 11 years and he shall hereafter be known as Jatin Sharma.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SAMJIDA W/O MOBEEN R/O VILLAGE SAIDPUR HUSAINPUR DILNA SAIDPUR GHAZIABAD UTTAR PRADESH-201201 have changed my name and shall hereafter be known as SANJIDA.

NAME CHANGE

I hitherto known as NAINSHI D/O AVDHESH JAISAWAL, R/O Baipas Devkali Rod, Deokaali, Faizabad, Uttar Pradesh 224001, have changed my name and shall hereafter be known as NANCY JAISWAL

Public Notice

It is for general information that I, Munmun Sen W/o Ajay Kumar Tiwary R/o R1106, 11th Floor, R Tower, Amrapali Zodiac, Sector 120, Noida Sector 34, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh, 201307 declare that name of mine has been wrongly written as Munmun Tiwary in my minor son namely Abhijay Tiwary aged 16 years in his Birth Certificate no. 100210700812 and 10th class educational documents. The actual name of mine is Munmun Sen

PUBLIC NOTICE

hitherto known as UPASHNA D/o GOPAL, R/o SECTOR 126, RAIPUR KHADAR, VTC: NOIDA, PO: MAHARISHI NAGAR, SUB DISTRICT: GAUTAM BUDDHA NAGAR, DISTRICT: GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201304, have changed my name and shall hereafter be known as MUSKAN.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, JAYA GUPTA, D/O Rajiv Gupta, Ex. Wife Of KARAN CHAKRAVARTY, R/O H-61, Sector -41, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh- 201301, declare that I got divorce from my husband vide Court Decree No HMA No. 859/2026 dated 29-05-2026. Further I have the name of my minor Son PULKIT CHAKRAVARTY, aged 9 years and he shall hereafter be know as PULKIT GUPTA.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Mr. Dayal Singh Rawat** in respect of **Built-Up Upper Ground Floor without Roof Rights, Built on Property No. 25-B/A, area measuring 72 Sq. Yds., Out of Khasra No. 345, situated in the area of Village Nawada and the colony known as Sidharti Enclave, Uttam Nagar. New Delhi-59,** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I,Shameena W/o Mohd Ashfaq R/o S-53/268, Gandhi Camp-2, Sriniwaspuri, Delhi-110065 have changed my name to Shamima.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD JAVED S/o MOHAMMAD IBRAHIM R/o Q-17/A, 3RD FLOOR, BATLA HOUSE, JAMIA NAGAR, DELHI-110025 have changed my name to MOHD. JAVED.

NAME CHANGE

I,JUNAID S/o MOHD. JAVED R/o Q-17/A, 3RD FLOOR, BATLA HOUSE, JAMIA NAGAR, DELHI-110025 have changed my name to JUNAID JAVED.

NAME CHANGE

I, SAROJ W/o RAJ KUMAR SINGH GOTTAM R/o KHANPUR, PO-KASNA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, U.P.201310 have changed my name to SAROJ DEVI.

NAME CHANGE

I,RAJ KUMAR SINGH S/o NARPAT SINGH R/o KHANPUR, PO-KASNA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, U.P.201310 have changed my name to RAJ KUMAR SINGH GOTTAM.

NAME CHANGE

I, ANJUM NASEEM W/o MOHAMMED SARFARAZ KHAN R/o 3393, BAGHICHI ACHCHAY JI, BARA HINDU RAO, AZAD MARKET, DELHI-110006 have changed my name to ANJUM NAAZ.

NAME CHANGE

I, SHAURYA SHUKLA s/o PANKAJ VISHWANATH SHUKLA R/o 3/14, ROW HOUSE, WINDSOR ESTATE KALYANI NAGAR, PUNE, MAHARASHTRA-411014 have changed my name to SHAURYA PANKAJ SHUKLA.

NAME CHANGE

I, APARANA SINGH wife of JC-783781F, Rank-NB SUB, Name-ATUL SINGH CHANDEL residing at VPO-BAMURI, TEH-SIHAWAL, DIST-SIDHI, MADHYA PRADESH-486661, have changed my name from APARANA SINGH to APARNA SINGH for all future purposes and my correct date of birth is 10/02/1986, vide Affidavit No-IN-DL31009385904825Y, dated 11/06/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती एकता अरोरा पत्नी स्वर्गीय श्री प्रवीण अरोरा, खसरा संख्या 328 में स्थित संपत्ति संख्या F-328 (172 वर्ग गज) की स्वामी हैं, जो लाडो सराय गांव की आबादी में स्थित है। प्रारंभ में, (1) श्री उमेद सिंह, (2) श्री हंस राज धनकर और (3) श्री सुरिंदर कुमार आहूजा उक्त संपत्ति के पंजीकृत स्वामी थे। बाद में, खसरा संख्या 328 (35 वर्ग गज) के संबंध में श्री उमेद सिंह द्वारा श्री होशियार सिंह के पक्ष में दिनांक 12.09.1995 को पंजीकृत जीपीए (GPA) और 102 वर्ग गज के भूखंड के संबंध में श्री हंस राज धनकर द्वारा श्री होशियार सिंह के पक्ष में दिनांक 13.09.1995 को पंजीकृत जीपीए (GPA) निष्पादित किए गए। 172 वर्ग गज में से, खसरा संख्या 328 और पंजीकृत जीपीए दिनांक 09.10.1995 को श्री सुरिंदर कुमार आहूजा द्वारा श्री होशियार सिंह के पक्ष में निष्पादित 35 वर्ग गज के प्लॉट, खसरा संख्या 328 के संबंध में। अंत में, विक्रय विलेख दिनांक 13.05.2026 को श्री होशियार सिंह पुत्र श्री रिच्च पाल सिंह द्वारा श्रीमती एकता अरोरा पत्नी स्वर्गीय श्री प्रवीण अरोरा के पक्ष में संपत्ति संख्या एफ-328, 172 वर्ग गज, खसरा संख्या 328 के संबंध में निष्पादित। दस्तावेज़ संख्या 2026/7/1/6330, खंड संख्या 10459, पृष्ठ संख्या। 169-192, एसआरओ-साउथ हौज खास। अब, जो कोई भी महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त अचल संपत्ति गिरवी रखना चाहता है, उसे उक्त गिरवी पर कोई आपत्ति हो या संपत्ति में किसी का कोई दावा या अधिकार हो, तो उसे 7 दिनों के भीतर आपत्ति के साथ अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करना चाहिए, अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि उक्त संपत्ति पर कोई आपत्ति या कोई मुकदमा या विवाद नहीं है।

नई दिल्ली
दिनांक: 11/6/2026

प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि (1) श्री मोहित पाहवा और (2) श्री प्रतीक पाहवा, दिल्ली सैनिक सहकारी भवन निर्माण समिति लिमिटेड के लेआउट प्लान में स्थित द्वितीय मंजिल, निर्मित प्लॉट संख्या 312, क्षेत्रफल 125 वर्ग गज, (वर्तमान में सैनिक विहार, दिल्ली के नाम से जाना जाता है) के कानूनी वारिस हैं। प्रारंभ में, डीडीए और दिल्ली सैनिक सहकारी भवन निर्माण समिति लिमिटेड द्वारा दिनांक 13.06.2000 को श्रीमती प्रकाश रानी के पक्ष में उक्त संपत्ति, क्षेत्रफल 125 वर्ग गज, के संबंध में स्थायी उप-पट्टा विलेख निष्पादित किया गया था। (दस्तावेज़ संख्या 8454) जिन्होंने दिनांक 17.08.2000 को (1) श्री रविंदर मुंजल और (2) श्री वी.के. तनेजा के पक्ष में पंजीकृत जीपीए निष्पादित किया। जिन्होंने दिनांक 02.07.2001 को (1) डॉ. आर.सी. पाहवा और (2) श्रीमती कृष्णा पाहवा के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत जीपीए निष्पादित किया। । बाद में दिनांक 03.12.2002 को डीडीए द्वारा (1) डॉ. आर.सी. पाहवा पुत्र स्वर्गीय श्री एम.सी. पाहवा और (2) श्रीमती कृष्णा पाहवा पुत्र श्री आर.सी. पाहवा के पक्ष में हस्तांतरण विलेख निष्पादित किया। (दस्तावेज़ संख्या 24371, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 2862, पृष्ठ 42 से 44) बाद में श्री राम चंद पाहवा का देहांत 22.04.2015 को और श्री कृष्णा पाहवा का देहांत 09.11.2022 को हो गया। उनके पीछे निम्नलिखित कानूनी वारिस हैं, अर्थात् (1) श्री मोहित पाहवा (पुत्र) और (2) श्री प्रतीक पाहवा (पुत्र)। जो व्यक्ति उपर्युक्त संपत्ति को इच्छुक क्रेता को बेचना चाहता है, जो व्यक्ति अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त अचल संपत्ति को एल एंड टी फाइनेंस लिमिटेड के पास गिरवी रखेगा। यदि किसी को उक्त बिक्री और गिरवी पर कोई आपत्ति है या संपत्ति में किसी का कोई दावा, अधिकार या हित है, तो उसे 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति के साथ अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करना चाहिए; अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।

नई दिल्ली
दिनांक: 11/6/2026

प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

PUBLIC NOTICE

I, hitherto Known as ASHISH SHRIVASTAVA alias ASHISH SWEET S/O BIJAY KUMAR SHRIVASTAVA R/O Tower-25, Flat 903, LA RESIDENTIA, Techzone- 4, Bishrakh, Greater Noida West, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201306 have changed my name and shall hereafter be known as ASHISH SHRIVASTAVA.

NAME CHANGE

I, NAIM AHMAD S/O RAFIK AHMAD residing at C-89 HIND VIHAR PREM NAGAR 3 KIRARI SULEMAN NAGAR SULTANPURI C BLOCK DELHI-110086. have changed my name to NAYEEM for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as MANOJ KUMAR S/o Navi Chand, R/o H.No.-292, Indergarhi, Post-Adhyatmik Nagar, Dasna Dehat, PO: Dasna, Distt. Ghaziabad, Uttar Pradesh-201302, have changed my name and shall hereafter be known as MANOJ AGGARWAL, for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Mamta Mittal, W/O Pramod Mittal, R/o C-37, balram nagar, Loni Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201102, have changed the name of my minor son Bittu Mittal aged 11 Years and he shall hereafter be known as AARAV MITTAL.

NAME CHANGE

I, KAVITA spouse of RAM SURESH, resident of RZF-362A, GALI NO-03, MAHAVIR ENCLAVE, SOUTH WEST DELHI-110045, have changed my name from KAVITA to KAVITA SURESH vide Affidavit in-DL17988935489113Y dated 25/05/2026 before Executive Magistrate at New Delhi.

NAME CHANGE

I, RAM SURESH KURIL, resident of RZF-362A, GALI NO-03, MAHAVIR ENCLAVE, SOUTH WEST DELHI-110045, have changed my name from RAM SURESH KURIL to RAM SURESH vide Affidavit in-DL17987820518577Y dated 25/05/2026 before Executive Magistrate at New Delhi.

NAME CHANGE

I, RAKSHIT S/o SATPAL R/o H.NO.110/25, Gandhi Nagar, Rohtak, Haryana-124001, have changed my name to RAKSHIT MALWA permanently

NAME CHANGE

I, ANJENEYA SAHU S/o Arun Kumar Sahu R/o 10-D, DDA, SFS MIG, Arunodaya Apartments, Sector-7, Dwarka, Delhi-110075, have changed my name to ANJANEYA SAHU permanently.

NAME CHANGE

I AKSHAY MEHRA S/O KISHAN LAL R/O D-1/37 , MANSA RAM PARK UTTAM NAGAR DELHI-110059 have changed my name to AKSHAY KUMAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I hitherto known as Vikash Mavi S/O: Sukh Binder Singh R/O village-khera dharam pura, Chhapraula, PO: Chhaprola, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201009, have changed my name and shall hereafter be known as VANSH MAVI.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने विकास व आत्मनिर्भरता की लिखी नई इबारतः कृष्ण कुमार बेदी

एजेंसी

जींद। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी, निर्णायक और जनकल्याणकारी नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों के दौरान भारत ने विकास, सुशासन, राष्ट्रीय सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। आज भारत दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है और वैश्विक मंच पर एक सशक्त, आत्मविश्वासी तथा प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 12 वर्षों में भारत ने विकास व विश्वास, जन कल्याण व सुशासन और आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिखी है। मंत्री कृष्ण कुमार बेदी गुरुद्वारा सिंह सभा में केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गरीब, किसान, युवा, महिला और वंचित वर्ग के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। सरकार की जनहितकारी योजनाओं ने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का कार्य किया है। इस दौरान उन्होंने गुरुद्वारा सिंह सभा में माथा टेक कर प्रधानमंत्री के स्वस्थ्य जीवन एवं लंबी उम्र की कामना की और संस्था द्वारा लगाई गई छबील में आमजन को पानी पिलाकर सेवा भी की।

विभाग ने काटे पानी के अवैध कनेक्शन

सिरसा। सिरसा जिले में पेयजल संकट को दूर करने और आम लोगों को पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने ढाणी बिलासपुर में बागवानी और अन्य गैर-घरेलू कार्यों के लिए उपयोग किए जा रहे पानी के अवैध कनेक्शनों को काट दिया। जिला सलाहकार राकेश सोगलान ने बताया कि जनस्वास्थ्य विभाग को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ लोग पेयजल आपूर्ति का उपयोग बागवानी एवं अन्य कार्यों में कर रहे हैं, जिसके कारण क्षेत्र के निवासियों को पीने के पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने विशेष निरीक्षण अभियान चलाया और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। अभियान के दौरान विभाग की टीम ने कई स्थानों का निरीक्षण किया तथा ऐसे कनेक्शनों की पहचान कर उन्हें तुरंत प्रभाव से काट दिया, जिनका उपयोग पेयजल के निर्धारित उद्देश्य के विपरीत किया जा रहा था। विभाग की टीम ने आमजन से अपील की कि वे पेयजल का सदुपयोग करें और जल संरक्षण में सहयोग दें।

साइबर व सामान्य अपराधों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें : आईजी

हिसार। हिसार रेंज के आईजी कुलदीप सिंह ने पुलिस अधीक्षकों व अन्य अधीनस्थों को निर्देश दिए हैं वे साइबर व सामान्य अपराधों बारे त्वरित व कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था में सुधार व अपराध पर रोकथाम यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! और कीमत बहुत सस्ती है पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए। आईजी कुलदीप सिंह बैठक की अध्यक्षता करते हुए निर्देश दे रहे थे। इसमें पुलिस अधीक्षक, डीएसपी, सभी इकाइयों के प्रभारी, प्रभारी साइबर थाना तथा प्रभारी साइबर सैल उपस्थित रहे। गोष्ठी का उद्देश्य क्षेत्र में बढ़ती हुई अपराध प्रवृत्तियों, विशेषकर साइबर अपराधों पर नियंत्रण, त्वरित कार्रवाई एवं जनहित सुरक्षा को सुनिश्चित करना था। आईजी ने सभी इकाई प्रभारियों को अपराध की त्वरित जांच व प्रभावी निवारक कदम उठाने के निर्देश दिए। साइबर अपराधों के मामलों में विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए साइबर सैल व थानों के बीच समन्वय और सूचना आदान-प्रदान को और सुदृढ़ की जाए, डिजिटल साक्ष्य संग्रहण, साइबर फोरेंसिक प्रक्रियाओं और तीव्रता से थानागत फॉलो-अप सुनिश्चित किए जाएं, राजकीय, निजी संस्थानों, बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थाओं के साथ संयुक्त परिरक्षण व जागरूकता अभियानों का आयोजन किया जाए, नागरिकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग एवं पहचान चोरी के प्रति सावधान करने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाए।

बिजली बचत से कम होगा बिजली बिल, पर्यावरण भी रहेगा सुरक्षित : विक्रम सिंह

हिसार। बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) एवं उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) के प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह ने उपभोक्ताओं से ऊर्जा संरक्षण को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर न केवल बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह ने बुधवार को बिजली वितरण निगमों द्वारा जारी जागरूकता संदेश में उपभोक्ताओं को ऊर्जा दक्ष एलईडी बल्बों के उपयोग, अनावश्यक रूप से चल रहे विद्युत उपकरणों को बंद रखने तथा उपयोग में न होने पर चार्जर एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्लग निकालने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही ऊर्जा दक्ष उपकरणों को प्राथमिकता देने, भवनों की छत एवं दीवारों का उचित इन्सुलेशन कराने तथा सौर ऊर्जा को अपनाने पर विशेष जोर दिया गया है। प्रबंध निदेशक ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण केवल आर्थिक बचत का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

तीन दिवसीय राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) सम्मेलन समाप्त

●हरियाणा के सेवाभाव और आतिथ्य के मुरीद हुए मेहमान ●सम्मेलन स्थल की 'वॉल ऑफ मैमोरी' बनी यादगार

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा विधान सभा की मेजबानी में आयोजित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र के जोन-टू सम्मेलन समाप्त हो गया। आठ जून से शुरू हुए इस सम्मेलन के दौरान देश के विभिन्न राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों के अलावा मुख्य रूप से लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्य सभा के उप-सभापति हरिवंश, हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष और मुख्यमंत्री नायब सिंह पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया मौजूद रहे। सम्मेलन के आयोजक हरियाणा विधानसभा के स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने सभी महान विभूतियों को पत्र लिखकर विशेष रूप से आभार जताया है। विस अध्यक्ष ने सम्मेलन में भागीदार उत्तर क्षेत्र के पांचों राज्यों के साथ-साथ विभिन्न राज्य विधान मंडलों से आए पीठासीन अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का भी आभार जताया। विस अध्यक्ष कल्याण ने कहा कि इन सभी प्रतिभागियों ने सार्थक चर्चा कर लोकतांत्रिक संवाद को मजबूती प्रदान की है। दो दिवसीय

सम्मेलन में नॉर्थ जोन के पांचों राज्यों सहित 13 विधान मंडलों के पीठासीन तथा उप-पीठासीन अधिकारी और जनप्रतिनिधि शामिल हुए, जिनमें से लगभग 40 प्रतिभागियों ने निर्धारित विषय पर विचार रखे। सम्मेलन के समापन पर 4 लिखित संकल्प पारित किए गए, जबकि उत्कृष्ट मेजबानी और सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण के प्रति आभार का एक अलिखित प्रस्ताव भी ध्वनिमत से स्वीकार किया गया। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण मेहमानों को सादर विदा करने में व्यस्त रहे। उन्होंने प्रत्येक अतिथि का सहयोग करने के लिए जहां संपर्क अधिकारी तैनात किए थे, वहीं वे व्यक्तिगत रूप से हर किसी की चिंता करते रहे। विधान सभा अध्यक्ष ने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह, प्रदेश सरकार, उसके सभी विभागों का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया है।

सम्मेलन के मुख्य सभागार पास 'वॉल ऑफ मैमोरी' स्थापित की गई। इस पर विभिन्न राज्यों के जन-प्रतिनिधियों ने इस आयोजन पर अपनी आगंतुक टिप्पणी अनूठे अंदाज में प्रस्तुत की। प्रतिभागियों ने इस मंच को सीखने की अद्भुत कवायद और लोकतांत्रिक मूल्यों की अतुलनीय व्याख्या बताया।

सम्मेलन के दौरान लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 'संसदीय अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र' का उद्घाटन किया। सम्मेलन के पहले दिन विधान परिसर में लोकतंत्र दीर्घा का भी उद्घाटन किया। यह दीर्घा का उद्देश्य नागरिकों, विशेष रूप से विद्यार्थियों एवं युवाओं को भारतीय संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा विधायिका की कार्यप्रणाली से परिचित कराना है।

हरियाणा में बूंदाबांदी व आंधी के बावजूद कम नहीं हुआ गर्मी का प्रकोप, जारी रहे लू के थपेड़े

एजेंसी

हिसार। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में मंगलवार शाम को हुई बूंदाबांदी व आंधी के बावजूद दिन भारी उमस व गर्मी भरा रहा। दोपहर के समय लू के थपेड़े चले वहीं अंदर की तरफ उमस ने हाल बेहाल कर दिया। मौसम विभाग ने प्रदेश के एक दर्जन से अधिक जिलों में हीट वेव का दौर रहा। बारिश के बावजूद एक बार फिर भीषण गर्मी का दौर तेज हो गया है। लगातार बढ़ते तापमान के कारण दिन के समय कई जिलों में गर्मी और लू का असर महसूस किया जा रहा है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार प्रदेश के अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक और बढ़ोतरी हो सकती है। इसके बाद मौसम में बदलाव आएगा और अगले दो दिनों के दौरान तापमान में 4 से 6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज हो सकती है ऐसा रहेगा प्रदेश का मौसम हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एमएल खीचड़ का कहना है कि प्रदेश में 14 जून तक मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील रहने व बीच बीच में आंशिक बादलवाई तथा हवाओं की दिशा में बदलाव की संभावना है। इस दौरान पश्चिमी विक्षोभ 11 जून को पहाड़ों की तरफ बढ़ने तथा पंजाब के ऊपर एक साइक्लोनिक सरकुलेशन बनने की संभावना है। इसके आंशिक प्रभाव से 11 जून रात्रि से 13 जून के दौरान हरियाणा राज्य में ज्यादातर क्षेत्रों में बीच बीच में तेज हवाएं चलने व कहीं कहीं गरज चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना है। इस दौरान कुछ एक स्थानों पर मध्यम से तेज बारिश की भी संभावना बन रही है। बदले मौसम के चलते दिन के तापमान में गिरावट परंतु रात्रि तापमान में बढ़ोतरी की संभावना है। आंधी, बिजली और ओलावृष्टि के आसार मौसम विभाग ने 11 और 12 जून को प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में ओलावृष्टि की संभावना जताई है।

बरवाला में अवैध कॉलोनी में बने निर्माण कार्य को जेसीबी से किया ध्वस्त

एजेंसी

हिसार। जिला नगर योजनाकार विभाग ने बरवाला में दौलतपुर मार्ग पर स्थित एक अवैध कॉलोनी में बने निर्माण कार्य को जेसीबी चलाकर ध्वस्त कर दिया गया है। यह कार्रवाई डीटीपी दिनेश कुमार के नेतृत्व में की गई और ड्यूटी मजिस्ट्रेट के मौके पर काफी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। डीटीपी दिनेश कुमार ने बुधवार को बताया कि दौलतपुर मार्ग पर लगभग पांच-छह एकड़ में एक अवैध कॉलोनी में बने निर्माण कार्य, भरी हुई नीवों व कच्ची पक्की सड़कों को जेसीबी से तहस नहस किया गया। इस कार्रवाई के दौरान किसी ने भी ऐतराज वगैरह नहीं किया। इस संबंध में कॉलोनाइजरों को नोटिस वगैरह दिए गए थे परंतु ये कॉलोनाइजर अपनी हरकतों से बाज नहीं आए और इस अवैध कॉलोनी में अपना निर्माण कार्य जारी रखा। इससे पूर्व भी इसी अवैध कॉलोनी में जिला नगर योजनाकार विभाग द्वारा कई बार जेसीबी चला कर भरी हुई नीवों, कच्ची पक्की सड़कों को क्षतिग्रस्त किया जा चुका है। डीटीपी दिनेश कुमार ने लोगों से अपील की कि वो कालोनाइजरों के लोभ लुभावने झांसो में ना आए और किसी अवैध कॉलोनी में प्लाट वगैरह खरीद कर अपनी मेहनत से कमाई गई जमा पूंजी का निवेश ना करें। किसी अवैध कॉलोनी कटने की सूचना तुरंत जिला नगर योजनाकार विभाग को दे ताकि अवैध कालोनी काटने वाले कालोनाइजरों के खिलाफ जिला नगर योजनाकार विभाग द्वारा कार्रवाई की जा सके। इस अवसर पर जेई अमन भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ने 12 वर्ष में 17 बार किया हरियाणा का दौरा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री पद पर 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर हरियाणा की पौने तीन करोड़ जनता की ओर से उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को संबोधित अपने पत्र में कहा कि भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में बीते 12 वर्ष राष्ट्र की सामूहिक चेतना के पुनर्जागरण, जनसेवा और विकास यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुए हैं।प्रधानमंत्री का यह कालखंड सेवा, सुशासन, संकल्प, समर्पण और राष्ट्र प्रथम की भावना से प्रेरित एक युगांतकारी यात्रा का साक्षी रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में देशवासियों ने विकसित, आत्मनिर्भर, सशक्त और गौरवशाली भारत के जिस सपने के साथ देश की बागडोर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में सौंपी थी, आज 140 करोड़ भारतवासी उस सपने को साकार होते हुए देख रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि 15 सितंबर, 2013 को रेवाड़ी में आयोजित देश के पूर्व सैनिकों की

रैली से प्रधानमंत्री ने अपने लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत की थी और उस रैली का उत्साह तथा हरियाणा के लोगों का स्नेह आज भी स्मरणीय है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कर्मभूमि रही है और उनका प्रदेश से विशेष लगाव रहा है। प्रधानमंत्री अब तक 17 बार हरियाणा का दौरा कर चुके हैं और प्रत्येक अवसर पर उन्होंने प्रदेश को विकास की नई सौगात दी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने हरियाणा को अब तक 1,390 किलोमीटर लंबे 22 राष्ट्रीय राजमार्ग दिए हैं, जिसके परिणामस्वरूप आज प्रदेश का प्रत्येक जिला राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत हरियाणा के मेहनतकश किसानों को 9,888 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 20.17 लाख किसानों को 7,562 करोड़ रुपये दिए गए हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 15 लाख महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन मिले हैं तथा प्रदेश में 2.18 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि आयुष्मान भारत-चिरायु योजना के अंतर्गत 27 लाख से अधिक लोगों को 4,148 करोड़ रुपये की लागत से मुफ्त इलाज मिला है। प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना के तहत 1.57 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। वीबीजीवाई योजना में श्रमिकों को 5,337 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 1.56 लाख गरीब परिवारों को पक्का घर मिला है। जल जीवन मिशन के माध्यम से 31 लाख ग्रामीण घरों तक नल से जल पहुंचाया गया है। प्रदेश के युवाओं ने 10 हजार से अधिक स्टार्टअप स्थापित किए हैं तथा 1.58 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण मिला है।

हरियाणा के किसानों को मिलेगा 'अलग बिजली निगम', खेती के लिए मिलेगी भरपूर बिजली

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार कृषि क्षेत्र की बिजली व्यवस्था को अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। राज्य में किसानों और कृषि उपभोक्ताओं के लिए एक अलग बिजली वितरण निगम स्थापित करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। सरकार का लक्ष्य 15 अगस्त तक Haryana Agri Discom को पूरी तरह कार्यात्मक बनाना है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद कृषि क्षेत्र से जुड़े बिजली प्रबंधन, सेवाओं और शिकायत निवारण से संबंधित कार्यों को एक अलग संस्थागत ढांचे के माध्यम से संचालित किया जाएगा। इससे किसानों को बिजली सेवाओं में अधिक पारदर्शिता और बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

दीपक पोपली को सौंपी गई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

नई बिजली वितरण कंपनी के गठन को गति देने के लिए प्रदेश सरकार ने उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम पंचकूला में मुख्य अभियंता (वाणिज्य) के पद पर कार्यरत दीपक पोपली को नोडल

अधिकारी नियुक्त किया है। नोडल अधिकारी के रूप में दीपक पोपली परियोजना के कार्यान्वयन, प्रगति की निगरानी, समन्वय और समीक्षा की जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके अलावा नई व्यवस्था को लागू करने के लिए आवश्यक प्रशासनिक और नीतिगत प्रक्रियाओं को भी आगे बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान किसानों के लिए तीसरे बिजली वितरण निगम के गठन की घोषणा की थी। वर्तमान में प्रदेश में बिजली आपूर्ति का संचालन उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के माध्यम से किया जा रहा है। अब कृषि क्षेत्र की विशेष जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अलग बिजली वितरण कंपनी का गठन किया जा रहा है, जिससे कृषि उपभोक्ताओं से जुड़े मामलों पर विशेष फोकस किया जा सके।नई कंपनी राज्यभर के कृषि फीडरों और कृषि श्रेणी के बिजली उपभोक्ताओं का प्रबंधन करेगी। इसके अंतर्गत नए ट्यूबवेल कनेक्शन जारी करना, ट्रांसफार्मर बदलना, बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता सुधारना और तकनीकी निगरानी जैसे कार्य शामिल होंगे। इसके अलावा Metering, Billing, शिकायत निवारण और राजस्व प्रबंधन की जिम्मेदारी भी इसी कंपनी के पास होगी। इससे कृषि क्षेत्र की बिजली सेवाओं के लिए एक समर्पित तंत्र विकसित किया जा सकेगा। सरकार का मानना है कि अलग बिजली निगम बनने से किसानों को अधिक भरोसेमंद और समयबद्ध सेवाएं मिल सकेंगी। कृषि फीडरों की निगरानी बेहतर होने से बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार आने की संभावना है।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से वाटर सप्लायर की मौत

एजेंसी

रेवाड़ी। रेवाड़ी जिले के गांव बिठवाना में एक दर्दनाक हादसे में ट्रैक्टर के नीचे कुचलने से 50 वर्षीय वाटर सप्लायर की मौत हो गई। घटना मंगलवार शाम की है। सूचना मिलने के बाद मॉडल टाउन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक की पहचान गांव बिठवाना निवासी ओमप्रकाश के रूप में हुई है। उनके भाई राजेश कुमार ने बताया कि ओमप्रकाश ट्रैक्टर-टैंकर के माध्यम से पानी सप्लाई करने का काम करते थे। इन दिनों गांव के पंचायत घर में निर्माण कार्य चल रहा है, जिसके लिए पानी की आवश्यकता थी। मंगलवार शाम को ओमप्रकाश पानी का टैंकर लेकर पंचायत घर पहुंचे थे। बताया गया है कि टैंकर खाली करने के बाद उन्होंने ट्रैक्टर को गियर में खड़ा कर दिया।

इसी दौरान अचानक खड़ा ट्रैक्टर स्टार्ट होकर आगे बढ़ने लगा। पास में खड़े ओमप्रकाश ने ट्रैक्टर को रोकने का प्रयास किया और उस पर चढ़ने के लिए दौड़े। हालांकि, जल्दबाजी में उनका पैर फिसल गया और वह संतुलन खोकर नीचे गिर गए। गिरते ही ट्रैक्टर उनके ऊपर से गुजर गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें उपचार के लिए शहर के एक निजी अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। राजेश कुमार ने बताया कि ओमप्रकाश अपने पीछे पत्नी और एक बेटी को छोड़ गए हैं। उनकी मौत से परिवार गहरे सदमे में है। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने मृतक के भाई के बयान के आधार पर कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम करवाया और अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले की आवश्यक जांच भी कर रही है।

मोदी सरकार की उपलब्धियों को घर-घर पहुंचाएगी हरियाणा सरकार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरूण गुप्ता ने कहा है कि सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने को लेकर अधिकारी रूपरेखा तय करे। उन्होंने इस संबंध में बुधवार को प्रदेश के सभी उपायुक्तों की वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से सचिवालय से बैठक ली है। बैठक में सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल, मुख्यमंत्री के ओएसडी बीबी भारती, कृषि विभाग के महानिदेशक राजनारायण कौशिक, पीसीसीएफ केसी मीणा, सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के अतिरिक्त निदेशक मनीष लौहान, संयुक्त निदेशक नीरज कुमार भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरूण गुप्ता ने सभी उपायुक्तों से अब तक की गई तैयारियों के संबंध में रिपोर्ट लेते हुए विशेष निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि 20 जून तक चलाए जाने वाले विशेष प्रचार एवं जन-जागरूकता अभियान को सफल बनाने के लिए ड्यूटियां सुनिश्चित कर ली जाएं। प्रचार अभियान के दौरान सभी समारोह में मंत्रीगण, सांसदगण, विधायक एवं जनप्रतिनिधियों को विशेष तौर पर आमंत्रित किया जाएं। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों एवं गतिविधियों

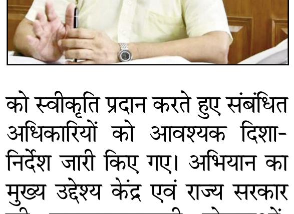

को स्वीकृति प्रदान करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। अभियान का मुख्य उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं तथा गत 12 वर्षों की उपलब्धियों को आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ अमित अग्रवाल ने बैठक के दौरान प्रचार अभियान में किए जाने वाले कार्यो की विस्तृत रूप रेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि इस दौरान मीडिया संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्रीगण मीडिया प्रतिनिधियों के साथ संवाद करेंगे और सरकार की उपलब्धियों एवं योजनाओं की जानकारी सांझा करेंगे। उन्होंने कहा कि विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रों में मंत्रीगण, सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि लोगों के बीच जाकर संवाद स्थापित करेंगे। इसके तहत जनप्रतिनिधियों के दौरे भी प्रस्तावित हैं, जिनके दौरान विकास कार्यों एवं जनहितकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाएगी। डॉ अमित अग्रवाल ने कहा कि युवाओं और सामाजिक संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'प्रगति पथ' से जुड़ी प्रदर्शनी जिला मुख्यालयों पर आयोजित की जाएंगी, जिनमें 12 साल की सरकार की उपलब्धियों का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया जाएगा।

कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस वे बनेगा विकास का केंद्र

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार भविष्य में कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे के आसपास के 135 किलोमीटर लंबे क्षेत्र को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का सबसे बड़ा विकास केंद्र बनाएगी। एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की 16 जून को होने वाली बैठक में हरियाणा सरकार की तरफ से रीजनल प्लान-2041 के संबंध में ड्राफ्ट योजना पेश की जाएगी। इस क्षेत्र को 'सेंट्रल एनसीआर' का दर्जा देने और इसे 'गोल्डन रिंग ऑफ अपॉर्च्युनिटी' के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया है।

योजना के अनुसार, दिल्ली के बाहर केएमपी और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से पांच किलोमीटर तक के क्षेत्र को सेंट्रल एनसीआर माना जाएगा। यह क्षेत्र भविष्य में एनसीआर की आर्थिक वृद्धि का प्रमुख इंजन बनेगा। वर्तमान में एनसीआर देश की जीडीपी में लगभग 8 प्रतिशत योगदान देता है और इसे भारत की 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य का महत्वपूर्ण आधार माना जा रहा है। हरियाणा सरकार ने केएमपी एक्सप्रेसवे के आसपास 'पंचग्राम' परियोजना के तहत पांच नए ग्रीनफील्ड शहर विकसित करने का प्रस्ताव दिया है। इस परियोजना के अंतर्गत करीब 2.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में नए औद्योगिक नगर, आवासीय टाउनशिप और आधुनिक शहरी केंद्र विकसित किए जाएंगे। एक्सप्रेसवे के दोनों ओर 2 से 6 किलोमीटर तक के क्षेत्र में योजनाबद्ध विकास किया जाएगा, जिसकी निगरानी के लिए एक विशेष 'पंचग्राम विकास प्राधिकरण' गठित किया जाएगा। योजना में दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से जुड़े मानेसर-बावल निवेश क्षेत्र को भी प्राथमिकता दी गई है। इससे गुरुग्राम, मानेसर, बावल और आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। केएमपी कॉरिडोर में अत्याधुनिक मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट स्टेशन विकसित किए जाएंगे। पंचगांव चौक (मानेसर) में दिल्ली-अलवर आरआरटीएस, गुरुग्राम-मानेसर मेट्रो और झज्जर-पलवल रेल लाइन को जोड़ा जाएगा।

इस्तीफे के बाद हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष ने वीडियो जारी कर मांगी माफी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की नर्सिंग ऑफिसर द्वारा प्रदेश भर में विरोध प्रदर्शन किए जाने के बाद रात अपने पद से इस्तीफा देने वाली महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने एक वीडियो जारी करके अपने कार्यकाल के दौरान हुई गलतियों पर माफी मांगी है। इस वीडियो में उन्होंने कुरुक्षेत्र विवाद का कोई जिक्र नहीं किया है। आज जारी वीडियो में वह अपने कार्यालय में बैठी हुई दिखाई दे रही हैं।

वीडियो में उन्होंने पहले पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल और फिर वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सैनी का आभार जताया। कहा-यदि कुछ गलतियां हो गई हो तो माफी मांगती हूं। हालांकि उन्होंने नर्सिंग ऑफिसर की बेटी वाले बयान पर एक शब्द नहीं बोला। बताया जा रहा है कि यह मंगलवार को ही रिकॉर्ड किया गया, लेकिन पोस्ट किया। वीडियो में रेणु भाटिया ने कहा कि मैं आपके बीच आई हूं आपसे विदा लेने। मैं धन्यवाद करती हूं पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल का, जिन्होंने मुझ पर विश्वास करके मुझे इस पद को दिया। मैं धन्यवाद करती हूं, मुख्यमंत्री नायब सैनी का, जिन्होंने मुझ पर विश्वास करके मुझे दूसरे कार्यकाल के लिए अवसर दिया। मैं अपने इन साढ़े 4 वर्षों में प्रयास करती रही कि बेहतर कार्य करके दिखाऊं।

अगर इस दौरान यदि कभी कहीं कार्य में त्रुटि रही हो तो, यदि कहीं मेरी वजह से किसी को आघात पहुंचा हो तो, यदि मेरी वजह से कोई कार्य डिले हुआ हो तो मैं उसके लिए क्षमायाची हूं, क्योंकि गलतियों से ही इंसान सीखता है। और वहीं मैंने अपनाया है। मैं सभी बेटियों को दुआ देकर जाती हूं कि जो बेटी इस टेबल तक आए, कमरे तक आए, उसकी हर प्रॉब्लम सॉल्व हो। मेरे बाद जो इस कुर्सी पर बैठे, वो अपनी बेटी की तरह से, सभी बेटियों को देखे। क्योंकि प्रॉब्लम को अपने परिवार की प्रॉब्लम समझकर सॉल्व करे। मैंने अपने साढ़े 4 वर्ष इस गीता के

उपदेशों की तरह से जिया है। मैं गीता की कसम खाकर कहती हूं कि मैंने कभी किसी के साथ अन्याय नहीं किया। प्रयास किया कि मैं सबको सुख दे सकूं, सबके लिए मैं वो कार्य कर सकूं, जो वो मेरे पास आस लेकर आए हैं। मैं इन्हीं शब्दों के साथ आज इस कुर्सी से विदा लेती हूं। जय भारत, जय हिंद। रेणु भाटिया द्वारा दिया गया इस्तीफा देर रात सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस्तीफे को लेकर चर्चाओं का दौर जारी रहा। इस बीच सरकार की तरफ से इस्तीफा स्वीकार करने को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। जिसके चलते इस्तीफे पर सस्पेंस बनी हुई है।

12 वर्षों में जनता को केवल गुमराह करने का काम किया, उज्ज्वला योजना को भी किया कमजोर : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्लूसी) की सदस्य, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि भाजपा सरकार के 12 वर्षों का वास्तविक मूल्यांकन देश की माताओं और बहनों के रसोईघरों में किया जा सकता है। भाजपा ने पिछले 12 वर्षों में जनता को बड़े-बड़े वादे और सपने दिखाकर गुमराह करने का काम किया है। उज्ज्वला योजना को गरीब महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने और स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने की योजना के रूप में प्रस्तुत किया गया था, लेकिन आज बढ़ती गैस कीमतों और घटती सुविधाओं ने करोड़ों गरीब परिवारों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा सरकार ने गरीब परिवारों को सस्ते गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने तथा महिलाओं को चूल्हे के धुएं से राहत दिलाने का वादा किया था, लेकिन समय के साथ इन दावों की वास्तविकता सामने आ गई। पहले 12 सिलेंडरों की बात हुई, फिर संख्या घटकर 9 तक पहुंची और अब केवल 4 सिलेंडरों तक सीमित होने की स्थिति सामने आ रही है। इससे गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। सांसद ने कहा कि गैस सिलेंडरों की लगातार बढ़ती कीमतों ने घरेलू बजट को पूरी तरह प्रभावित किया है। रसोई का खर्च बढ़ने से लाखों परिवार गैस सिलेंडर रिफिल कराने में असमर्थ हो रहे हैं। अनेक ग्रामीण और गरीब परिवारों की महिलाएं फिर से लकड़ी, उपलों और पारंपरिक चूल्हों का सहारा लेने को मजबूर हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि किसी भी योजना की सफलता का आकलन केवल सरकारी विज्ञापनों और आंकड़ों से नहीं, बल्कि उसके वास्तविक लाभार्थियों के जीवन में आए बदलाव से किया जाता है। यदि करोड़ों परिवार गैस रिफिल नहीं करवा पा रहे और महिलाएं फिर से धुएं में खाना बनाने को विवश हैं, तो यह सरकार की नीतियों की विफलता का स्पष्ट प्रमाण है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

संसेक्स 150, निफ्टी 53 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से भी निवेशकों ने बाजार से दूरी बना ली है। अमेरिका द्वारा ईरान पर की गई ताजा सैन्य कार्रवाई के बाद वैश्विक बाजारों में चिंता बनी हुई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई का बेंचमार्क सेंसेक्स 150.63 अंक टूटकर 73,832.55 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 53.35 अंक टूटकर 23,161.60 के स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार में सबसे ज्यादा गिरावट तकनीकी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स क्षेत्र में रही। निफ्टी आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और केमिकल इंडेक्स सबसे ज्यादा गिरे। आईटी कंपनी इन्फोसिस के शेयर सबसे अधिक गिरे। व्यापक बाजार में मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर नीचे आये। हालांकि निफ्टी मीडिया, प्राइवेट बैंक और फार्मा क्षेत्र के शेयरों में बढ़त रही। इससे बाजार की गिरावट पर अंकुश लगा। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने निवेशकों की धारणा को कमजोर कर दिया। सुबह के कारोबार में, प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। शुरुआत में सेंसेक्स 311.08 अंक की गिरावट के साथ 73,672.10 पर कारोबार कर रहा था।

वहीं निफ्टी भी 86.20 अंक फिसलकर 23,128.75 के स्तर पर आ गया।

बाजार विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका द्वारा ईरान पर नए हमलों और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के कड़े बयानों ने वैश्विक निवेशकों की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

रुपया 32 पैसे टूटकर 95.57 प्रति डॉलर पर खुला

घरेलू शेयर बाजारों के कमजोर रुख और डॉलर में मजबूती से स्थानीय मुद्रा पर डाला दबाव

मुंबई ।

रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 32 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.57 पर पहुंच गया। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। इसके अलावा विदेशी मुद्रा की निरंतर निकासी, घरेलू शेयर बाजारों के कमजोर रुख और डॉलर में मामूली मजबूती ने भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.55 प्रति डॉलर पर खुला और फिर टूटकर 95.57 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया बुधवार को 16 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.25 पर बंद हुआ था। अत्यधिक उतार-चढ़ाव को रोकने तथा घरेलू मुद्रा में और गिरावट को थामने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप से रुपये को समर्थन मिला था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.95 पर रहा।

उद्योगों और कॉर्पोरेट्स का हरित ऊर्जा की ओर रुझान

- वित्त वर्ष 30 तक सीएंडआई नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 134 जीडब्ल्यू पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली ।

देश के बड़े औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ता (सीएंडआई) अब महंगी ग्रिड बिजली की बजाय सीधे सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं से बिजली खरीद रहे हैं। 30-45 फीसदी तक की लागत बचत को मुख्य कारण बताते हुए, एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग की रिपोर्ट बताती है कि वित्त वर्ष 2025 तक देश में सीएंडआई नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़कर लगभग 45 गीगावॉट हो गई है। यह क्षमता वित्त वर्ष 2030 तक 121-134 गीगावॉट तक पहुंच सकती है, जो सात साल पहले के मुकाबले तीन गुना से भी ज्यादा है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की कुल बिजली मांग में सीएंडआई उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी करीब 50 प्रतिशत है। उद्योगों को ग्रिड बिजली के लिए प्रति यूनिट 6.6-8.7 रुपये चुकाने पड़ते हैं, जबकि कैप्टिव सौर परियोजनाओं से यह 4-5.9 रुपये प्रति यूनिट में उपलब्ध है, जिससे 20-60 फीसदी तक बचत होती है। इस आर्थिक लाभ के कारण कंपनियां ओपन एक्सेस मॉडल अपना रही हैं, सीधे उत्पादकों से बिजली खरीद रही हैं। 2019 में नई सौर और पवन ऊर्जा क्षमता में ओपन एक्सेस की हिस्सेदारी 5 फीसदी थी, जो 2024 तक 34 फीसदी हो गई। डेटा सेंटर इस बदलाव का एक बड़ा नया अवसर हैं; इनकी आईटी क्षमता 2030 तक 1.5 जीडब्ल्यू से बढ़कर 7 जीडब्ल्यू तक पहुंचने का अनुमान है, जहाँ बिजली कुल परिचालन लागत का 30-40 फीसदी होती है। 24 घंटे निर्बाध बिजली की जरूरत के कारण डेटा सेंटर भी तेजी से नवीकरणीय ऊर्जा और बैटरी स्टोरेज की ओर बढ़ रहे हैं।

भारत को कृषि से उद्योग की ओर बढ़ना होगा- नीति आयोग

नई दिल्ली ।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी ने भारत के कृषि क्षेत्र के लिए एक व्यापक सुधार एजेंडा पेश किया है, जिसमें मध्यम से दीर्घावधि में अधिशेष श्रम को उद्योग व सेवाओं में स्थानांतरित करने, कुशल बाजार बनाने और जिंस सब्सिडी को प्रत्यक्ष आय हस्तांतरण में बदलने पर जोर दिया गया है। उन्होंने आगाह किया कि आधी आबादी की आजीविका के लिए कृषि पर निर्भरता, जो जीडीपी का मात्र छठा हिस्सा है, संकट का कारण है। एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में लाहिड़ी ने जोर दिया कि कृषि से अधिशेष श्रम को उद्योग और सेवाओं जैसे उत्पादक क्षेत्रों में स्थानांतरित करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने जिंस-आधारित सब्सिडी को प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण में बदलने की वकालत की, हालांकि इसे राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण बताया। लाहिड़ी ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) प्रणाली की भी कड़ी आलोचना की, बताया कि इससे 10 फीसदी से भी कम किसानों को सीधा लाभ मिलता है, फिर भी यह फसल विविधीकरण को रोकता है और पानी-गहन अनाजों की खेती को बढ़ावा देता है। उन्होंने बिना एमएसपी समर्थन के सफल हुए मुर्गी पालन और डेयरी जैसे क्षेत्रों का उदाहरण दिया। लाहिड़ी ने निष्कर्ष निकाला कि खाद्य कमी के युग में बना एमएसपी अब अधिशेष के दौर में वित्तीय और पर्यावरणीय लागतों को बढ़ा रहा है, जिससे इसकी प्रासंगिकता पर सवाल उठते हैं।

एथेनॉल वाले पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क खत्म

ग्राहकों, कंपनियों व किसानों को लाभ, ऊर्जा सुरक्षा को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली ।

पेट्रोल में उच्च एथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। अब 22 से 30 फीसदी तक एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल पर लगने वाले केंद्रीय उत्पाद शुल्क (एक्साइज ड्यूटी) को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। इस फैसले से ग्राहकों, तेल कंपनियों और आम किसानों को सीधा फायदा पहुंचने की उम्मीद है, साथ ही देश की ऊर्जा सुरक्षा भी मजबूत होगी। सरकार ने गजट नोटिफिकेशन के जरिए ई22, ई25, ई27 और ई30 श्रेणी के पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क शून्य किया है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक देश भारत, लंबे समय से पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण बढ़ाने की नीति पर काम कर रहा है। यह कदम कच्चे तेल आयात पर निर्भरता कम करेगा और भविष्य में ईंधन की कीमतों को स्थिर रखने में सहायक होगा। एथेनॉल गन्ने और मक्का जैसे कृषि उत्पादों से बनने वाला एक जैव-ईंधन (बायोफ्यूल) है। इसके उपयोग से कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और एथेनॉल उत्पादन के लिए कृषि क्षेत्र में मांग बढ़ने से किसानों की आय में वृद्धि होगी।

अमेरिकी महंगाई का तीन साल के उच्च स्तर पर, ट्रंप बोले- मुझे पसंद है

बढ़ती गैस कीमतों ने खुदरा महंगाई को 4.2 फीसदी तक पहुंचाया

वॉशिंगटन ।

अमेरिका में बढ़ती गैस कीमतों के कारण मई में खुदरा महंगाई 4.2 प्रतिशत के साथ तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। इसने फेडरल रिजर्व की चिंता बढ़ाई है और मध्यावधि चुनाव से पहले अमेरिकी प्रशासन के लिए राजनीतिक चुनौती खड़ी कर दी है। इसी बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने महंगाई पर अप्रत्याशित बयान देकर सबको चौंका दिया है। श्रम विभाग के अनुसार मई में खुदरा महंगाई सालाना 4.2 प्रतिशत बढ़ी, जो अप्रैल के 3.8 प्रतिशत से अधिक है। यह लगातार तीसरे महीने की वृद्धि है और फेडरल रिजर्व के 2 प्रतिशत लक्ष्य से काफी ऊपर है। इस बीच, राष्ट्रपति ट्रंप ने महंगाई पर अप्रत्याशित रूप से आशावादी रुख अपनाते हुए कहा, मुझे वास्तव में महंगाई पसंद है। उन्होंने न तो इसे डेमोक्रेटिक पार्टी का छल बताया और न ही जीवन-यापन की लागत कम होने का दावा किया। नवंबर के मध्यावधि चुनाव से पहले मतदाता अर्थव्यवस्था को प्रमुख चिंता मान रहे हैं, ऐसे में यह बयान अप्रत्याशित है। डेमोक्रेट्स ने तुरंत इसका वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर राजनीतिक सरगर्मियां तेज कर दी हैं।

अडानी ने 3050 करोड़ में खरीदी इंटेलीस्मार्ट, स्मार्ट मीटर बाजार में बढ़ाएंगे दबदबा

सरकार के 25 करोड़ मीटर बदलने के मेगा प्लान के बीच बड़ा दांव, हर घर के बिजली बिल पर होगा असर

मुंबई ।

अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस (एईएसएल) ने स्मार्ट मीटर बनाने वाली कंपनी इंटेलिजेंट इंफ्रास्ट्रक्चर (इंटेलीस्मार्ट) को 3050 करोड़ रुपये में खरीद लिया है। यह डील सरकार की 25 करोड़ पारंपरिक मीटरों को बदलने की मेगा योजना के बीच हुई है, जिससे अडानी देश के पावर सेक्टर में अपनी स्थिति और मजबूत करेंगे। यह अधिग्रहण अडानी के लिए सिर्फ एक सौदा नहीं, बल्कि देश भर में स्मार्ट मीटरिंग पर दबदबा बनाने की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। गौतम अडानी की कंपनी एईएसएल का यह कदम आने वाले दिनों में हर घर के बिजली बिल और मीटरिंग व्यवस्था को प्रभावित करने वाला है। इंटेलीस्मार्ट का अधिग्रहण अडानी के लिए महंगा सौदा लग सकता है क्योंकि उन्होंने कंपनी की सेल्स के मुकाबले करीब छह गुना ज्यादा कीमत चुकाई है, लेकिन यह भविष्य की एक बड़ी रणनीतिक तैयारी है। केंद्र सरकार की रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत देश के 25 करोड़ पुराने और पारंपरिक बिजली मीटरों को स्मार्ट मीटरों से बदलने का लक्ष्य है। इंटेलीस्मार्ट के पास पहले से ही उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार और असम जैसे बड़े राज्यों में 2.2 करोड़ से अधिक स्मार्ट मीटरों का मजबूत पोर्टफोलियो है। एईएसएल खुद भी 1 करोड़ से ज्यादा स्मार्ट मीटर लगा चुकी है, जिससे यह डील उनकी बाजार हिस्सेदारी को कई गुना बढ़ा देगी।

कंपनी ने 2019 में अपनी स्थापना के बाद से ही शानदार तरक्की की है। कंपनी का रेवेन्यू और मुनाफा तेजी से बढ़ा है, जो अडानी को प्रीमियम कीमत चुकाने के लिए प्रेरित किया। यह अधिग्रहण तात्कालिक लाभ से कहीं आगे, भविष्य में स्मार्ट मीटरिंग के विशाल बाजार पर कब्जा जमाने की अडानी ग्रुप की दूरदर्शी रणनीति का हिस्सा है। अब देखना होगा कि अडानी इस बड़े मौके को कितनी कुशलता से भुना पाते हैं।

लेंसकार्ट में 1960 करोड़ की ब्लॉक डील, शेयर उछले

– अबू धाबी निवेश अथॉरिटी की इकाई ने घटाई हिस्सेदारी, लेकिन निवेशकों का भरोसा कायम

मुंबई ।

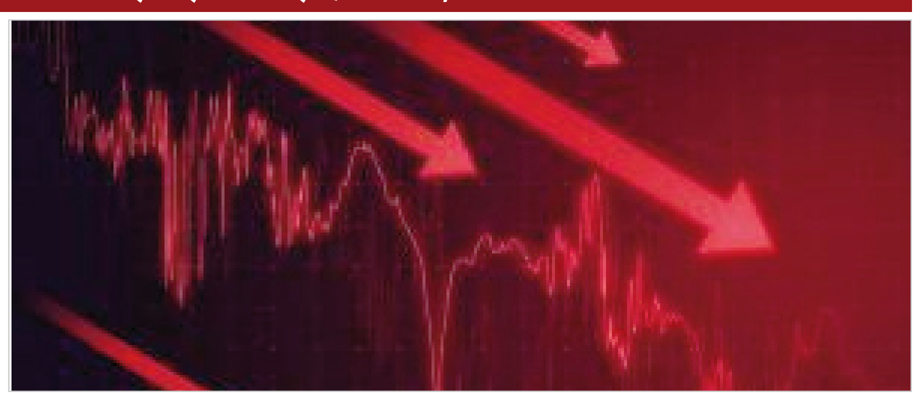

चश्मा बनाने वाली प्रमुख कंपनी लेंसकार्ट सॉल्यूशंस में हाल ही में एक बड़ी ब्लॉक डील हुई है। अबू धाबी इनवेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए) की इकाई ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बेची है, लेकिन इसके बावजूद लेंसकार्ट के शेयरों में मजबूती बनी हुई है, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। एडीआईए की यूनिट प्लैटिनम जैस्मीन ए 2018 ट्रस्ट ने ब्लॉक डील के जरिए लेंसकार्ट के 4 करोड़ शेयर 1960 करोड़ रुपये में बेचे। यह सौदा 490 रुपये प्रति शेयर पर हुआ, जो कंपनी की कुल इक्विटी का लगभग 2.3 फीसदी है। इस बिक्री के बाद ट्रस्ट की हिस्सेदारी 12.08 फीसदी से घटकर लगभग 9.8 फीसदी रह गई है। डील के बावजूद, लेंसकार्ट के शेयरों में लगभग 1 फीसदी की तेजी आई और यह बीएसई पर 505.15 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंचा। ब्रोकरेज फर्म मैक्वेरी ने आउटपरफॉर्म रेटिंग के साथ 600 रुपये का संशोधित टारगेट प्राइस दिया है। कुल 19 एनालिस्ट में से 15 ने शेयर पर खरीदने की सलाह दी है। गौरतलब है कि हाल ही में सॉफ्टबैंक समूह ने भी लेंसकार्ट में 3.25 फीसदी हिस्सेदारी बेची थी। इन लगातार बड़ी डील्स के बावजूद, बाजार में लेंसकार्ट को लेकर सकारात्मक माहौल बना हुआ है, जो इसकी मजबूत व्यावसायिक संभावनाओं को दर्शाता है।

अमेरिका-ईरान तनाव से 150 डॉलर तक पहुंच सकता है कच्चा तेल- रिपोर्ट

- विशेषज्ञों ने चेताया, वैश्विक तेल आपूर्ति पर गंभीर असर

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अप्रैल में हुए युद्धविराम को गंभीर चुनौती दे रहा है, जिससे वैश्विक तेल बाजार में हलचल तेज हो गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार टकराव युद्ध में बदला तो कच्चा तेल 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकता है, जिससे शेयर बाजार भी दबाव में हैं। एक ऊर्जा रिसर्च फर्म की रिपोर्ट बताती है कि खाड़ी क्षेत्र के छह प्रमुख तेल उत्पादक देशों से प्रतिदिन करीब 1.18 करोड़ बैरल तेल उत्पादन प्रभावित हुआ है, जिसे आधुनिक दौर में तेल आपूर्ति पर सबसे बड़ा असर माना जा रहा है। इस अनिश्चितता के कारण ब्रेंट क्रूड एक समय 94.5 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। हालांकि, तीन कारक बाजार को पूरी तरह बेकाबू होने से बचा रहे हैं- अमेरिका का रिकॉर्ड रणनीतिक भंडार जारी करना, चीन द्वारा कच्चे तेल का आयात कम करना, और सऊदी अरब के यानबू बंदरगाह से हॉर्मुज जलडमरूमध्य को बायपास कर 50 लाख बैरल तेल की दैनिक आपूर्ति। कुछ हफ्ते पहले अमेरिका-ईरान समझौते की 40 फीसदी संभावना अब कमजोर पड़ गई है। आने वाले दिन निर्णायक होंगे, जो तय करेंगे कि तनाव बातचीत से कम होगा या टकराव बढ़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार पिछले तीन महीनों में वैश्विक बाजार से लगभग 100 करोड़ बैरल कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई है।

आरबीआई ने 135 एनबीएफसी के लाइसेंस किए रद्द, 13 ने स्वेच्छा से सौंपे प्रमाणपत्र

– नियमों का उल्लंघन और कारोबार से बाहर निकलने सहित विभिन्न कारणों से की गई कार्रवाई

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) पर कड़ा रुख अपनाते हुए 135 कंपनियों के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट रद्द कर दिए हैं। इस फैसले से वित्तीय क्षेत्र में हलचल बढ़ गई है। इसके अतिरिक्त, 13 एनबीएफसी ने विभिन्न व्यावसायिक कारणों से स्वेच्छा से अपने पंजीकरण प्रमाणपत्र आरबीआई को वापस सौंप दिए हैं। आरबीआई ने बताया कि जिन कंपनियों के रजिस्ट्रेशन रद्द किए गए हैं, उनमें से बड़ी संख्या पश्चिम बंगाल में पंजीकृत कंपनियों की है।

रद्द की गई प्रमुख कंपनियों में एक्सप्रेस फिनकैप हाउस, अक्षय फिस्कल सर्विसेज, टाइम्स फाइनेंस, जुपिटर फिनवेस्ट और एस्सेल फाइनेंस बिजनेस लोन्स जैसी कंपनियां शामिल हैं। ऋद्ध समय-समय पर एनबीएफसी की गतिविधियों की समीक्षा करता है और नियमों का पालन न करने या अन्य आवश्यक कारणों से ऐसे सख्त कदम उठाता है। वहीं 13 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों ने स्वेच्छा से अपने पंजीकरण प्रमाणपत्र आरबीआई को सौंप दिए हैं। इन कंपनियों ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कारोबार से बाहर निकलने, विलय, अधिग्रहण, विघटन या स्वैच्छिक बंदी जैसे कारणों से यह कदम उठाया है। इनमें जे. थॉमस फाइनेंस, कार्नेक्स विनिमय और इम्पैक्ट लीजिंग प्रमुख हैं।कुछ कंपनियों ने अपनी कारोबारी संरचना में बदलाव के कारण लाइसेंस वापस किए, जैसे फोररनर कैपिटल इन्वेस्टमेंट्स। कैस्पियन इम्पैक्ट इन्वेस्टमेंट्स सहित कई अन्य कंपनियों ने विलय या कानूनी रूप से समाप्त होने के कारण अपने लाइसेंस लौटाए।

चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर घटकर 6.6 फीसदी रहने का अनुमान- बीएमआई

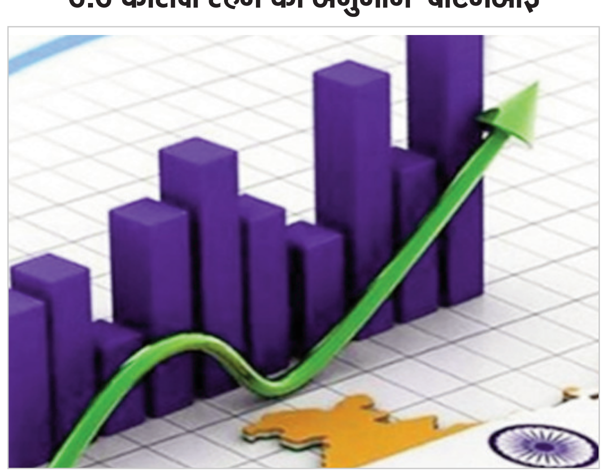

नई दिल्ली ।

फिच समूह की कंपनी बीएमआई ने अनुमान लगाया है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहेगी।

यह वित्त वर्ष 2025-26 में दर्ज 7.7 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में स्पष्ट मंदी दर्शाती है।

इस संभावित गिरावट के पीछे कमजोर निवेश, खपत में कमी और पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न व्यापारिक झटके प्रमुख कारण बताए गए हैं।

बीएमआई ने कहा कि हालांकि यह वृद्धि दर पिछले एक दशक की औसत 6.1 प्रतिशत से अधिक है और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 6.6 प्रतिशत के अनुमान के अनुरूप है।

पिछले सप्ताह जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी वृद्धि मजबूत खपत और सशक्त निवेश गतिविधियों के समर्थन से 7.7 प्रतिशत रही थी। उपभोग के मोर्चे पर, सितंबर 2025 में लागू माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों के कारण वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में खपत में उछाल आया था।

हालांकि, जनवरी-मार्च तिमाही में खपत वृद्धि सालाना आधार पर 1.1 प्रतिशत अंक घटकर 7.1 प्रतिशत रह गई। बीएमआई को उम्मीद है कि चालू कैलेंडर वर्ष में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.1 के स्तर के आसपास कारोबार करेगा। 2025 में 87 के औसत स्तर से रुपये में यह गिरावट निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगी, जिससे ईरान संघर्ष के कारण व्यापार की शर्तों पर पड़े नकारात्मक प्रभाव की भरपाई हो सकेगी।

बिहार में उद्योग लगाना अब मात्र 30 दिन का काम

- निवेश आकर्षित करने सरकार की बड़ी पहल

पटना ।

बिहार सरकार ने राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने और निवेश आकर्षित करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। अब राज्य में उद्योग स्थापित करने की प्रक्रिया मात्र 30 दिनों में पूरी की जा सकेगी। बिहार सरकार में मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि एनडीए सरकार बिहार को निवेश और उद्योग के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाने की दिशा में लगातार बड़े कदम उठा रही है। मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि बिहार में उद्योगों की स्थापना की प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और सरल बनाने के उद्देश्य से एक नई व्यवस्था लागू की जा रही है। इस क्रांतिकारी बदलाव के तहत, निवेशक अब सिर्फ 30 दिनों के भीतर अपनी औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित कर सकेंगे। सरकार का यह निर्णय निवेशकों के लिए एक बड़ी राहत लेकर आया है और इसे राज्य में निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में एक मील का पत्थर माना जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस पहल से नए उद्योग स्थापित होंगे, औद्योगिक विकास को गति मिलेगी और प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के अधिक अवसर सृजित होंगे। सरकार का लक्ष्य निवेशकों को बेहतर सुविधाएँ और समयबद्ध सेवाएँ उपलब्ध कराना है, जिसके लिए सिंगल विंडो प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। यह प्रणाली उद्योग स्थापना से जुड़ी सभी आवश्यक अनुमतियों और स्वीकृतियों का त्वरित निपटारा सुनिश्चित करेगी। इसके अलावा, राज्य निवेश प्रोत्साहन परिषद सचिवालय को एकल नोडल एजेंसी के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह सचिवालय उद्योगों की स्थापना की पूरी प्रक्रिया को अधिक सुगम, सरल और निवेशक-अनुकूल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मंत्री सिन्हा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा, अब मात्र 30 दिनों में बिहार में लगाइए उद्योग। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये कदम बिहार को निवेश के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करेंगे और राज्य की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

टीसीएस और एंथ्रोपिक ने उद्यम स्तर पर की साझेदारी

नई दिल्ली ।

आईटी सेवा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने गुरुवार को एआई अग्रणी एंथ्रोपिक के साथ एक रणनीतिक वैश्विक साझेदारी की घोषणा की। इस सहयोग का मुख्य उद्देश्य विभिन्न उद्योगों के ग्राहकों को उद्यम स्तर पर कृत्रिम मेधा (एआई) समाधानों को प्रभावी ढंग से अपनाने और लागू करने में सहायता करना है।

इस साझेदारी के तहत, टीसीएस एक समर्पित व्यवसाय इकाई स्थापित करेगा।

यह इकाई एंथ्रोपिक के अत्याधुनिक क्लॉड एआई मॉडल तक शुरुआती पहुंच का उपयोग करते हुए विशेष उद्योग-केंद्रित समाधान और विशेषज्ञता विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। कंपनी ने बताया कि वह अपने इंजीनियरिंग, वित्त, विधि, विपणन और बिक्री विभागों के 50,000 कर्मचारियों को उद्यम स्तरीय लाइसेंसिंग के माध्यम से क्लॉड तक पहुंच प्रदान करेगी।

एंथ्रोपिक के एक प्रमुख अधिकारी ने इस साझेदारी को भारत के प्रति अपनी कंपनी की प्रतिबद्धता को मजबूत करने वाला बताया, जो उनके लिए दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। उन्होंने कहा कि यह सहयोग ग्राहकों को उत्पादन स्तर पर तेजी से प्रगति करने में मदद करेगा, विशेषकर उन उद्योगों में जहां भरोसा, लचीलापन और नियामक अनुपालन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

सांसद और विधायक भाग रहे, क्या ममता बनर्जी भी टीएमसी छोड़ कर कांग्रेस में जा रही हैं?

नीरज कुमार दुबे

स्थिति यह है कि तृणमूल कांग्रेस के भीतर विद्रोह अब खुली चुनौती का रूप ले चुका है। पार्टी के 80 में से 58 विधायक अलग होकर निष्कासित विधायक रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट के साथ चले गए हैं। इस गुट को विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल के रूप में मान्यता भी मिल चुकी है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय अपने सबसे उथल पुथल भरे दौर से गुजर रही है। कभी बंगाल की निर्विवाद ताकत मानी जाने वाली ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस अब अंदरूनी बगावत, सांसदों और विधायकों के पलायन तथा राजनीतिक अस्तित्व के संकट से जूझती दिखाई दे रही है। दिल्ली में सोनिया गांधी के साथ ममता बनर्जी और राहुल गांधी के साथ अभिषेक बनर्जी की बैठकों ने इस संकट को और अधिक राजनीतिक रंग दे दिया है। भले ही कांग्रेस और तृणमूल दोनों सार्वजनिक रूप से किसी विलय की संभावना से इंकार कर रहे हों, लेकिन घटनाक्रम यह संकेत दे रहा है कि बंगाल की राजनीति में एक बड़ा पुनर्संयोजन शुरू हो चुका है। एक तरह से यह साफ नजर आ रहा है कि सिर्फ टीएमसी के सांसद, विधायक और पार्षद ही पाला नहीं बदल रहे हैं खुद टीएमसी प्रमुख अपनी पार्टी को खत्म कर कांग्रेस में वापस लौटना चाह रही हैं।

हम आपको बता दें कि दिल्ली में राहुल गांधी और अभिषेक बनर्जी की डेढ़ घंटे लंबी मुलाकात तथा उससे पहले सोनिया गांधी और ममता बनर्जी की बैठक ने राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। तृणमूल कांग्रेस ने इन बैठकों को लोकतंत्र और संविधान बचाने की साझा प्रतिबद्धता बताया, लेकिन राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह महज औपचारिक बातचीत नहीं थी। बंगाल विधानसभा चुनावों के बाद जिस तरह तृणमूल कांग्रेस कमजोर हुई है और पार्टी के भीतर टूट की स्थिति बनी है, उसके बाद कांग्रेस से नजदीकी बनाना ममता बनर्जी की राजनीतिक मजबूरी बन गई है।

स्थिति यह है कि तृणमूल कांग्रेस के भीतर विद्रोह अब खुली चुनौती का रूप ले चुका है। पार्टी के 80 में से 58 विधायक अलग होकर निष्कासित विधायक रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट के साथ चले गए हैं। इस गुट को विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल के रूप में मान्यता भी मिल चुकी है। रितब्रत बनर्जी लगातार दावा कर रहे हैं कि वही ‟असली तृणमूल कांग्रेस" हैं और कांग्रेस के साथ किसी भी प्रकार के विलय या समझौते के खिलाफ हैं। उनका दावा है कि उनके साथ विधायकों की संख्या लगातार बढ़ रही है और कई सांसद भी उनके संपर्क में हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कांग्रेस के साथ संभावित विलय या अत्यधिक नजदीकी की अटकलों ने तृणमूल कांग्रेस के भीतर असुरक्षा और बेचैनी को और बढ़ा दिया है। पार्टी के कई विधायक, सांसद और क्षेत्रीय नेता अपनी पूरी राजनीतिक पहचान कांग्रेस विरोध की जमीन पर बनाकर आगे बढ़े थे। ऐसे में उन्हें यह डर सता रहा है कि यदि ममता बनर्जी अंततः कांग्रेस के साथ विलय या व्यापक राजनीतिक समझौते की राह पर चलती हैं, तो उनकी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान समाप्त हो जाएगी। यही कारण है कि तृणमूल में भगदड़ और तेज होने की संभावना जताई जा रही है। पार्टी के भीतर एक बड़ा वर्ग ऐसा है जो कांग्रेस में लौटने के पक्ष में नहीं है और वह या तो अलग गुट के साथ रहना चाहता है या फिर नए राजनीतिक विकल्प तलाश रहा है। यही बेचैनी अब खुले विद्रोह और लगातार इस्तीफों के रूप में सामने आती दिखाई दे रही है।

संकट केवल विधानसभा तक सीमित नहीं है। संसद में भी तृणमूल कांग्रेस की नींव हिलती दिख रही है। राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बराइक के इस्तीफे ने पार्टी की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। उनसे पहले सुष्मिता देव और सुखेंदु शेखर राय भी पार्टी और राज्यसभा से इस्तीफा दे चुके हैं। सुष्मिता देव की असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा से मुलाकात ने यह अटकलें और तेज कर दी हैं कि तृणमूल कांग्रेस के कई नेता अब भारतीय जनता पार्टी की ओर रुख कर सकते हैं।

लोकसभा में भी तृणमूल के भीतर विद्रोही खेमे की ताकत बढ़ती दिखाई दे रही है। काकोली घोष दस्तिदार के नेतृत्व वाला गुट दावा कर रहा है कि उसे बीस से अधिक सांसदों का समर्थन हासिल है। सयोनी घोष, माला राय, युसुफ पठान, शताब्दी राय, शत्रुघ्न सिन्हा और रचना बनर्जी जैसे कई चर्चित नाम विद्रोही खेमे के साथ बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह गुट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार को समर्थन देने के लिए लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिख चुका है।

इन घटनाओं के बीच कांग्रेस की भूमिका बेहद दिलचस्प हो गई है। बंगाल कांग्रेस के भीतर भी मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। अधीर रंजन चौधरी और अब्दुल मन्नान जैसे वरिष्ठ नेता ममता बनर्जी के साथ किसी भी तरह की नजदीकी के खिलाफ खुलकर बोल रहे हैं। मन्नान ने तो यहां तक कह दिया कि ‟गंदे पानी को साफ पानी में मिलाने से साफ पानी भी गंदा हो जाता है" अधीर रंजन चौधरी ने ममता पर कांग्रेस को बंगाल से खत्म करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब वही ममता गांधी परिवार के सहारे की तलाश में हैं।

दूसरी ओर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने अपेक्षाकृत नरम रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि जो राहुल गांधी को भविष्य का प्रधानमंत्री और विपक्ष का नेता मानता है, उसका स्वागत है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार के आरोपों से बचने के लिए कांग्रेस की छतरी का इस्तेमाल करने वालों के लिए दरवाजे खुले नहीं हैं। यह बयान सीधे तौर पर तृणमूल के उन नेताओं की ओर इशारा माना जा रहा है जिन पर विभिन्न घोटालों के आरोप लगे हैं।

हम आपको याद दिला दें कि ममता बनर्जी का पूरा राजनीतिक उदय ही कांग्रेस के खिलाफ विद्रोह की जमीन पर खड़ा हुआ था। वर्ष 1998 में उन्होंने जोरशोर से कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस का गठन किया था। उस समय ममता ने कांग्रेस नेतृत्व पर बंगाल की राजनीति की अनदेखी करने और वामपंथ के सामने आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया था। इसके बाद उन्होंने खुद को कांग्रेस के विकल्प के रूप में स्थापित किया और धीरे धीरे बंगाल में कांग्रेस की जड़ें कमजोर कर दीं। वर्ष 2011 में वाम मोर्चे को सत्ता से हटाने के बाद ममता बनर्जी ने अपने राजनीतिक विस्तार के लिए कांग्रेस से पूरी दूरी बना ली थी और लगातार गांधी परिवार तथा कांग्रेस नेतृत्व पर तीखे हमले करती रहीं। लेकिन अब जब तृणमूल कांग्रेस भीतर से टूट रही है, सांसद और विधायक पार्टी छोड़ रहे हैं और राजनीतिक जमीन खिसकती दिखाई दे रही है, तब वही ममता बनर्जी एक बार फिर कांग्रेस की जड़ों की ओर लौटती नजर आ रही हैं। यही वजह है कि दिल्ली में गांधी परिवार के साथ उनकी बैठकों को केवल शिष्टाचार मुलाकात मानने को राजनीतिक विश्लेषक तैयार नहीं हैं।

दरअसल, बंगाल की राजनीति अब केवल सत्ता की लड़ाई नहीं रह गई है, बल्कि यह अस्तित्व की जंग बन चुकी है। तृणमूल कांग्रेस संगठनात्मक बिखराव से जूझ रही है और बात सिर्फ संसद या विधानसभा में उसके सदस्यों तक सीमित नहीं रह गयी है। बंगाल में कई निगमों से उसके महापौर या पार्षद इस्तीफा दे चुके हैं और पंचायतों में भी इसी तरह के इस्तीफों का दौर जारी है। इस सबके बीच भाजपा यह स्पष्ट कर चुकी है कि तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के लिए उसके दरवाजे बंद हैं वहीं कांग्रेस इस संकट को अपने पुनर्जीवन के अवसर के रूप में देख रही है। राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी एकता की राजनीति को मजबूती देने के लिए कांग्रेस बंगाल में नई संभावनाएं तलाश रही है।

बहरहाल, सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या ममता बनर्जी कांग्रेस के साथ राजनीतिक समझौते की राह पर चलेंगी, या फिर पार्टी के भीतर का विद्रोह उन्हें और कमजोर कर देगा। यदि तृणमूल कांग्रेस का टूटना जारी रहा तो बंगाल की राजनीति में शक्ति संतुलन पूरी तरह बदल सकता है। आने वाले नगर निकाय चुनाव और उपचुनाव इस बदलाव की पहली बड़ी परीक्षा साबित होंगे। फिलहाल इतना तय है कि बंगाल की राजनीति में शुरू हुई यह हलचल केवल राज्य तक सीमित नहीं रहने वाली, बल्कि राष्ट्रीय विपक्ष की राजनीति पर भी इसका गहरा असर पड़ने वाला है।

संपादकीय

भाखड़ा का जल स्तर

हमारे नीति-नियंता आमतौर पर तब जागते हैं जब समस्या सिर पर आ जाती है। यदि समय रहते तंत्र, सजगता और सतर्कता से आसन्न संकट को महसूस करते हुए तत्काल रणनीति बनाकर कार्रवाई करता है, तो जन-धन की हानि को टाला जा सकता है। निस्संदेह, भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड यानी बीबीएमबी ने पंजाब और हरियाणा को भाखड़ा जलाशय से ज्यादा पानी निकालने की सलाह दी है। निश्चित रूप से इस सलाह को उत्तर भारत क्षेत्र में पानी के प्रबंधन से जुड़ी बढ़ती मुश्किलों के प्रति एक चेतावनी के रूप में देखी जानी चाहिए। निस्संदेह, यह सलाह रोजमर्रा के परिचालन से जुड़ा मामला भी नहीं है। इसे व्यापक संदर्भों में देखें तो लगातार बढ़ती जलवायु की अनिश्चितता, खेती से जुड़े ऐसे तौर-तरीकों, जिनका दीर्घकालीन उपयोग नहीं किया जा सकता है, के बाबत यह सलाह चेताती है। निश्चित रूप से यह सलाह यह भी बताती है कि पंजाब व हरियाणा में पानी के बेहतर उपयोग को लेकर सहमति न बनने से भी इस तरह की स्थितियां पैदा होती हैं। बांध प्रबंधन से जुड़े सूत्र बताते हैं कि भाखड़ा जलाशय का जलस्तर फिलहाल पिछले साल में इसी अवधि के दौरान के जलस्तर के मुकाबले 21 फीट अधिक है। वहीं दूसरी ओर जलाशय के अधिकतम जलस्तर तक पहुंचने में अब सिर्फ 102 फीट की जगह ही बची है। निश्चित रूप से इस दिशा में समय रहते ही अविलंब कार्रवाई करनी होगी। अन्यथा मानसून के आने के साथ वैकल्पिक उपायों की गुंजाइश भी लगातार कम होती जाती है। जलवायु परिवर्तन के गहरे होते प्रभावों के चलते हिमालयी पर्वत शृंखला में अधिक बर्फ के पिघलने की बढ़ती गति और बारिश के पैटर्न में लगातार आ रहे बदलाव के कारण ही जलाशय के जलस्तर में तेजी से बदलाव आने की आशंका भी बनी रहती है। यही वजह है कि इन तमाम आशंकाओं के मद्देनजर ही अविलंब नीतिगत फैसले लेने की सख्त जरूरत है। यह विडंबना ही है कि यह चुनौती पंजाब में ऐसे समय में आ रही है, जब धान की रोपाई का मौसम चल रहा है। हालांकि, राज्य में सरकार ने पानी के बेहतर इस्तेमाल के मद्देनजर धान की खेती का कैलेंडर एक जून तक के लिये आगे बढ़ा दिया था। यह भी गौरतलब है कि आज भी पंजाब के बड़े इलाकों में खेती काफी हद तक भूजल पर ही निर्भर है। जिस सीमा तक नहरों के नेटवर्क का अधिकतम उपयोग होना चाहिए था, वह अभी भी नहीं हो पा रहा है। निस्संदेह, जब तक सतही पानी का सही तरीके से बंटवारा नहीं होता है तब तक जलाशयों में ज्यादा पानी जमा करके रखना पड़ेगा। जिसके चलते अचानक आने वाले पानी को संभालने के लिये जरूरी बाढ़ बचाव क्षमता कम हो जाती है। हमें वर्ष 2023 में पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ से मिले सबक को नहीं भूलना चाहिए। तब पानी छोड़ने में कथित देरी और जलाशयों के संचालन को लेकर हुए तमाम विवादों ने राजनीतिक कड़वाहट को बढ़ाया ही था। साथ ही सरकार की बाढ़ से निबटने की तैयारियों को लेकर गंभीर सवाल भी खड़े हुए थे। जब बांध प्रबंधन की बात करते हैं तो इसका मकसद सिर्फ बिजली उत्पादन ही नहीं हो सकता। तब बाढ़ को नियंत्रित करना भी उतना ही जरूरी मकसद होना चाहिए। ऐसे वक्त में हमें जरूरी कामों की प्राथमिकताएं तय करनी होंगी। सिंचाई विभाग को सुनिश्चित करना ही होगा कि नहर का पानी किसानों को समय पर मिले।

चिंतन-मनन

प्रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

मानसून सत्र और भारतीय राजनीति का समुद्र मंथन

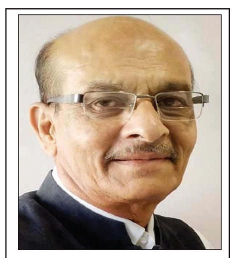

सनत जैन

जुलाई माह में संसद का मानसून सत्र शुरू होने वाला है। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज है कि इस बार सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी राजनीतिक टकराहट देखने को मिल सकती है। महंगाई, बेरोजगारी, कृषि संकट, शिक्षा व्यवस्था, अर्थव्यवस्था तथा विभिन्न राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियां ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें लेकर विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है। पिछले सत्र में परिसीमन बिल सरकार संसद में पास नहीं करा पाई थी। बीते महीनों में जिस तरह से सरकार को आर्थिक संकट से गुजरना पड़ रहा है, विदेशी निवेशक शेयर बाजार से निवेश किया धन वापस निकाल रहे हैं। कच्चे तेल के आयात से सरकार की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। ऐसी स्थिति में सरकार मानसून सत्र में कोई जोखिम उठाना नहीं चाहती है। देश में खाद्य पदार्थों, ईंधन और घरेलू जरूरतों की वस्तुओं की कीमतों को लेकर जनता के बड़े वर्ग में नाराजगी दिखाई दे रही है। किसान संगठन, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), फसल खरीद और कृषि लागत जैसे मुद्दों पर आंदोलित हैं। वहीं नीट पेपर लीक से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और शिक्षा व्यवस्था को लेकर छात्र संगठनों की ओर से सड़क पर असंतोष व्यक्त किया जा रहा है। काकरोच के नाम पर युवा जेन-जी सड़कों पर प्रदर्शन कर रहा है।

विपक्षी दलों द्वारा लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सरकार के दबाव में काम करने के आरोप हैं। जबकि सरकार इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करती है। सरकार अपने कार्यकाल में हुए विकासकार्यों, कल्याणकारी योजनाओं तथा आर्थिक उपलब्धियों को सामने रखती है। राजनीतिक दलों के बीच बढ़ती बयानबाजी ने संसद के आगामी सत्र को और महत्वपूर्ण बना दिया है। एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों ही संसद सत्र के पहले अपने-अपने राजनीतिक समीकरण मजबूत करने में जुटे हुए हैं। क्षेत्रीय दलों की भूमिका इस बार विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि संसद का मानसून सत्र आने वाले विधानसभा चुनावों और भविष्य की राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने में यह मानसून सत्र सरकार के लिए संकटभरा हो सकता है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति को यदि समुद्र मंथन की उपमा दी जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। समुद्र मंथन में जिस प्रकार देवताओं और असुरों के बीच संघर्ष के साथ-साथ सहयोग भी था, उसी प्रकार भारतीय लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उस पौराणिक कथा में पहले विष निकला और अंत में अमृत प्राप्त हुआ था। लोकतंत्र के इस राजनीतिक मंथन से मानसून सत्र में कौन लाभान्वित होगा और किसे राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ेगा, इसका उत्तर भविष्य के गर्भ में छिपा है।

फिलहाल इतना स्पष्ट है कि मानसून सत्र केवल विधायी कार्यवाही का मंच नहीं रहेगा, बल्कि यह सरकार की नीतियों, विपक्ष की रणनीति और लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका पर व्यापक राजनीतिक बहस का केंद्र बनने जा रहा है। इस राजनीतिक समुद्र मंथन का परिणाम क्या होगा, इसका निर्णय अंततः जनता और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं ही तय करेंगी। जिस तरह से सत्ता पक्ष ने लोकसभा एवं राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 6 सांसदों इसके बाद टीएमसी के सांसदों को पार्टी से अलग होकर अलग गुट बनाने या सांसदों से इस्तीफा दिलवाकर विपक्ष को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। उसका स्पष्ट संकेत है, मानसून सत्र में सरकार कोई भी जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। इसके लिए सरकार किसी भी स्तर पर अपने आपको सुरक्षित करने का हरसंभव प्रयास कर रही है। इसका एक संदेश यह भी है, सरकार अंदर से कमजोर है। भाजपा के अंदर से भी असंतोष के स्वर उठने लगे हैं। ऐसी स्थिति में सरकार ने चारों ओर से सुरक्षित रहने के लिए घेराबंदी शुरू कर दी है।

बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवसः बचपन को श्रम नहीं, शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान का अधिकार मिलें

ललित गर्ग

हर वर्ष 12 जून को मनाया जाने वाला बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि मानवता के अंतःकरण को झकझोरने वाला अवसर है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि दुनिया का कोई भी बच्चा मजदूर बनने के लिए पैदा नहीं होता। उसके हाथों में औजार, ईंट, बर्तन, हथौड़े, कूड़े की बोरी या कारखानों की मशीनें नहीं, बल्कि किताबें, खिलौने, रंग, सुनहले सपने और संभावनाएं होनी चाहिए। बचपन जीवन का वह स्वर्णिम काल है जिसमें व्यक्ति के व्यक्तित्व, संस्कार, शिक्षा और भविष्य की नींव रखी जाती है। यदि यही काल श्रम, शोषण और अभाव की भट्टी में झोंक दिया जाए तो केवल एक बच्चे का नहीं, पूरे समाज और राष्ट्र का भविष्य अंधकारमय हो जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन- आईअलओ द्वारा 2002 में शुरू किए गए इस दिवस का उद्देश्य बाल श्रम की भयावहता के प्रति वैश्विक चेतना जगाना और इसके उन्मूलन के लिए सामूहिक प्रयासों को गति देना है। वर्ष 2026 में भी यह दिवस ऐसे समय पर आ रहा है जब दुनिया तकनीकी विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आर्थिक प्रगति के नए आयाम छू रही है, लेकिन दूसरी ओर करोड़ों बच्चे आज भी शिक्षा और बचपन के अधिकार से वंचित हैं। यह विडम्बना मानव सभ्यता के सामने एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जब हम किसी ढाबे, होटल, चाय की दुकान, कारखाने, गैरेज, ईंट-भट्टे, खेत या ट्रैफिक सिग्नल पर किसी मासूम बच्चे को कठिन श्रम करते देखते हैं, तब अक्सर हमारी संवेदना कुछ क्षणों के लिए जागती है और फिर हम अपने काम में व्यस्त हो जाते हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि कब तक हम इस पीड़ा को सामान्य मानते रहेंगे? क्या हम उस बचपन की चीख नहीं सुन पा रहे जो अपने अधिकारों से वंचित होकर मजदूरी के अंधेरे में खो रहा है?

आज भी विश्व में करोड़ों बच्चे किसी न किसी रूप में बाल श्रम में संलग्न हैं। इनमें से बड़ी संख्या खतरनाक परिस्थितियों में काम करती है, जहां उनका शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास बाधित होता है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता, विस्थापन, तस्करी, युद्ध, प्राकृतिक आपदाएं और कमजोर सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थाएं बाल श्रम की प्रमुख वजहें हैं। परिवार की आर्थिक विवशताएं बच्चों को स्कूल की बजाय काम की दुनिया में धकेल देती हैं। लेकिन गरीबी का समाधान बच्चों से काम कराना नहीं, बल्कि परिवारों को सम्मानजनक रोजगार और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। बाल श्रम केवल आर्थिक समस्या नहीं है; यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। यह बच्चों से उनका बचपन, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेलकूद, आत्मविश्वास और भविष्य छीन लेता है। जो बच्चा विद्यालय में होना चाहिए, वह यदि कारखाने में है, तो यह केवल उस बच्चे की नहीं, पूरे समाज की विफलता है। बाल श्रम गरीबी का चक्र भी बनाए रखता है, क्योंकि अशिक्षित बच्चा बड़ा होकर कम आय वाले कार्यों तक सीमित रह जाता है और अगली पीढ़ी भी उसी अभाव में जीने को मजबूर होती है।

भारत सहित अनेक देशों में बाल श्रम रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आईअलओ के कन्वेंशन 138 और कन्वेंशन 182 न्यूनतम कार्य आयु और बाल श्रम के सबसे खतरनाक रूपों पर रोक लगाने के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं। भारत में भी बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम तथा शिक्षा का अधिकार कानून मौजूद हैं। लेकिन कानूनों की प्रभावशीलता उनके कठोर और ईमानदार क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। कई बार कानूनी प्रावधान होने के बावजूद बाल श्रम छिपे हुए रूपों में जारी रहता है। आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सामाजिक आंदोलन का स्वरूप देने की है। बाल श्रम को समाप्त करने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जन-जागरण अभियान चलाए जाने चाहिए। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, मीडिया, उद्योग जगत और नागरिक समाज को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। जिस प्रकार पर्यावरण संरक्षण और महिला अधिकारों को लेकर वैश्विक चेतना विकसित हुई है, उसी प्रकार बाल अधिकारों के लिए भी विश्वव्यापी जनमत तैयार करना होगा। कैसा विरोधाभास है कि हमारा समाज, सरकार और राजनीतिज्ञ बच्चों को देश का भविष्य मानते नहीं थकते लेकिन क्या इस उम्र के लगभग 25 से 30 करोड़ बच्चों से बाल मजदूरी के जरिए उनका बचपन और उनसे पढने का अधिकार छीनने का यह सुनियोजित षड्यंत्र नहीं लगता? मिसाल के तौर पर एक कानून बनाकर हमने बच्चों से उनका बचपन छिनने की कुचेष्टा की है। इस कानून में हमने यदि पारिवारिक कामधंधा या रोजगार है तो 4 से 14 की उम्र के बच्चों से कानूनन काम कराया जा सकता है और कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। यह कैसी विडम्बना है कि जब इस उम्र के बच्चों को स्कूल में होना चाहिए, खानदानी व्यवसाय के नाम पर एक पूरी पीढ़ी को शिक्षा, खेलकूद और सामान्य बाल्य सुलभ व्यवहार से वंचित किया जा रहा है और हम अपनी पीठ थपथपाए जा रहे हैं। बच्चों को बचपन से ही आत्मनिर्भर बनाने के नाम पर हकीकत में हम उन्हें पैसा कमाकर लाने की मशीन बनाकर अंधकार में धकेल रहे हैं।

विशेष रूप से डिजिटल युग में तकनीक का उपयोग बाल श्रम उन्मूलन के लिए किया जा सकता है। प्रत्येक उद्योग और आपूर्ति श्रृंखला की पारदर्शी निगरानी, बाल श्रम शिकायतों के लिए ऑनलाइन पोर्टल, त्वरित कार्रवाई तंत्र और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणालियां विकसित की जा सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी आपूर्ति श्रृंखला में कहीं भी बाल श्रम का उपयोग न हो। जो कंपनियां ऐसा करती पाई जाएं, उनके विरुद्ध कठोर आर्थिक और कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। बाल श्रम समाप्त करने का सबसे प्रभावी उपाय गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा है। केवल विद्यालय खोल देना पर्याप्त नहीं है; शिक्षा ऐसी हो जो बच्चों को आकर्षित करे, जीवनोपयोगी कौशल दे और उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास करे। गरीब परिवारों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति, पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों का विस्तार आवश्यक है। यदि परिवार की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित होगी तो बच्चों को मजदूरी के लिए भेजने की मजबूरी भी कम होगी।

हमें यह भी समझना होगा कि बचपन केवल जीवित रहने का नाम नहीं है; बचपन का अर्थ है सपने देखने की स्वतंत्रता, खेलने का अधिकार, सीखने का अवसर, स्नेहपूर्ण वातावरण और सुरक्षित भविष्य। जिस समाज में बच्चे मुस्कुरा नहीं सकते, वह समाज कभी वास्तविक विकास नहीं कर सकता। आर्थिक विकास की ऊंची इमारतें तब तक अधूरी हैं जब तक उनके नीचे किसी बच्चे का कुचला हुआ बचपन पड़ा हो। महान शिक्षाविद् नेल्सन मंडेला ने कहा था, 'किसी समाज की आत्मा को जानने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि वह अपने बच्चों के साथ कैसा व्यवहार करता है।' यदि हम सचमुच विकसित और संवेदनशील समाज बनना चाहते हैं तो हमें अपने बच्चों के प्रति दृष्टिकोण बदलना होगा। उन्हें दया का नहीं, अधिकार का विषय मानना होगा।

आज आवश्यकता है कि सरकारें बाल श्रम के विरुद्ध शून्य-सहिष्णुता की नीति अपनाएं, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करें, तस्करी और बंधुआ श्रम के नेटवर्क को ध्वस्त करें, और हर बच्चे तक शिक्षा एवं सुरक्षा की पहुंच सुनिश्चित करें। साथ ही प्रत्येक नागरिक यह संकल्प ले कि वह किसी भी रूप में बाल श्रम को बढ़ावा नहीं देगा और जहां भी ऐसी घटना देखेगा, उसके विरुद्ध आवाज उठाएगा। बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस हमें यह संदेश देता है कि बचपन को बचाना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य की रक्षा का संकल्प है। यदि हम प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार और अवसर प्रदान कर सकें, तो वही बच्चा कल एक सशक्त नागरिक, संवेदनशील मानव और राष्ट्रनिमार्ता बनेगा। सच तो यह है कि बचपन को बचाना ही भविष्य को बचाना है। जब दुनिया का हर बच्चा भय और श्रम से मुक्त होकर मुस्कुराएगा, तभी मानव विकास की यात्रा वास्तव में सार्थक कहलाएगी।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल : 'फिर खुलेगी 2001 के शाही हत्याकांड की फाइल', दोबारा गृह मंत्री पदभार संभालते ही गुरुंग ने किया एलान

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के नए गृह मंत्री सुदन गुरुंग ने मंगलवार को घोषणा की कि वह 2001 के शाही हत्याकांड से जुड़ी फाइल को फिर से खोलेंगे, जिसमें तत्कालीन राजा वीरेंद्र शाह के पूरे परिवार की हत्या कर दी गई थी। पदभार संभालने के बाद गुरुंग ने यह घोषणा की। एक जून 2001 को नेपाल के नारायणहिटी शाही महल में शुक्रवार के रात्रिभोज के दौरान राजा शाह के परिवार के सभी सदस्य मारे गए थे, जिनमें रानी ऐश्वर्या और युवराज दीपेंद्र शामिल थे। एक आधिकारिक जांच आयोग की रिपोर्ट में कहा गया था कि उस समय के युवराज ही इस हत्याकांड के जिम्मेदार थे। रिपोर्ट के अनुसार, शराब के प्रभाव में दीपेंद्र ने कथित रूप से अपने पिता, माता, भाई, बहन और अन्य परिवार के सदस्यों को गोली मार दी। बाद में खुद को भी मार लिया। कई लोगों ने उस समय इस रिपोर्ट को खारिज किया था। गुरुंग ने शपथ ग्रहण के तुरंत बाद जांच फिर से शुरू करने की घोषणा की। वह पहले कैबिनेट से वित्तीय अनियमितताओं और अवैध संपत्ति के आरोपों के कारण इस्तीफा दे चुके थे। लेकिन सरकार की ओर से गठित जांच समिति ने उन्हें क्लीन चिट दे दी, जिससे उनकी फिर से नियुक्ति संभव हुई।

पाकिस्तान के हवाई हमलों से अफगानिस्तान में 13 लोगों की मौत, 11 बच्चे भी शामिल

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान ने दावा किया है कि पाकिस्तान ने एक बार फिर उसके क्षेत्र में हवाई हमले किए हैं, जिनमें कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। इन हमलों के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच पहले से चल रहा तनाव और बढ़ गया है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बुधवार को बताया कि पाकिस्तान की हवाई हमले अफगानिस्तान के खोस्त, कुनार और पक्तिका प्रांतों में किए गए। उनके अनुसार हमलों में 11 बच्चों, एक महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हुई है। तालिबान सरकार ने इन हमलों की कड़ी निंदा करते हुए इसे नागरिकों को निशाना बनाने वाली कार्रवाई बताया है। हालांकि पाकिस्तान की ओर से इन हमलों को लेकर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या पुष्टि नहीं की गई है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पिछले कई महीनों से सीमा पर तनाव बना हुआ है। फरवरी के अंत से दोनों देशों के बीच लगातार संघर्ष और जवाबी कार्रवाइयां हो रही हैं, जिनमें सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। दरअसल, पाकिस्तान लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल ऐसे आतंकवादी संगठन कर रहे हैं, जो पाकिस्तान के भीतर हमले करते हैं। विशेष रूप से पाकिस्तान तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को लेकर चिंता जताता है। पाकिस्तान का कहना है कि टीटीपी के लड़ाके अफगानिस्तान में शरण लेकर पाकिस्तान में आतंकी हमले करते हैं।

भारतीय मूल के छात्रों का एआई में जलवा, व्हाइट हाउस में कई ने जीता राष्ट्रीय सम्मान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में आयोजित समारोह में पहले प्रेसिडेंशियल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चैलेंज नेशनल चैंपियन अवॉर्ड्स प्रदान किए। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारतीय मूल के कई छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान हासिल किया। वर्जीनिया के एल्डी शहर की पांच सदस्यीय टीम, जिसमें आरना जायसवाल, ईशानी खत्री, रीवा मट्ठा, साम्हिता पिन्नामारेड्डी और सनुली रत्नायके शामिल थीं, ने एलिमेंट्री स्कूल ट्रैक-2 श्रेणी में राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। टीम ने स्कूलों में बदमाशी (बुलिंग) की घटनाओं को रोकने के लिए 'फ्रेंडजोन चैटबॉट बुलिंग प्रिवेंशन ऐप' विकसित किया। वहीं, वॉशिंगटन राज्य के सम्मामिश स्थित नॉर्थस्टार मिडिल स्कूल के छात्रों विहा अय्यर, आर्य प्रताप और श्रीमयी शेट्टी ने अपने प्रोजेक्ट 'स्किलअप' के लिए मिडिल स्कूल ट्रैक-1 श्रेणी में राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया। हाई स्कूल वर्ग में पेनसिल्वेनिया के अपर डार्बी सीनियर हाई स्कूल के छात्र खंडाकर माहिन ने ट्रैक-1 श्रेणी में राष्ट्रीय चैंपियन का खिताब जीता। उनका प्रोजेक्ट 'आपराधिक जांच में होटल के कमरों की पहचान के लिए कंप्यूटर विजन का उपयोग' विषय पर आधारित था। पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने छात्रों की सराहना की और उन्हें अमेरिका का भविष्य बताया। उन्होंने कहा, 'व्हाइट हाउस में नवाचार से भरपूर इस प्रतिभाशाली समूह का स्वागत करना बेहद सुखद है। मुझे गर्व है कि आप अमेरिका की श्रेष्ठ प्रतिभाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। आप ही हमारा भविष्य हैं।' प्रेसिडेंशियल एआई चैलेंज में अमेरिका के सभी 50 राज्यों, डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया, प्यूर्टो रिको और विदेशों में स्थित रक्षा विभाग के स्कूलों से प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं।

अमेरिका-ईरान के बीच टूटा युद्धविराम, यूएस ने तेहरान पर दागीं मिसाइलें; आईआरजीसी ने दी धमकी

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्धविराम टूट गया है। सैन्य हेलिकॉप्टर को निशाना बनाए जाने के बाद अमेरिका बुरी तरह से ईरान पर भड़क गया है और अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ सैन्य हमले शुरू कर दिए हैं। वहीं आईआरजीसी ने भी एक बयान जारी कर रहा है कि वे भी हमलों का मुंहतोड़ जवाब देंगे।

रडार और एयर डिफेंस पर हमला : अमेरिकी हमलों में मुख्य रूप से होर्मुज के आसपास मौजूद कई ईरानी एयर डिफेंस और रडार सिस्टम को निशाना बनाया गया है। ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया है कि केशम द्वीप पर छह बड़े धमाकों की भयंकर आवाजें सुनाई दी हैं। ऐसा माना जा रहा है कि यह भीषण अटैक ड्रोन से नहीं बल्कि लड़ाकू विमानों से किया गया है। बंदर अब्बास और सिरिक में भी भारी प्रोजेक्टाइल के टकराने की आधिकारिक पुष्टि की गई है। अमेरिकी हमलों के जवाब में अब ईरान ने भी अमेरिकी बेसों पर अपना सीधा हमला शुरू करने का बड़ा दावा किया है। ईरान की टॉप जॉइंट मिलिट्री कमांड खतम अल-अंबिया ने कहा कि दक्षिणी ईरान में अमेरिकी आक्रामकता का जवाब दिया गया है। उन्होंने इलाके में मौजूद कुछ अहम अमेरिकी ठिकानों को अपना निशाना बनाया है। मेहर न्यूज़ एजेंसी के अनुसार जास्क इलाके में भी लगातार बड़े धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं।

पायलटों का सफल रेस्क्यू ऑपरेशन : राहत की बात यह है कि दुर्घटनाग्रस्त अपाचे हेलिकॉप्टर के दोनों पायलटों को अमेरिकी सेना ने सुरक्षित बचा लिया है। इन दोनों पायलटों का रेस्क्यू ड्रोन की मदद से बहुत ही सफलतापूर्वक किया गया था। लेकिन ट्रंप के अनुसार यह हमला जानबूझकर किया गया था और इसका बदला जरूर लिया जाएगा। अमेरिका ने कहा है कि उनका यह वर्तमान सैन्य मिशन अब पूरी तरह से सफलतापूर्वक पूरा हो गया है।

ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने अमेरिका को बहुत ही सख्त और सीधी चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा कि हमारी ताकतवर सेना किसी भी बाहरी हमले या खतरे का जवाब दिए बिना बिलकुल नहीं छोड़ेगी। अराघची ने कहा कि अगर आप सुरक्षित रहना चाहते हैं तो हमारे इलाके से तुरंत चले जाएं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का कहना है कि ये हमले ईरान को सिर्फ एक बड़ी चेतावनी देने के लिए हैं। जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर ईरान का हमला ईरान ने जॉर्डन में अमेरिकी सेना वाले सैन्य अड्डे पर हमला किया; हालांकि, अभी तक जॉर्डन और अमेरिका की ओर से इस बारे में कोई पुष्टि नहीं की गई है।

ईरान हमलों के खिलाफ कुवैत की जवाबी कार्रवाई : ईरान के इस एलान के बाद कि उसने अमेरिकी हवाई हमलों का बदला लेने के लिए पश्चिम एशिया के इस देश को निशाना बनाया है, कुवैत का कहना है कि उसकी एयर डिफेंस सिस्टम जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं। अमेरिका ने ईरान पर दागीं मिसाइलें, आईआरजीसी ने जवाबी हमले की धमकी दी ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा है कि अमेरिका के हमलों के जवाब में अमेरिकी सेना की बहरीन में मौजूद पांचवीं फ्लीट पर ड्रोन हमला किया गया है। आईआरजीसी ने ये भी कहा कि अगर अमेरिका के हमले जारी रहे तो वे भी हमलों का मुंहतोड़ जवाब देंगे। वहीं अमेरिका ने हमले रोकने के संकेत दिए हैं और कहा है कि ईरान पर हमले आत्मरक्षा में किए गए और अब हमले पूरे हो गए हैं।

ईरान युद्ध के चलते वैश्विक स्तर पर बढ़ी महंगाई : 28 फरवरी से अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमलों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। इसके चलते ऊर्जा कीमतों में तेजी आई है और खाद्य पदार्थों समेत कई आवश्यक वस्तुएं महंगी हुई हैं। हालांकि अप्रैल में युद्धविराम की घोषणा की गई थी, लेकिन अब तक स्थायी शांति समझौता नहीं हो सका है। इस बीच, इस्राइल ने लेबनान में ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्ला के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को और तेज कर दिया है, जिससे क्षेत्रीय तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

टूटने के कगार पर पहुंचा ईरान-अमेरिका युद्धविराम : यह घटना ऐसे समय हुई है जब दो महीने पुराने संघर्षविराम पर पहले से ही संकट के बादल मंडरा रहे हैं। एक दिन पहले ही ईरान और इस्राइल के बीच संघर्षविराम लागू होने के बाद पहली बार दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हमले किए थे। ईरानी सरकारी टेलीविजन के अनुसार, इस्राइली हमलों में ईरान की वायु रक्षा इकाइयों के कम से कम दो सदस्य मारे गए हैं। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, उनका अपाचे हेलिकॉप्टर ओमान के तट के निकट उस समय गिर गया, जब वह एक ईरानी ड्रोन से टकरा गया। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह टक्कर जानबूझकर कराई गई थी।

नॉर्डिक-बाल्टिक सम्मेलन: एस्टोनिया पहुंचे वोलोदिमिर जेलेंस्की, रूस पर दबाव बढ़ाने समेत कई मुद्दों पर होगी चर्चा

ताल्लिन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की मंगलवार को एस्टोनिया पहुंचे। वह यहां नॉर्डिक और बाल्टिक देशों के नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और एस्टोनियाई समकक्ष अलार कारिस से मुलाकात करेंगे। एस्टोनिया के सरकारी प्रसारक ईआरआर ने यह जानकारी दी।

एस्टोनिया की राजधानी ताल्लिन में इस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस समय एस्टोनिया एनबी8 समूह की अध्यक्षता कर रहा है। एनबी8 में पांच नॉर्डिक और तीन बाल्टिक देश शामिल हैं। सम्मेलन में इन देशों के प्रधानमंत्रियों के साथ जेलेंस्की भी शामिल हुए हैं।

जेलेंस्की के साथ उनकी पत्नी ओलेना जेलेंस्का भी एस्टोनिया पहुंची हैं। एस्टोनिया के विदेश मंत्रालय ने स्वागत करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट की। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब यूक्रेनी ड्रोन हमलों को लेकर इलाके में तनाव बढ़ा हुआ है। पिछले कुछ महीनों में कई यूक्रेनी ड्रोन गलती से इस क्षेत्र में पहुंचे हैं। वहीं, यूक्रेन ने बाल्टिक सागर के उन बंदरगाहों पर हमले तेज कर दिए हैं, जहां से रूस तेल का निर्यात करता है। यूक्रेन चाहता है कि इन हमलों से रूस को आर्थिक नुकसान हो और उस पर युद्ध खत्म करने का दबाव बढ़े। रूसी हमलों में तीन लोगों की मौत दूसरी ओर, रूस ने भी यूक्रेन पर हमले जारी रखे हैं। पूर्वोत्तरी खारकीव क्षेत्र में पिछले 24 घंटों के दौरान हुए हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई और तीन बच्चों समेत 25 लोग घायल हो गए। क्षेत्रीय प्रशासन प्रमुख ओलेह सिनीहुबोव ने यह जानकारी दी। निप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र में भी रात के समय कई जिलों पर हमले हुए, जिनमें तीन लोग घायल हो गए। क्षेत्रीय प्रशासन प्रमुख ओलेक्सांद्र हांझा ने इसकी पुष्टि की। रातभर मार गिराए 146 रूसी ड्रोनः यूक्रेनी वायुसेना यूक्रेनी वायुसेना के अनुसार, रूस ने रातभर में यूक्रेन पर 166 लंबी दूरी के ड्रोन और दो निर्देशित मिसाइलें दागीं। यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली ने इनमें से 146 ड्रोन मार गिराए।

रूक्ष के रक्षा मंत्रालय ने क्या कहा : रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने रातभर में 140 यूक्रेनी ड्रोन नष्ट किए। बेलगोरोद क्षेत्र में एक यूक्रेनी ड्रोन के एक अपार्टमेंट इमारत से टकराने के कारण एक महिला की मौत हो गई। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा भी ताल्लिन पहुंचे। वहां उन्होंने एस्टोनिया के विदेश मंत्री मार्गुस साहकना से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने यूक्रेन की सुरक्षा, रूस पर दबाव बढ़ाने और यूरोपीय संघ में यूक्रेन की सदस्यता की कोशिशों पर चर्चा की। साहकना ने एक्स पर लिखा कि एस्टोनिया यूक्रेन के साथ तब तक खड़ा रहेगा, जब तक जरूरत होगी।

शी जिनपिंग का उत्तर कोरिया दौराः सहमति का दावा बड़ा, पर हाथ रहा खाली; नहीं हुआ कोई ठोस समझौता

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उत्तर कोरिया की दो दिनी यात्रा पूरी करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन के साथ महत्वपूर्ण सहमति पर पहुंचने के दावा किया। हालांकि, दोनों रणनीतिक सहयोगियों के बीच किसी ठोस समझौते की कोई घोषणा नहीं हुई।

उत्तर कोरिया की यात्रा के पहले दिन सोमवार को जिनपिंग ने किम को चीन के अटूट समर्थन का आश्वासन दिया था। यह सात साल बाद जिनपिंग की उत्तर कोरिया की यात्रा थी। दोनों रणनीतिक सहयोगियों के बीच किसी ठोस समझौते की कोई घोषणा नहीं हुई और चीनी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु निरस्त्रीकरण पर किसी भी वार्ता से संबंधित सवालों का जवाब देने से इन्कार कर दिया। उत्तर कोरिया, जिसने 2006 से कई परमाणु परीक्षण किए हैं, सार्वजनिक रूप से खुद को परमाणु-आयुध से लैस देश बताता है, लेकिन बीजिंग कोरियाई प्रायद्वीप पर परमाणु हथियारों के विरोध में है और परमाणु निरस्त्रीकरण का समर्थन करता है।

बीजिंग के रुख में बदलाव नहीं : उत्तर कोरिया की जिनपिंग की यात्रा के परिणामों पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने संकेत दिया कि कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु निरस्त्रीकरण पर बीजिंग के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। परमाणु निरस्त्रीकरण से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, चीन कोरियाई प्रायद्वीप के मुद्दे पर अपनी स्थिति और नीति में निरंतरता और स्थिरता बनाए हुए है।

चीनी प्रवक्ता ने कहा, चीन कूटनीति, कानून प्रवर्तन, सैन्य और अन्य क्षेत्रों में उत्तर कोरिया के साथ आदान-प्रदान बढ़ाने के लिए तैयार है, ताकि हमारे द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए ज्ञान और शक्ति का साझा उपयोग किया जा सके। उत्तर कोरिया के परमाणु हथियार कार्यक्रम पर जिनपिंग और किम के बीच हुई किसी भी चर्चा का सरकारी मीडिया ने स्पष्ट रूप से कोई उल्लेख नहीं किया है।

अमेरिका में मौत की सजा पर नया विवादः अलबामा में नाइट्रोजन गैस से मृत्युदंड पर रोक, जज ने बताया असांविधानिक और क्रूर

मॉन्टगोमेरी, एजेंसी। अमेरिका के अलबामा राज्य में नाइट्रोजन गैस के जरिए दी जाने वाली मौत की सजा पर बड़ा कानूनी झटका लगा है। एक संघीय न्यायाधीश ने इस तरीके को संविधान के खिलाफ और अत्यधिक क्रूर बताते हुए एक कैदी की प्रस्तावित सजा पर स्थायी रोक लगा दी है। अमेरिकी जिला न्यायाधीश एमिली सी. मार्क्स ने मंगलवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि नाइट्रोजन गैस के जरिए मौत की सजा देना संविधान में दिए गए क्रूर और असामान्य सजा पर प्रतिबंध का उल्लंघन करता है।

कैदी को नाइट्रोजन गैस से मौत की सजा देने पर स्थायी रोक : यह फैसला उस समय आया जब एक अपीलीय अदालत ने एक दिन पहले ही उनके पुराने फैसले को पलट दिया था, जिसमें इस पद्धति को सांविधानिक माना गया था। जज मार्क्स ने कैदी जेफरी ली को नाइट्रोजन गैस से मौत की सजा देने पर स्थायी रोक लगा दी। जेफरी ली को गुरुवार को अलबामा की एक जेल में मृत्युदंड दिया जाना थी। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य चाहे तो अन्य स्वीकृत तरीकों से सजा-ए-मौत को लागू कर सकता है। अलबामा में फिलहाल घातक इंजेक्शन (लीथल इंजेक्शन) और इलेक्ट्रिक चेयर भी वैध मृत्युदंड के तरीके हैं। जज ने कहा कि जेफरी ली को इन तरीकों से फांसी रोकने का अधिकार नहीं है।

'मौत की सजा के हर तरीके को दी जा सकती है चुनौती' : अपने 26 पन्नों के फैसले में जज मार्क्स ने कहा कि मौत की सजा के हर तरीके को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। उन्होंने लिखा कि अगर राज्य फायरिंग स्क्वाड को भी अपनाए तो उसके खिलाफ भी कानूनी चुनौती दी जा सकती है। उन्होंने यह भी माना कि संविधान दर्दरहित मौत की गारंटी नहीं देता, लेकिन किसी व्यक्ति की जान लेने की प्रक्रिया में दर्द का जोखिम पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सकता।

राज्य को अन्य विकल्प अपनाने की छूट : दिलचस्प बात यह है कि जज ने कहा कि राज्य चाहे तो ली की पसंदीदा फांसी की विधि, यानी फायरिंग स्क्वाड, को अपना सकता है। अमेरिकी कानून के तहत फांसी की विधि को चुनौती देने वाले कैदी को कोई वैकल्पिक तरीका भी सुझाना होता है। जज ने कहा कि राज्य के पास फायरिंग स्क्वाड के लिए आवश्यक हथियार, गोला-बारूद और प्रशिक्षण की व्यवस्था करने की क्षमता है। जेफरी ली 1998 में हुई एक दोहरे हत्या की वारदात में दोषी ठहराया गया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार उसने एक गिरवी दुकान (पॉनशॉप) में लूटपाट के दौरान दुकान मालिक जिमी एलिस और कर्मचारी एलेन थॉम्पसन की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

आर्टेमिस 3: नासा ने किया क्रू का एलान, 2027 में होगा बड़ा परीक्षण; स्पेसएक्स और ब्लू ओरिजिन में रेस

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अपने महत्वाकांक्षी आर्टेमिस 3 मिशन के लिए यात्रियों के नामों की घोषणा कर दी है। यह मिशन इंसानों को दोबारा चांद पर उतारने की दिशा में नासा का एक बेहद अहम कदम है। यह एलान आर्टेमिस II मिशन की ऐतिहासिक कामयाबी के ठीक दो महीने बाद किया गया है। बता दें कि आर्टेमिस II ने हाल ही में चंद्रमा का चक्कर लगाकर अपोलो 13 का सबसे लंबी दूरी का रिकॉर्ड तोड़ा था।

धरती की कक्षा में परीक्षा : आर्टेमिस III मिशन के तहत चुने गए अंतरिक्ष यात्री सीधे चांद पर नहीं जाएंगे। नासा के रैंडी ब्रेसनिक, फ्रैंक रुबियो, आंद्रे डगलस और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के लुका परमितानो इस बार चांद की सतह पर कदम नहीं रखेंगे। इसके बजाय, यह क्रू दो सप्ताह तक पृथ्वी की कक्षा में चक्कर लगाएगा। इस दौरान ये अंतरिक्ष यात्री अपने ओरियन कैप्सूल को दो कमर्शियल लूनर लैंडर्स के साथ डॉक करने का कड़ा अभ्यास करेंगे। मिशन कमांडर रैंडी ब्रेसनिक ने कहा कि उनकी टीम अंतरिक्ष में इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं मिशन विशेषज्ञ आंद्रे डगलस ने इस चयन पर बेहद खुशी जताई है।

अरबपतियों के बीच होड़ : इस पूरे प्रोजेक्ट में दुनिया के दो सबसे बड़े रईसों के बीच कड़ी टक्कर चल रही है। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स और जेफ बेजोस की ब्लू ओरिजिन लूनर लैंडर बनाने की रेस में शामिल हैं। नासा ने इस दो हफ्ते के डेमो मिशन के लिए साल 2027 का लक्ष्य रखा है। हालांकि, जेफ बेजोस की कंपनी ब्लड ओरिजिन को हाल ही में एक बड़ा झटका लगा है। फ्लोरिडा में लॉन्च पैड पर इंजन परीक्षण के दौरान कंपनी का एक विशाल रॉकेट धमाके के साथ उड़ गया। इस धमाके से आसपास के घर हिल गए और आसमान में आग का एक बड़ा गोला दिखाई दिया। इस झटके के बावजूद नासा के जेरेमी पार्सन्स ने भरोसा जताया है कि ब्लू ओरिजिन समय पर रॉकेट तैयार कर लेगी।

मिशन मून से मिशन मार्स : नासा का आर्टेमिस कार्यक्रम 1970 के दशक के बाद पहली बार इंसानों को चांद पर वापस ले जाने की कोशिश है। नासा के प्रशासक जेरेड इसाकमैन ने हाल ही में इस पूरे कार्यक्रम में कुछ बड़े बदलाव किए हैं। अब इस मिशन को अपोलो युग की तरह ही तेजी से आगे बढ़ाने की तैयारी है।

नई योजना के मुताबिक, साल 2027 में पृथ्वी की कक्षा में होने वाले इस परीक्षण के बाद साल 2028 में अंतरिक्ष यात्रियों को सीधे चांद की सतह पर उतारा जाएगा। इसके साथ ही, नासा ने मून बेस बनाने के लिए ब्लू ओरिजिन सहित चार कंपनियों को करोड़ों डॉलर के कॉन्ट्रैक्ट दिए हैं। जेरेड इसाकमैन के अनुसार, इस मून बेस का असली मकसद भविष्य के मंगल मिशन (मार्स एक्सपीडिशन) की नींव रखना है।

नस्लीय तनाव से घिरे मर्डर केस में कार्मेलो को 35 साल जेल की सजा

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका का टेक्सास पिछले साल एक सनसनीखेज हत्याकांड से दहल उठा था। यहां नस्लीय तनाव से घिरे मर्डर केस में आखिरकार अदालत का फैसला आ गया है। कॉलिन काउंटी की जूरी ने 19 साल के कार्मेलो एंथनी को 17 वर्षीय ऑस्टिन मेटकाफ की हत्या का दोषी पाया है। जूरी के इस फैसले के बाद अदालत ने कार्मेलो एंथनी को 35 साल जेल की सजा सुनाई है। फैसला आते ही अदालत के बाहर कार्मेलो के समर्थकों और पुलिस के बीच हिंसा की खबरें भी सामने आई हैं। घटना 2 अप्रैल 2025 की है। यहां फ्रिस्को के डेविड कुयकेंडल स्टेडियम में एक इंटर-स्कूल रेस ट्रैक कॉम्पीटीशन चल रही थी। तेज बारिश और आंधी के कारण खेल को थोड़ी देर के लिए रोक दिया गया था। जानकारी के मुताबिक ऑस्टिन मेटकाफ 'मेमोरियल हाई स्कूल' का छात्र था और कार्मेलो एंथनी 'सेंटेनियल हाई स्कूल' का। चूंकि सेंटेनियल स्कूल का वहां कोई टेंट नहीं था, इसलिए कार्मेलो बारिश से बचने के लिए मेमोरियल हाई स्कूल के टीम टेंट के नीचे जाकर बैठ गया। वहां मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ऑस्टिन मेटकाफ और उसके जुड़वां भाई हंटर मेटकाफ समेत करीब 15 छात्रों ने कार्मेलो को उनका टेंट छोड़कर जाने को कहा। बहस बढ़ने पर ऑस्टिन ने कार्मेलो को पीछे धकेलना शुरू कर दिया। इससे कार्मेलो बुरी तरह भड़क गया। गुस्से में कार्मेलो ने अपने बैग से एक धारदार चाकू निकाली और ऑस्टिन के सीने पर दे मारा। ऑस्टिन ने अपने जुड़वां भाई की गोद में ही दम तोड़ दिया।

सेल्फ डिफेंस की दलील खारिज : इस मामले में अदालत की सुनवाई पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बनी। बचाव पक्ष ने दलील दी कि आरोपी ने यह कदम सेल्फ डिफेंस यानी आत्मरक्षा में उठाया था। कार्मेलो के वकील ने अदालत को बताया कि ऑस्टिन मेटकाफ शारीरिक रूप से कार्मेलो से 50 से 60 पाउंड भारी और लंबा था और जब उसने कार्मेलो को धकेलना शुरू किया तब उसने अपनी जान बचाने के लिए आत्मरक्षा में वह कदम उठाया। वहीं सरकारी वकील ने कहा कि चाकू से वार जान लेने के मकसद से किया गया। गवाहों के हवाले से यह नज साबित किया गया कि चाकू मारने से ठीक पहले कार्मेलो ने ऑस्टिन को धमकी देते हुए कहा था, 'मुझे छूकर देखो फिर अंजाम भुगतना।' वहीं डॉक्टरों ने भी कोर्ट में गवाही दी कि घाव इतना गहरा था कि ऑस्टिन का बचना नामुमकिन था। यह मामला अमेरिका में इसलिए भी राष्ट्रीय सुर्खियों में रहा क्योंकि आरोपी कार्मेलो एंथनी अश्वेत है और मृतक ऑस्टिन मेटकाफ श्वेत था। इस वजह से केस को नस्लीय रंग भी दिया गया। आरोपी को बड़ी संख्या में लोगों का समर्थन मिला और सोशल मीडिया पर कार्मेलो के समर्थन में अभियान भी चले। कार्मेलो को कानूनी लड़ाई लड़ने में मदद के लिए ऑनलाइन क्राउडफंडिंग के जरिए 5,15,000 डॉलर यानी 4.3 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जुटाई गई। मदद के लिए जुटाए गए इन पैसों पर विवाद भी हुआ। आरोप लगे कि दोषी ने इन पैसों से एक आलीशान घर और गाड़ी खरीदी। हालांकि क्राउडफंडिंग कंपनी ने इन खबरों को खारिज करते हुए बताया कि कार्मेलो के परिवार ने जुटाए गए पैसे कभी निकाले ही नहीं।

पीओके में प्रोटेस्ट की सजा मौत, चार नेताओं के सिर पर 1 करोड़ का इनाम

मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं। जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी द्वारा बुलाए गए विरोध प्रदर्शनों और हड़ताल के बाद सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच भीषण हिंसक झड़पें हुई हैं। इन झड़पों में एक डॉक्टर और एक महिला समेत कई लोगों के मारे जाने की खबर है, जबकि पुलिसकर्मियों समेत कई लोग घायल हुए हैं। हालात बेकाबू होने के बाद पीओके प्रशासन ने इंटरनेट सेवाएं ठप कर दी हैं। प्रदर्शनों को कुचलने के लिए प्रशासन ने 'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' के 4 नेताओं की गिरफ्तारी पर एक करोड़ पाकिस्तानी रुपये का इनाम घोषित किया है। यह वही संगठन है जिसे पिछले हफ्ते बैन किया गया है और जो इस पूरे इलाके में हो रहे प्रदर्शनों के केंद्र में है। पाकिस्तान द्वारा प्रदर्शनकारियों पर की गई क्रूर कार्रवाई में अब तक 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 400 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

हिंसक झड़प में कई लोगों की मौत : मीरपुर विजन (मीरपुर, भिंबर और कोटली जिले) से प्रदर्शनकारियों ने मुजफ्फराबाद की ओर अपना मार्च शुरू किया, जिसके बाद कई जगहों पर पुलिस से उनकी सीधी भिड़ंत हुई। सबसे हिंसक झड़पें कोटली शहर में हुईं। स्थानीय निवासियों और पीओके कैबिनेट के सदस्यों के मुताबिक, इन झड़पों में एक डॉक्टर और एक महिला सहित कई लोगों की जान गई है और दर्जनों लोग घायल हैं।

बताया जा रहा है कि एक डॉक्टर अपने घर की छत पर थे, तभी उन्हें गोली लग गई। मीरपुर के बाहरी इलाके में भी पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए।

नेताओं पर देशद्रोह का केस और 1 करोड़ का इनाम : पीओके के गृह विभाग ने जेएएसी नेता शौकत नवाज मीर (मुजफ्फराबाद) और मेहरान अरशद ख्वाजा (मीरपुर) के खिलाफ देशद्रोह की कार्यवाही शुरू करने के आदेश दिए हैं। इन पर अपने भाषणों, वीडियो और ऑडियो के जरिए देशद्रोह फैलाने का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा, प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे चार प्रमुख नेताओं - शौकत नवाज मीर, उमर नजीर कश्मीरी, ख्वाजा मेहरान अरशद और सरदार अमान खान की गिरफ्तारी के लिए 'हेड मनी' के तौर पर 1-1 करोड़ रुपये के इनाम की घोषणा की गई है।

इंटरनेट सेवाएं ठप, जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित : विरोध को दबाने के लिए पूरे पीओके में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाएं बंद कर दी गई हैं, जिससे वहां से सही जानकारी बाहर नहीं आ पा रही है। सभी शहरों और कस्बों में पूर्ण हड़ताल है। बैंक, मेडिकल स्टोर और परिवहन पूरी तरह से ठप हैं। मुजफ्फराबाद में दंगा रोधी पुलिस ने सरकारी इमारतों और मुख्य सड़कों पर मोर्चा संभाल लिया है। इस बीच, वकीलों ने भी छूष्ट के कोर मेंबर और वरिष्ठ वकील अमजद अली खान की गिरफ्तारी के विरोध में न्यायिक कामकाज का पूरी तरह से बहिष्कार कर दिया है।

विदेशी एजेंसियों से संपर्क के आरोप में 5 गिरफ्तार : खुफिया इनपुट के आधार पर पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों ने मुजफ्फराबाद से पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। सरकारी न्यूज एजेंसी के दावों के मुताबिक, पूछताछ के बाद भारी मात्रा में हथियार (7 स्वचालित हथियार, कई ग्रेनेड और सैन्य उपकरण) बरामद हुए हैं। जांचकर्ताओं का दावा है कि इन संदिग्धों के विदेशी खुफिया एजेंसियों से संपर्क होने के सबूत मिले हैं।

पीओके के पीएम की अपील-'बातचीत की मेज पर लौटें' : पीओके के कठपुतली प्रधानमंत्री फैसल मुमताज राठौर ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत के जरिए मसला सुलझाने की अपील की है।

परफेक्ट बनने के चक्कर में औरतें हो रही हैं सुपरवुमन सिंड्रोम का शिकार

औरतें अपनी इमेज को लेकर काफी कॉन्शियस होती हैं। घर हो या दफ्तर हर जगह महिलाएं अपनी परफेक्ट इमेज बनाना चाहती हैं, लेकिन इसके कारण वो सुपरवुमन सिंड्रोम की गिरफ्त में आती जा रही हैं। यह एक तरह का मानसिक अवसाद है, जो परफेक्ट दिखने की होड़ में लगी महिलाओं में देखने को मिल रहा है। परफेक्ट दिखने का जुनून महिलाओं को धीरे-धीरे इस अवसाद की ओर धकेल रहा है। चलिए आपको बताते हैं कि क्या है यह सिंड्रोम और कैसे करें इससे बचाव।

क्या है सुपरवुमन सिंड्रोम?

एक्सपर्ट के मुताबिक, घर-परिवार की जिम्मेदारी हो या फिर करियर में कोई ऊंचा मुकाम पाना हो, आजकल की महिलाएं हर काम में एकदम फिट बैठना चाहती हैं। जिंदगी में हर भूमिका को अच्छे से निभाने की लत की वजह से ही महिलाएं सुपरवुमन सिंड्रोम का शिकार होती जा रही हैं। अगर वो किसी काम में चूक जाएं तो खुद को दोष देने लगती हैं। इतना ही नहीं, इसके चलते तो कभी-कभी महिलाएं डिप्रेशन का शिकार भी हो जाती हैं।

इन महिलाओं को अधिक खतरा

हाउसवाइफ, नई माताओं, कामकाजी महिला हो या सोशल एक्टिविस्ट, यह सिंड्रोम किसी भी महिला को हो सकता है। शोध के अनुसार, पढ़ाई में परफेक्ट बनने के चक्कर में 13 से 18 साल की लड़कियां भी इस सिंड्रोम से गुजर रही हैं।

सेरोटोनिन हो सकता है कारण

एक्सपर्ट की मानें तो महिलाओं में इस सिंड्रोम की एक वजह सेरोटोनिन नामक तत्व भी है। यह एक ब्रेन केमिकल है, जो उदासी को दूर करके एवं मूड को अच्छा बनाकर उसे तनावग्रस्त होने से बचाता है। मस्तिष्क में सेरोटोनिन की कमी पूरी करने के लिए आप दवाइयों और एस्ट्रोजन बढ़ाने वाले फूड का सेवन कर सकते हैं।

सुपरवुमैन सिंड्रोम के लक्षण

- एक परफेक्ट महिला की इमेज बनाकर रखना।
- तारीफ सुनने के लिए लोगों को खुश रखना।
- सर्वगुण सपन्न होने की भावना।
- किसी से ज्यादा बात न करना।
- दूसरों का ध्यान अपनी तरफ खींचना।
- कम आत्मसम्मान होना।
- परफेक्ट बनने की ज्यादा कोशिश करना।

ऐसे करें बचाव

आत्म-अनुशासन है जरूरी

इस सिंड्रोम से बचने के लिए आत्म-अनुशासन कारगार साबित हो सकता है। घर और ऑफिस के लिए समय निकालने के साथ खुद को भी टाइम दें। इस दौरान आप वो सब काम करें, जिससे आपको खुशी मिले।

प्राथमिकताओं को करें सुनिश्चित

एक वक्त में हर काम कर पाना या हर फील्ड में परफेक्ट हो पाना किसी के लिए भी संभव नहीं है। ऐसे में अपनी प्राथमिकताओं को कम करें और जरूरी चीजों पर ध्यान दें। जैसे कि अगर आप अभी-अभी मां बनी हैं तो यह समय पूरी तरह अपने बच्चे एवं मातृत्व को दें और ऑफिस वर्क को अवॉइड करें।

उम्मीदों को करें सीमित

भारतीय समाज में सिर्फ आसपास के लोग ही नहीं बल्कि खुद महिलाओं को भी स्वयं से कुछ ज्यादा ही उम्मीदें होती हैं। जो पूरी न होने पर सुपर वुमन सिंड्रोम जैसी मानसिक बीमारी को जन्म देती है। ऐसे में ये समझना बहुत जरूरी है कि आपकी अपनी भी कुछ सीमाएं हैं और आप हर काम नहीं कर सकती। अपने हिस्से उतना ही काम लें, जितना आपके लिए संभव हो।

दूसरों की मदद लेना

परफेक्ट दिखने के लिए अक्सर महिलाएं दूसरों की मदद लेने से हिचकिचाती है, लेकिन ऐसा करना बिल्कुल गलत है। अगर आपका वर्कलोड अधिक हो तो मदद मांगने से बिल्कुल न हिचकिचाएं, फिर चाहे बात ऑफिस की हो या घर की। साथ ही न कहना भी सीखें। अगर आपने यह गुण सीख लिया तो बहुत सी समस्याओं एवं बीमारियों से बची रहेंगी।

दिनचर्या में बदलाव

घर और ऑफिस के काम के चक्कर में महिलाएं न सही आहार लेती हैं और न ही व्यायाम करती है, जो कि इस सिंड्रोम का सबसे बड़ा कारण है। ऐसे में अपनी डेली लाइफ में व्यायाम, खासकर योगा को जगह दें। इससे दिमाग में हैप्पी हार्मोन रिलीज होते हैं, जिससे आप खुद को अधिक उर्जावान एवं खुश महसूस करती है।

स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ डाइट भी है जरूरी

महिलाओं को अपने डाइट चार्ट में जरूरी पोषक तत्व जैसे ओमेगा-3, विटामिन्स, जिंक, प्रोटीन, कैल्शियम आदि शामिल करना चाहिए, ताकि वह स्वस्थ रहें। इसके लिए अपनी डाइट में हरी सब्जियां, फल, ओट्स, बीन्स, अंडा, दूध, नट्स, ब्रोकली, पालक, चिकन या मछली और गाजर जैसी चीजों का सेवन करें। इसके साथ ही शराब, जंक और प्रोसेस्ड फूड्स से परहेज करें।

अच्छी नींद भी है जरूरी

पूरा दिन काम करने के बाद आप देर रात तक काम या मोबाइल में ही उलझी रहती है। मगर शरीर एवं दिमाग को आराम देने के लिए जरूरी है कि आप 7-8 घंटे की नींद लें। ऐसे में रात को ज्यादा देर तक मोबाइल का यूज करने की बजाए सो जाएं।

रेसिपी

कोकोनट पुडिंग

सामग्री

- कच्चा नारियल : 3/4
- कच्चे नारियल का पानी: 1 कप
- दूध:1 कप
- कंडेंस्ड मिल्क:1/2 कप
- चीनी : 2 चम्मच
- खसखस (चाइना ग्रास पाउडर): 1/2 चम्मच
- पुडिंग बनाने के लिए सांचा

विधि

सबसे पहले ताजे नारियल से पानी निकालें। अब नारियल के भूरे हिस्से को हटाएं और सफेद हिस्से को मिक्सर में डालकर पीस लें। एक भारी तले वाले बर्तन में नारियल पानी लेकर खसखस पाउडर को घोल लें। इसे तब तक गर्म करें, जब तक कि खसखस पूरी तरह घुल न जाए। एक दूसरे बर्तन में कंडेंस्ड मिल्क और सामान्य दूध गर्म करें। साथ में चीनी भी मिलाएं। अब इसमें खसखस का मिश्रण एवं पिसा हुआ नारियल मिलाएं। इस मिश्रण को सांचे में डालें, फिर इसे रूम टेम्परेचर पर आने दें। इसके बाद 30 मिनट के लिए फ्रिज में रखें। अगर पुडिंग के सांचे से निकालने में दिक्कत हो रही है, तो चाकू से धीरे-धीरे निकालें और अपने मेहमानों में सर्व करें।

आलू का शीरा

सामग्री

- उबले आलू: 250 ग्राम
- चीनी: 100 ग्राम
- घी: 2 चम्मच
- इलायची पाउडर: 1/2 चम्मच
- कटे हुए सूखे मेवे: 3 चम्मच

विधि

उबले आलू का छिलका छीलकर उसे अच्छी तरह से मैश कर लें। कढ़ाही में घी गर्म करें और मैश किए हुए आलू को अच्छी तरह से भून लें। चीनी डालें और मिलाते हुए पकाएं। जब मिश्रण एक-सा हो जाए और चीनी घुल जाए तब उसमें इलायची पाउडर डाल दें। अब उसमें कटे हुए मेवे मिला दें। सर्विंग बाउल में निकालें। मेवों से सजा कर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-6-8-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-7-8-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-3-6-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंग। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य पूर्ण होंग। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान रहेगा। शुभांक-3-5-7

लॉफिंग ज़ोन

जज- तुम्होर विरूद्ध तीन बार जाली नोट छापने का आरोप है।
मुल्जिम- मुझसे घोखा हुआ है।
जज- क्या मतलब ?
मुल्जिम- मुझे पैसे केवल दो बार के दिए गए है।

□ □ □

एक चर्च का निर्माण हो रहा था कि एक मजदूर काफी ऊंचाई से गिर गया, उसकी जान तो बच गई लेकिन चोटें बहुत आई।
एक फादर जो दूर खडे हुए उसे गिरता देख रहे थे, दौडकर उसके पास आये और उसे जिंदा पाकर बोले- खुदा तुम्हारे साथ था बेटे।
मजदूर कराहते हुए बोला- हां कोई न कोई जरूर मेरे पास था वरना मुझे घक्का कौन देता।

□ □ □

पत्नी ने अपने सैल्समैन पति से कहा- जब तुम काम के सिलसिले में बाहर चले जाते हो तो मुझे हमेशा घबराहट होती रहती है।
पति- घबराओं नही मैं इतनी जल्दी वापस आंऊगा कि तुमको पता ही नही चलेगा।
पत्नी- तुम्हारी यही हरकत तो मेरी

काकुरो पहेली - 4082

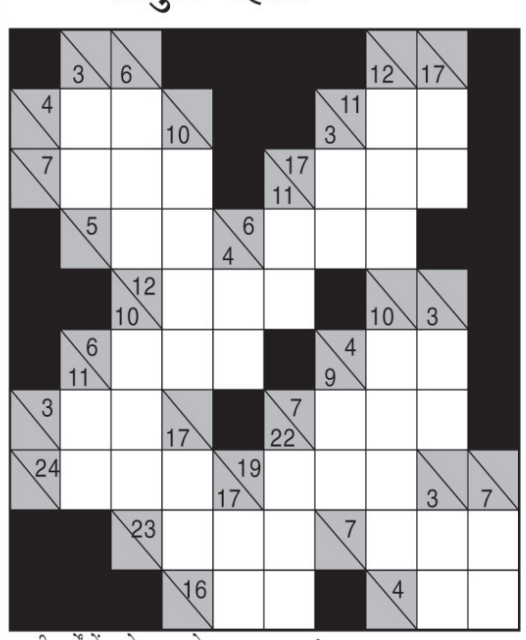

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

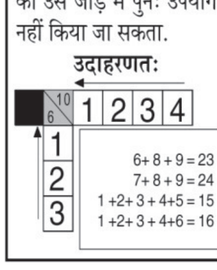

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4081 का हल

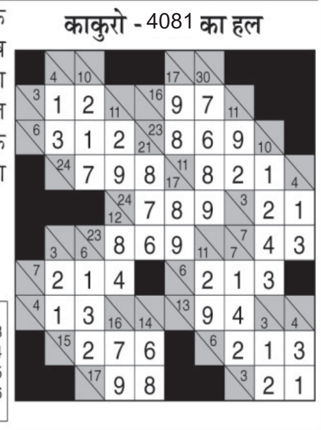

फिल्म वर्ग पहेली- 4082

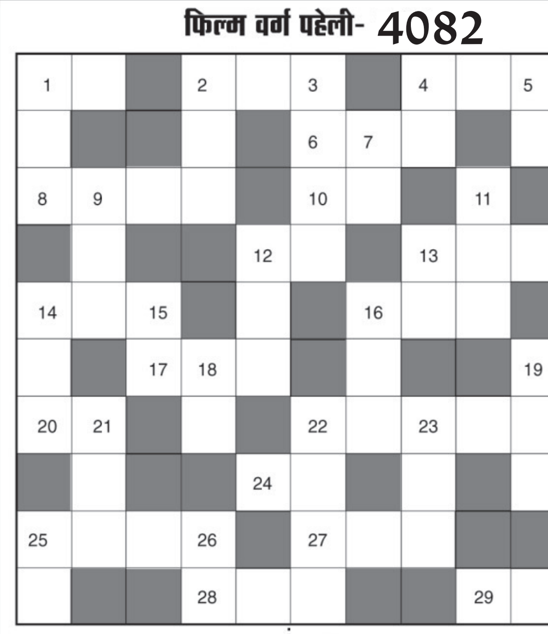

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धमेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4081

सूडोकु 4082

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4081 हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

शब्द पहेली -4082

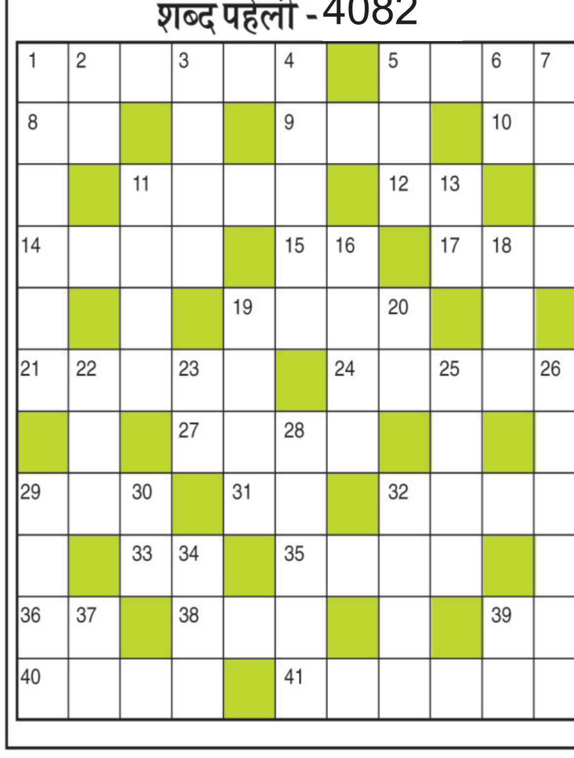

बाएँ से दाएँ

1.अत्यावश्यक-6
5.कारागार,जेल-4
8.पानी,नीर-2
9.मीन,मत्स्य-3
10.लक्ष्मी,कमला-2
11.कलाकार,फनकार-4
12.मर्द,मादा का विलोम-2
14.हसरत,मुराद-4
15.कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17.भूमि,धरती-3
19.मतवासा,मदहोश-4
21.फिल्मी दुनिया-3,3
24.दुर्भाग्यशाली-5
27.ठोकर लगना,भिड़ना-4
29.दौंडी पीटना-3
31.सांप,सर्प-2
32.दाल-4
33.हूर,अप्सरा-2
35.गाड़ी चलाने वाला-4
36.पिता का छोटा भाई-2
38.पुत्र,बेटा-3
39.टौंटी,नलका-2
40.ललचाना,तड़फाना-4
41.टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1.ईश्वर,अनश्वर-3,3
2.तेलहन-2
3.सुखद वस्तु, वर देना-4
4.करधनी,कमर पेटी-5
5.गलीचा-3
6.दिन-2
7.समस्या का हल-4
11.धरोहर,थाती-4
13.मिट्टी,धूल-2
16.चमकना-4
18.वायुसेना का एक विमान-3
19.इतराना-4
20.परत-2
22.जाप करना-3
23.किवाड़,द्वार-2
25.उदाहरणतः-4
26.परवरिश-3,3
28.राग छेड़ना-5
29.भेंट,मेल-मिलाप-4
30.दिया,दीपक-2
32.औषधालय, दवाखाना-4
34.खाली होना-3
37.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.नया,नवीन-2

शब्द पहेली -4081 हल

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने विकास व आत्मनिर्भरता की लिखी नई इबारतः कृष्ण कुमार बेदी

एजेंसी

जींद। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी, निर्णायक और जनकल्याणकारी नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों के दौरान भारत ने विकास, सुशासन, राष्ट्रीय सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। आज भारत दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है और वैश्विक मंच पर एक सशक्त, आत्मविश्वासी तथा प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 12 वर्षों में भारत ने विकास व विश्वास, जन कल्याण व सुशासन और आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिखी है। मंत्री कृष्ण कुमार बेदी गुरुद्वारा सिंह सभा में केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गरीब, किसान, युवा, महिला और वंचित वर्ग के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। सरकार की जनहितकारी योजनाओं से समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का कार्य किया है। इस दौरान उन्होंने गुरुद्वारा सिंह सभा में माथा टेक कर प्रधानमंत्री के स्वस्थ्य जीवन एवं लंबी उम्र की कामना की और संस्था द्वारा लगाई गई छबील में आमजन को पानी पिलाकर सेवा भी की।

विभाग ने काटे पानी के अवैध कनेक्शन

सिरसा। सिरसा जिले में पेयजल संकट को दूर करने और आम लोगों को पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने ढाणी बिलासपुर में बागवानी और अन्य गैर-घरेलू कार्यों के लिए उपयोग किए जा रहे पानी के अवैध कनेक्शनों को काट दिया। जिला सलाहकार राकेश सोगलान ने बताया कि जनस्वास्थ्य विभाग को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ लोग पेयजल आपूर्ति का उपयोग बागवानी और अन्य कार्यों में कर रहे हैं, जिसके कारण क्षेत्र के निवासियों को पीने के पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने विशेष निरीक्षण अभियान चलाया और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। अभियान के दौरान विभाग की टीम ने कई स्थानों का निरीक्षण किया तथा ऐसे कनेक्शनों की पहचान कर उन्हें तुरंत प्रभाव से काट दिया, जिनका उपयोग पेयजल के निर्धारित उद्देश्य के विपरीत किया जा रहा था। विभाग की टीम ने आमजन से अपील की कि वे पेयजल का सदुपयोग करें और जल संरक्षण में सहयोग दें।

साइबर व सामान्य अपराधों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें : आईजी

हिसार। हिसार रेंज के आईजी कुलदीप सिंह ने पुलिस अधीक्षकों व अन्य अधीनस्थों को निर्देश दिए हैं वे साइबर व सामान्य अपराधों बारे त्वरित व कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था में सुधार व अपराध पर रोकथाम यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! और कीमत बहुत सस्ती है पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए। आईजी कुलदीप सिंह की बैठक की अध्यक्षता करते हुए निर्देश दे रहे थे। इसमें पुलिस अधीक्षक, डीएसपी, सभी इकाइयों के प्रभारी, प्रभारी साइबर थाना तथा प्रभारी साइबर सैल उपस्थित रहे। गोष्ठी का उद्देश्य क्षेत्र में बढ़ती हुई अपराध प्रवृत्तियों, विशेषकर साइबर अपराधों पर नियंत्रण, त्वरित कार्रवाई एवं जनहित सुरक्षा को सुनिश्चित करना था। आईजी ने सभी इकाई प्रभारियों को अपराध की त्वरित जांच व प्रभावी निवारक कदम उठाने के निर्देश दिए। साइबर अपराधों के मामलों में विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए साइबर सैल व थानों के बीच समन्वय और सूचना आदान-प्रदान को और सुदृढ़ की जाए, डिजिटल साक्ष्य संग्रहण, साइबर फोरेंसिक प्रक्रियाओं और तीव्रता से थानागत फॉलो-अप सुनिश्चित किए जाएं, राजकीय, निजी संस्थानों, बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थाओं के साथ संयुक्त परिरक्षण व जागरूकता अभियानों का आयोजन किया जाए, नागरिकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग एवं पहचान चोरी के प्रति सावधान करने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाए।

बिजली बचत से कम होगा बिजली बिल, पर्यावरण भी रहेगा सुरक्षित : विक्रम सिंह

हिसार। बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) एवं उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) के प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह ने उपभोक्ताओं से ऊर्जा संरक्षण को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर न केवल बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह ने बुधवार को बिजली वितरण निगमों द्वारा जारी जागरूकता संदेश में उपभोक्ताओं को ऊर्जा दक्ष एलईडी बल्बों के उपयोग, अनावश्यक रूप से चल रहे विद्युत उपकरणों को बंद रखने तथा उपयोग में न होने पर चार्जर एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्लग निकालने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही ऊर्जा दक्ष उपकरणों को प्राथमिकता देने, भवनों की छत एवं दीवारों का उचित इन्सुलेशन कराने तथा सौर ऊर्जा को अपनाने पर विशेष जोर दिया गया है। प्रबंध निदेशक ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण केवल आर्थिक बचत का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

तीन दिवसीय राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) सम्मेलन समाप्त

●हरियाणा के सेवाभाव और आतिथ्य के मुरीद हुए मेहमान ●सम्मेलन स्थल की 'वॉल ऑफ मैमोरी' बनी यादगार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा की मेजबानी में आयोजित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र के जोन-टू सम्मेलन समाप्त हो गया। आठ जून से शुरू हुए इस सम्मेलन के दौरान देश के विभिन्न राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों के अलावा मुख्य रूप से लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्य सभा के उप-सभापति हरिवंश, हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष और मुख्यमंत्री नायब सिंह पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया मौजूद रहे। सम्मेलन के आयोजक हरियाणा विधानसभा के स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने सभी महान विभूतियों को पत्र लिखकर विशेष रूप से आभार जताया है। विस अध्यक्ष ने सम्मेलन में भागीदार उत्तर क्षेत्र के पांचों राज्यों के साथ-साथ विभिन्न राज्य विधान मंडलों से आए पीठासीन अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का भी आभार जताया। विस अध्यक्ष कल्याण ने कहा कि इन सभी प्रतिभागियों ने सार्थक चर्चा कर लोकतांत्रिक संवाद को मजबूती प्रदान की है। दो दिवसीय

सम्मेलन में नॉर्थ जोन के पांचों राज्यों सहित 13 विधान मंडलों के पीठासीन तथा उप-पीठासीन अधिकारी और जनप्रतिनिधि शामिल हुए, जिनमें से लगभग 40 प्रतिभागियों ने निर्धारित विषय पर विचार रखे। सम्मेलन के समापन पर 4 लिखित संकल्प पारित किए गए, जबकि उत्कृष्ट मेजबानी और सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण के प्रति आभार का एक अलिखित प्रस्ताव भी ध्वनिमत से स्वीकार किया गया। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण मेहमानों को सादर विदा करने में व्यस्त रहे। उन्होंने प्रत्येक अतिथि का सहयोग करने के लिए जहां संपर्क अधिकारी तैनात किए थे, वहीं वे व्यक्तिगत रूप से हर किसी की चिंता करते रहे। विधान सभा अध्यक्ष ने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह, प्रदेश सरकार, उसके सभी विभागों का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया है।

सम्मेलन के मुख्य सभागार पास 'वॉल ऑफ मैमोरी' स्थापित की गई। इस पर विभिन्न राज्यों के जन-प्रतिनिधियों ने इस आयोजन पर अपनी आगंतुक टिप्पणी अनूठे अंदाज में प्रस्तुत की। प्रतिभागियों ने इस मंच को सीखने की अद्भुत कवायद और लोकतांत्रिक मूल्यों की अतुलनीय व्याख्या बताया।

सम्मेलन के दौरान लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 'संसदीय अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र' का उद्घाटन किया। सम्मेलन के पहले दिन विधान परिसर में लोकतंत्र दीर्घा का भी उद्घाटन किया। यह दीर्घा का उद्देश्य नागरिकों, विशेष रूप से विद्यार्थियों एवं युवाओं को भारतीय संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा विधायिका की कार्यप्रणाली से परिचित कराना है।

हरियाणा में बूंदाबांदी व आंधी के बावजूद कम नहीं हुआ गर्मी का प्रकोप, जारी रहे लू के थपेड़े

एजेंसी

हिसार। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में मंगलवार शाम को हुई बूंदाबांदी व आंधी के बावजूद दिन भारी उमस व गर्मी भरा रहा। दोपहर के समय लू के थपेड़े चले वहीं अंदर की तरफ उमस ने हाल बेहाल कर दिया। मौसम विभाग ने प्रदेश के एक दर्जन से अधिक जिलों में हीट वेव का दौर रहा। बारिश के बावजूद एक बार फिर भीषण गर्मी का दौर तेज हो गया है। लगातार बढ़ते तापमान के कारण दिन के समय कई जिलों में गर्मी और लू का असर महसूस किया जा रहा है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार प्रदेश के अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक और बढ़ोतरी हो सकती है। इसके बाद मौसम में बदलाव आएगा और अगले दो दिनों के दौरान तापमान में 4 से 6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज हो सकती है ऐसा रहेगा प्रदेश का मौसम हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एमएल खीचड़ का कहना है कि प्रदेश में 14 जून तक मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील रहने व बीच बीच में आंशिक बादलवाई तथा हवाओं की दिशा में बदलाव की संभावना है। इस दौरान पश्चिमी विक्षोभ 11 जून को पहाड़ों की तरफ बढ़ने तथा पंजाब के ऊपर एक साइक्लोनिक सरकुलेशन बनने की संभावना है। इसके आंशिक प्रभाव से 11 जून रात्रि से 13 जून के दौरान हरियाणा राज्य में ज्यादातर क्षेत्रों में बीच बीच में तेज हवाएं चलने व कहीं कहीं गरज चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना है। इस दौरान कुछ एक स्थानों पर मध्यम से तेज बारिश की भी संभावना बन रही है। बदले मौसम के चलते दिन के तापमान में गिरावट परंतु रात्रि तापमान में बढ़ोतरी की संभावना है। आंधी, बिजली और ओलावृष्टि के आसार मौसम विभाग ने 11 और 12 जून को प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में ओलावृष्टि की संभावना जताई है।

बरवाला में अवैध कॉलोनी में बने निर्माण कार्य को जेसीबी से किया ध्वस्त

एजेंसी

हिसार। जिला नगर योजनाकार विभाग ने बरवाला में दौलतपुर मार्ग पर स्थित एक अवैध कॉलोनी में बने निर्माण कार्य को जेसीबी चलाकर ध्वस्त कर दिया गया है। यह कार्रवाई डीटीपी दिनेश कुमार के नेतृत्व में की गई और ड्यूटी मजिस्ट्रेट के मौके पर काफी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। डीटीपी दिनेश कुमार ने बुधवार को बताया कि दौलतपुर मार्ग पर लगभग पांच-छह एकड़ में एक अवैध कॉलोनी में बने निर्माण कार्य, भरी हुई नीवों व कच्ची पक्की सड़कों को जेसीबी से तहस नहस किया गया। इस कार्रवाई के दौरान किसी ने भी ऐतराज वगैरह नहीं किया। इस संबंध में कॉलोनाइजरों को नोटिस वगैरह दिए गए थे परंतु ये कॉलोनाइजर अपनी हरकतों से बाज नहीं आए और इस अवैध कॉलोनी में अपना निर्माण कार्य जारी रखा। इससे पूर्व भी इसी अवैध कॉलोनी में जिला नगर योजनाकार विभाग द्वारा कई बार जेसीबी चला कर भरी हुई नीवों, कच्ची पक्की सड़कों को क्षतिग्रस्त किया जा चुका है। डीटीपी दिनेश कुमार ने लोगों से अपील की कि वो कालोनाइजरों के लोभ लुभावने झांसो में ना आए और किसी अवैध कॉलोनी में प्लाट वगैरह खरीद कर अपनी मेहनत से कमाई गई जमा पूंजी का निवेश ना करें। किसी अवैध कॉलोनी कटने की सूचना तुरंत जिला नगर योजनाकार विभाग को दे ताकि अवैध कालोनी काटने वाले कालोनाइजरों के खिलाफ जिला नगर योजनाकार विभाग द्वारा कार्रवाई की जा सके। इस अवसर पर जेई अमन भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ने 12 वर्ष में 17 बार किया हरियाणा का दौरा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री पद पर 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर हरियाणा की पौने तीन करोड़ जनता की ओर से उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को संबोधित अपने पत्र में कहा कि भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में बीते 12 वर्ष राष्ट्र की सामूहिक चेतना के पुनर्जागरण, जनसेवा और विकास यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुए हैं।प्रधानमंत्री का यह कालखंड सेवा, सुशासन, संकल्प, समर्पण और राष्ट्र प्रथम की भावना से प्रेरित एक युगांतकारी यात्रा का साक्षी रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में देशवासियों ने विकसित, आत्मनिर्भर, सशक्त और गौरवशाली भारत के जिस सपने के साथ देश की बागडोर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में सौंपी थी, आज 140 करोड़ भारतवासी उस सपने को साकार होते हुए देख रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि 15 सितंबर, 2013 को रेवाड़ी में आयोजित देश के पूर्व सैनिकों की

रैली से प्रधानमंत्री ने अपने लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत की थी और उस रैली का उत्साह तथा हरियाणा के लोगों का स्नेह आज भी स्मरणीय है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कर्मभूमि रही है और उनका प्रदेश से विशेष लगाव रहा है। प्रधानमंत्री अब तक 17 बार हरियाणा का दौरा कर चुके हैं और प्रत्येक अवसर पर उन्होंने प्रदेश को विकास की नई सौगात दी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने हरियाणा को अब तक 1,390 किलोमीटर लंबे 22 राष्ट्रीय राजमार्ग दिए हैं, जिसके परिणामस्वरूप आज प्रदेश का प्रत्येक जिला राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत हरियाणा के मेहनतकश किसानों को 9,888 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 20.17 लाख किसानों को 7,562 करोड़ रुपये दिए गए हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 15 लाख महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन मिले हैं तथा प्रदेश में 2.18 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि आयुष्मान भारत-चिरायु योजना के अंतर्गत 27 लाख से अधिक लोगों को 4,148 करोड़ रुपये की लागत से मुफ्त इलाज मिला है। प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना के तहत 1.57 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। वीबीजीवाई योजना में श्रमिकों को 5,337 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 1.56 लाख गरीब परिवारों को पक्का घर मिला है। जल जीवन मिशन के माध्यम से 31 लाख ग्रामीण घरों तक नल से जल पहुंचाया गया है। प्रदेश के युवाओं ने 10 हजार से अधिक स्टार्टअप स्थापित किए हैं तथा 1.58 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण मिला है।

हरियाणा के किसानों को मिलेगा 'अलग बिजली निगम', खेती के लिए मिलेगी भरपूर बिजली

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार कृषि क्षेत्र की बिजली व्यवस्था को अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। राज्य में किसानों और कृषि उपभोक्ताओं के लिए एक अलग बिजली वितरण निगम स्थापित करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। सरकार का लक्ष्य 15 अगस्त तक Haryana Agri Discom को पूरी तरह कार्यात्मक बनाना है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद कृषि क्षेत्र से जुड़े बिजली प्रबंधन, सेवाओं और शिकायत निवारण से संबंधित कार्यों को एक अलग संस्थागत ढांचे के माध्यम से संचालित किया जाएगा। इससे किसानों को बिजली सेवाओं में अधिक पारदर्शिता और बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

दीपक पोपली को सौंपी गई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

नई बिजली वितरण कंपनी के गठन को गति देने के लिए प्रदेश सरकार ने उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम पंचकूला में मुख्य अभियंता (वाणिज्य) के पद पर कार्यरत दीपक पोपली को नोडल

अधिकारी नियुक्त किया है। नोडल अधिकारी के रूप में दीपक पोपली परियोजना के कार्यान्वयन, प्रगति की निगरानी, समन्वय और समीक्षा की जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके अलावा नई व्यवस्था को लागू करने के लिए आवश्यक प्रशासनिक और नीतिगत प्रक्रियाओं को भी आगे बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान किसानों के लिए तीसरे बिजली वितरण निगम के गठन की घोषणा की थी। वर्तमान में प्रदेश में बिजली आपूर्ति का संचालन उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के माध्यम से किया जा रहा है। अब कृषि क्षेत्र की विशेष जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अलग बिजली वितरण कंपनी का गठन किया जा रहा है, जिससे कृषि उपभोक्ताओं से जुड़े मामलों पर विशेष फोकस किया जा सके।नई कंपनी राज्यभर के कृषि फीडरों और कृषि श्रेणी के बिजली उपभोक्ताओं का प्रबंधन करेगी। इसके अंतर्गत नए ट्यूबवेल कनेक्शन जारी करना, ट्रांसफार्मर बदलना, बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता सुधारना और तकनीकी निगरानी जैसे कार्य शामिल होंगे। इसके अलावा Metering, Billing, शिकायत निवारण और राजस्व प्रबंधन की जिम्मेदारी भी इसी कंपनी के पास होगी। इससे कृषि क्षेत्र की बिजली सेवाओं के लिए एक समर्पित तंत्र विकसित किया जा सकेगा। सरकार का मानना है कि अलग बिजली निगम बनने से किसानों को अधिक भरोसेमंद और समयबद्ध सेवाएं मिल सकेंगी। कृषि फीडरों की निगरानी बेहतर होने से बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार आने की संभावना है।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से वाटर सप्लायर की मौत

एजेंसी

रेवाड़ी। रेवाड़ी जिले के गांव बिठवाना में एक दर्दनाक हादसे में ट्रैक्टर के नीचे कुचलने से 50 वर्षीय वाटर सप्लायर की मौत हो गई। घटना मंगलवार शाम की है। सूचना मिलने के बाद मॉडल टाउन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक की पहचान गांव बिठवाना निवासी ओमप्रकाश के रूप में हुई है। उनके भाई राजेश कुमार ने बताया कि ओमप्रकाश ट्रैक्टर-टैंकर के माध्यम से पानी सप्लाई करने का काम करते थे। इन दिनों गांव के पंचायत घर में निर्माण कार्य चल रहा है, जिसके लिए पानी की आवश्यकता थी। मंगलवार शाम को ओमप्रकाश पानी का टैंकर लेकर पंचायत घर पहुंचे थे। बताया गया है कि टैंकर खाली करने के बाद उन्होंने ट्रैक्टर को गियर में खड़ा कर दिया।

इसी दौरान अचानक खड़ा ट्रैक्टर स्टार्ट होकर आगे बढ़ने लगा। पास में खड़े ओमप्रकाश ने ट्रैक्टर को रोकने का प्रयास किया और उस पर चढ़ने के लिए दौड़े। हालांकि, जल्दबाजी में उनका पैर फिसल गया और वह संतुलन खोकर नीचे गिर गए। गिरते ही ट्रैक्टर उनके ऊपर से गुजर गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें उपचार के लिए शहर के एक निजी अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। राजेश कुमार ने बताया कि ओमप्रकाश अपने पीछे पत्नी और एक बेटी को छोड़ गए हैं। उनकी मौत से परिवार गहरे सदमे में है। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने मृतक के भाई के बयान के आधार पर कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम करवाया और अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले की आवश्यक जांच भी कर रही है।

मोदी सरकार की उपलब्धियों को घर-घर पहुंचाएगी हरियाणा सरकार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरूण गुप्ता ने कहा है कि सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने को लेकर अधिकारी रूपरेखा तय करे। उन्होंने इस संबंध में बुधवार को प्रदेश के सभी उपायुक्तों की वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से सचिवालय से बैठक ली है। बैठक में सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल, मुख्यमंत्री के ओएसडी बीबी भारती, कृषि विभाग के महानिदेशक राजनारायण कौशिक, पीसीसीएफ केसी मीणा, सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के अतिरिक्त निदेशक मनीष लौहान, संयुक्त निदेशक नीरज कुमार भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरूण गुप्ता ने सभी उपायुक्तों से अब तक की गई तैयारियों के संबंध में रिपोर्ट लेते हुए विशेष निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि 20 जून तक चलाए जाने वाले विशेष प्रचार एवं जन-जागरूकता अभियान को सफल बनाने के लिए ड्यूटियां सुनिश्चित कर ली जाएं। प्रचार अभियान के दौरान सभी समारोह में मंत्रीगण, सांसदगण, विधायक एवं जनप्रतिनिधियों को विशेष तौर पर आमंत्रित किया जाएं। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों एवं गतिविधियों

को स्वीकृति प्रदान करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। अभियान का मुख्य उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं तथा गत 12 वर्षों की उपलब्धियों को आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ अमित अग्रवाल ने बैठक के दौरान प्रचार अभियान में किए जाने वाले कार्यो की विस्तृत रूप रेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि इस दौरान मीडिया संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्रीगण मीडिया प्रतिनिधियों के साथ संवाद करेंगे और सरकार की उपलब्धियों एवं योजनाओं की जानकारी सांझा करेंगे। उन्होंने कहा कि विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रों में मंत्रीगण, सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि लोगों के बीच जाकर संवाद स्थापित करेंगे। इसके तहत जनप्रतिनिधियों के दौरे भी प्रस्तावित हैं, जिनके दौरान विकास कार्यों एवं जनहितकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाएगी। डॉ अमित अग्रवाल ने कहा कि युवाओं और सामाजिक संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'प्रगति पथ' से जुड़ी प्रदर्शनी जिला मुख्यालयों पर आयोजित की जाएंगी, जिनमें 12 साल की सरकार की उपलब्धियों का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया जाएगा।

कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस वे बनेगा विकास का केंद्र

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार भविष्य में कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे के आसपास के 135 किलोमीटर लंबे क्षेत्र को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का सबसे बड़ा विकास केंद्र बनाएगी। एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की 16 जून को होने वाली बैठक में हरियाणा सरकार की तरफ से रीजनल प्लान-2041 के संबंध में ड्राफ्ट योजना पेश की जाएगी। इस क्षेत्र को 'सेंट्रल एनसीआर' का दर्जा देने और इसे 'गोल्डन रिंग ऑफ अपॉर्च्युनिटी' के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया है।

योजना के अनुसार, दिल्ली के बाहर केएमपी और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से पांच किलोमीटर तक के क्षेत्र को सेंट्रल एनसीआर माना जाएगा। यह क्षेत्र भविष्य में एनसीआर की आर्थिक वृद्धि का प्रमुख इंजन बनेगा। वर्तमान में एनसीआर देश की जीडीपी में लगभग 8 प्रतिशत योगदान देता है और इसे भारत की 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य का महत्वपूर्ण आधार माना जा रहा है। हरियाणा सरकार ने केएमपी एक्सप्रेसवे के आसपास 'पंचग्राम' परियोजना के तहत पांच नए ग्रीनफील्ड शहर विकसित करने का प्रस्ताव दिया है। इस परियोजना के अंतर्गत करीब 2.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में नए औद्योगिक नगर, आवासीय टाउनशिप और आधुनिक शहरी केंद्र विकसित किए जाएंगे। एक्सप्रेसवे के दोनों ओर 2 से 6 किलोमीटर तक के क्षेत्र में योजनाबद्ध विकास किया जाएगा, जिसकी निगरानी के लिए एक विशेष 'पंचग्राम विकास प्राधिकरण' गठित किया जाएगा। योजना में दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से जुड़े मानेसर-बावल निवेश क्षेत्र को भी प्राथमिकता दी गई है। इससे गुरुग्राम, मानेसर, बावल और आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। केएमपी कॉरिडोर में अत्याधुनिक मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट स्टेशन विकसित किए जाएंगे। पंचगांव चौक (मानेसर) में दिल्ली-अलवर आरआरटीएस, गुरुग्राम-मानेसर मेट्रो और झज्जर-पलवल रेल लाइन को जोड़ा जाएगा।

इस्तीफे के बाद हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष ने वीडियो जारी कर मांगी माफी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की नर्सिंग ऑफिसर द्वारा प्रदेश भर में विरोध प्रदर्शन किए जाने के बाद रात अपने पद से इस्तीफा देने वाली महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने एक वीडियो जारी करके अपने कार्यकाल के दौरान हुई गलतियों पर माफी मांगी है। इस वीडियो में उन्होंने कुरुक्षेत्र विवाद का कोई जिक्र नहीं किया है। आज जारी वीडियो में वह अपने कार्यालय में बैठी हुई दिखाई दे रही हैं।

वीडियो में उन्होंने पहले पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल और फिर वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सैनी का आभार जताया। कहा-यदि कुछ गलतियां हो गई हो तो माफी मांगती हूं। हालांकि उन्होंने नर्सिंग ऑफिसर की बेटी वाले बयान पर एक शब्द नहीं बोला। बताया जा रहा है कि यह मंगलवार को ही रिकॉर्ड किया गया, लेकिन पोस्ट किया। वीडियो में रेणु भाटिया ने कहा कि मैं आपके बीच आई हूं आपसे विदा लेने। मैं धन्यवाद करती हूं पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल का, जिन्होंने मुझ पर विश्वास करके मुझे इस पद को दिया। मैं धन्यवाद करती हूं, मुख्यमंत्री नायब सैनी का, जिन्होंने मुझ पर विश्वास करके मुझे दूसरे कार्यकाल के लिए अवसर दिया। मैं अपने इन साढ़े 4 वर्षों में प्रयास करती रही कि बेहतर कार्य करके दिखाऊं।

अगर इस दौरान यदि कभी कहीं कार्य में त्रुटि रही हो तो, यदि कहीं मेरी वजह से किसी को आघात पहुंचा हो तो, यदि मेरी वजह से कोई कार्य डिले हुआ हो तो मैं उसके लिए क्षमायाची हूं, क्योंकि गलतियों से ही इंसान सीखता है। और वहीं मैंने अपनाया है। मैं सभी बेटियों को दुआ देकर जाती हूं कि जो बेटी इस टेबल तक आए, कमरे तक आए, उसकी हर प्रॉब्लम सॉल्व हो। मेरे बाद जो इस कुर्सी पर बैठे, वो अपनी बेटी की तरह से, सभी बेटियों को देखे। क्योंकि प्रॉब्लम को अपने परिवार की प्रॉब्लम समझकर सॉल्व करे। मैंने अपने साढ़े 4 वर्ष इस गीता के

उपदेशों की तरह से जिया है। मैं गीता की कसम खाकर कहती हूं कि मैंने कभी किसी के साथ अन्याय नहीं किया। प्रयास किया कि मैं सबको सुख दे सकूं, सबके लिए मैं वो कार्य कर सकूं, जो वो मेरे पास आस लेकर आए हैं। मैं इन्हीं शब्दों के साथ आज इस कुर्सी से विदा लेती हूं। जय भारत, जय हिंद। रेणु भाटिया द्वारा दिया गया इस्तीफा देर रात सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस्तीफे को लेकर चर्चाओं का दौर जारी रहा। इस बीच सरकार की तरफ से इस्तीफा स्वीकार करने को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। जिसके चलते इस्तीफे पर सस्पेंस बनी हुई है।

12 वर्षों में जनता को केवल गुमराह करने का काम किया, उज्ज्वला योजना को भी किया कमजोर : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की सदस्य, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि भाजपा सरकार के 12 वर्षों का वास्तविक मूल्यांकन देश की माताओं और बहनों के रसोईघरों में किया जा सकता है। भाजपा ने पिछले 12 वर्षों में जनता को बड़े-बड़े वादे और सपने दिखाकर गुमराह करने का काम किया है। उज्ज्वला योजना को गरीब महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने और स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने की योजना के रूप में प्रस्तुत किया गया था, लेकिन आज बढ़ती गैस कीमतों और घटती सुविधाओं ने करोड़ों गरीब परिवारों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा सरकार ने गरीब परिवारों को सस्ते गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने तथा महिलाओं को चूल्हे के धुएं से राहत दिलाने का वादा किया था, लेकिन समय के साथ इन दावों की वास्तविकता सामने आ गई। पहले 12 सिलेंडरों की बात हुई, फिर संख्या घटकर 9 तक पहुंची और अब केवल 4 सिलेंडरों तक सीमित होने की स्थिति सामने आ रही है। इससे गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। सांसद ने कहा कि गैस सिलेंडरों की लगातार बढ़ती कीमतों ने घरेलू बजट को पूरी तरह प्रभावित किया है। रसोई का खर्च बढ़ने से लाखों परिवार गैस सिलेंडर रिफिल कराने में असमर्थ हो रहे हैं। अनेक ग्रामीण और गरीब परिवारों की महिलाएं फिर से लकड़ी, उपलों और पारंपरिक चूल्हों का सहारा लेने को मजबूर हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि किसी भी योजना की सफलता का आकलन केवल सरकारी विज्ञापनों और आंकड़ों से नहीं, बल्कि उसके वास्तविक लाभार्थियों के जीवन में आए बदलाव से किया जाता है। यदि करोड़ों परिवार गैस रिफिल नहीं करवा पा रहे और महिलाएं फिर से धुएं में खाना बनाने को विवश हैं, तो यह सरकार की नीतियों की विफलता का स्पष्ट प्रमाण है।

भारत / अफगानिस्तानः इतिहास रचने की दहलीज पर शुभमन गिल, पहले वनडे में बना सकते हैं बड़ा रिकॉर्ड

दुबई (एजेंसी)। भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 जून से धर्मशाला में शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला कई बड़े रिकॉर्ड्स का गवाह बन सकता है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल इस मैच में बल्लेबाजी के एक खास मुकाम के बेहद करीब हैं। अगर वह बड़ी पारी खेलते हैं तो वनडे क्रिकेट के इतिहास में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा सकते हैं।

3000 वनडे रन पूरे करने से सिर्फ 43 रन दूर गिल

जनवरी 2019 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे डेब्यू करने वाले शुभमन गिल ने अब तक 61 पारियों में 2953 रन बनाए हैं। उन्हें 3000 वनडे रन पूरे करने के लिए सिर्फ 43 रनों की जरूरत है। अगर गिल धर्मशाला में यह उपलब्धि हासिल कर लेते हैं तो वह वनडे इतिहास में 3000 रन तक पहुंचने वाले दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन जाएंगे। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज हाशिम अमला ने यह कारनामा 57 पारियों में किया था, जो अब भी विश्व रिकॉर्ड है।

कई दिग्गजों को पीछे छोड़ सकते हैं शुभमन

3000 रन का आंकड़ा छूते ही शुभमन गिल वेस्टइंडीज के शाई होप, पाकिस्तान के फखर जमान और इमाम-उल-हक को पीछे छोड़ देंगे। इन तीनों बल्लेबाजों ने 67 पारियों में 3000 रन पूरे किए थे। साथ ही गिल भारत के सबसे तेज 3000 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन जाएंगे। फिलहाल यह रिकॉर्ड शिखर धवन के नाम है, जिन्होंने 72 पारियों में यह मुकाम हासिल किया था।

रोहित शर्मा भी रिकॉर्ड तोड़ने के करीब

सीरीज के पहले मुकाबले में रोहित शर्मा के पास भी एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने का मौका होगा। भारतीय कप्तान को वनडे क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के महान ऑलराउंडर जैक्स कैलिस को पीछे छोड़ने के लिए सिर्फ 3 रनों की जरूरत है। कैलिस ने अपने करियर में 328 वनडे मैचों में 11,579 रन बनाए थे, जबकि रोहित शर्मा 282 मैचों में 11,577 रन तक पहुंच चुके हैं। तीन रन बनाते ही रोहित इस सूची में उनसे आगे निकल जाएंगे।

कुलदीप यादव की नजर 200 विकेट पर

स्टार स्पिनर कुलदीप यादव भी एक खास रिकॉर्ड के करीब हैं। कुलदीप ने अब तक 120 वनडे मैचों में 194 विकेट हासिल किए हैं और उन्हें 200 विकेट पूरे करने के लिए सिर्फ 6 विकेट की जरूरत है। अगर कुलदीप पहले वनडे में छह विकेट लेने में सफल रहते हैं तो वह वनडे क्रिकेट में 200 विकेट पूरे करने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय गेंदबाज बन जाएंगे। फिलहाल यह रिकॉर्ड मोहम्मद शमी के नाम दर्ज है।

सिंधु और तन्वी ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

सिडनी (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और युवा खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने बृहस्पतिवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने प्रतिद्वंद्वियों को सीधे गेम में हराकर महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने राउंड ऑफ 16 मैच में हमवतन ईशारानी बरुआ को 42 मिनट में 22-20, 21-12 से शिकस्त दी।

बुधवार को चीनी ताइपे की पांचवीं वरीय और दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी च्यू पिन चियान को हराकर उलटफेर करने वाली तन्वी ने हमवतन मालविका बंसोड़ को 21-13, 21-15 से हराकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। अब सिंधु चीनी ताइपे की चेन सु यू से भिड़ेंगी जबकि तन्वी का सामना जापान की शीर्ष वरीय अकाने यामागुची से होगा। तान्या हेमंत का सफर थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से 12-21, 15-21 से हारकर खत्म हो गया।

भारत के हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन की पुरुष युगल जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के माइकल ओवेन और डायलन सोएदजासा की जोड़ी को 21-17, 21-7 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अब वे अगले दौर में चीनी ताइपे के चेन चेंग कुआन और लियू कुआंग हेंग की जोड़ी से भिड़ेंगे। ध्रुव रावत और के मनीषा की मिश्रित युगल जोड़ी दूसरे दौर में जापान के अकीरा कोगा और नात्सु सैतो की जोड़ी से 19-21, 18-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

भारत आईसीसी वनडे टीम रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार, न्यूजीलैंड ने बढ़ाई टीम इंडिया के लिए चिंता

दुबई (एजेंसी)। भारत वार्षिक अपडेट के बाद अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की पुरुषों की एकदिवसीय टीम रैंकिंग में शीर्ष पर बना हुआ है लेकिन न्यूजीलैंड पर उसकी बढ़त अब पांच अंक से घटकर सिर्फ पांच अंक की रह गई है। अपडेट के बाद भारत के अंक 119 से घटकर 118 हो गए हैं जबकि न्यूजीलैंड के दो अंक के फायदे से 113 अंक हैं। मौजूदा विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 109 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। शीर्ष 10 टीम में एकमात्र बदलाव में दक्षिण अफ्रीका (102) ने पाकिस्तान (98) को पछाड़कर चौथा स्थान हासिल कर लिया है। नौवें स्थान पर मौजूद बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच अंतर अब बढ़कर 10 अंक का हो गया है। आयरलैंड ने जिम्बाब्वे को पीछे छोड़कर 11वां स्थान हासिल किया है जबकि अमेरिका भी स्कॉटलैंड से आगे निकलकर 13वें स्थान पर है। संयुक्त अरब अमीरात अब कनाडा से आगे 19वें स्थान पर है। पिछले सप्ताह किए गए सालाना अपडेट के बाद भारत आईसीसी की पुरुषों की टी20 अंतराष्ट्रीय रैंकिंग में भी शीर्ष पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक है। ऑस्ट्रेलिया महिलाओं की एकदिवसीय और टी20 अंतराष्ट्रीय दोनों रैंकिंग में शीर्ष पर है।

त्रिकोणीय सीरीजः अफगानिस्तान ए ने भारत ए को हराया, डीएलएस नियम बना कारण

दांबुला (एजेंसी)। भारत ए टीम यहां अफगानिस्तान ए टीम के खिलाफ हुए त्रिकोणीय सीरीज के अपने दूसरे मैच में 349 रनों का विशाल स्कोर बनाने के बाद भी हार गयी। इसका कारण बारिश होने के कारण डीएलएस नियम से किया गया फैसला रहा। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाज करते हुए 9 विकेट पर 349 रन बनाए। इसक बाद लक्ष्य का पीछा करते हए अफगानिस्?तान ने 25.5 ओवर में ही दो विकेट पर 177 रन बना लिए थे। डीएलएस के आधार पर अफगानिस्?तान ए को इतने समय तक 174 रन बनाने थे। ऐसे में उसे चार रनों से आगे होने के कारण विजेता घोषित कर दिया गया।

वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रभसिमरन सिंह, ऋतुराज गायकवाड़ और कप्तान तिलक वर्मा के अर्धशतको से भारत ए ने यहां त्रिकोणीय सीरीज में अफगानिस्तान ए के खिलाफ 49 ओवर में 9 विकेट खोकर 349 रन बनाये। इस प्रकार अफगान टीम को जीत के लिए 350 रनों का कठिन लक्ष्य मिला। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही। वैभव

सूर्यवंशी और प्रभसिमरन सिंह ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 7.1 ओवर में 74 रन जोड़े। वैभव ने तेजी से खेलते हुए केवल 22 गेंदों में 44 रन बनाए। वहीं प्रियांश आर्या केवल 8 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ और प्रभसिमरन ने तीसरे विकेट के लिए 74 गेंदों में 79 रन बनाये। ऋतुराज ने 80 गेंदों पर 66 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं प्रभसिमरन अपने शतक से रह गए और 69 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 84 रन ही बना पाये। आयुष बदोनी शून्य पर ही आउट हुए। वहीं तिलक ने 73 गेंदों में 5 चौके लगाकर 66 रन बनाए। सूर्यांश शेडगे ने 27 गेंदों में 40 रन बनाये।वहीं अरशद खान केवल एक रन ही बना सके। अनुकूल रॉय ने 8 गेंदों का सामना करते हुए 2 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 16 रन बनाए। वहीं, विपराज निगम ने 3 गेंदों में 8 रन बनाए। अफगानिस्तान ए की ओर से गेंदबाजी में अब्दुल्ला अहमदजई ने 68 रन देकर 5 विकेट लिए जबकि फरमानुल्लाह साफी ने 3 विकेट जबकि कप्तान इमरान मीर ने एक विकेट लिया।

एकदिवसीय सीरीज के लिए पांड्या के विकल्प की घोषणा शीघ्र होगी : सैकिया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या चोट के कारण अफगानिस्तान के साथ 13 जून से शुरु होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये हैं। पांड्या की जगह पर अभी किसी खिलाड़ी को शामिल करने की घोषणा नहीं की गयी है। वहीं इसको लेकर अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया का बयान आया है। सैकिया ने कहा कि चयन समिति जल्द ही यह फैसला करेगी कि उनके स्थान पर किसी खिलाड़ी को टीम में शामिल किया जाए या वर्तमान 14 खिलाड़ियों के साथ ही सीरीज खेली जाए। सैकिया ने कहा, हार्दिक पांड्या चोट के कारण एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनके विकल्प को लेकर जल्द फैसला लिया जाएगा। पांड्या इसी महीने बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) पहुंचे थे। आईपीएल में खेलते हुए उनकी पीठ में एंठन आ गयी थी। रिहैब के दौरान उन्हें खेलने की मंजूरी मिल गई थी, लेकिन बाद में जांघ की मांसपेशी में खिंचाव को देखते हुए उन्हें कुछ सप्ताह के लिए आराम की सलाह दी गई। उम्मीद है कि वह अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज तक फिट हो जाएंगे। हार्दिक की गैरमौजूदगी में नितीश कुमार रेड्डी को उनकी जगह अंतिम ग्यारह में मौका मिल सकता है। आईपीएल 2026 में अपनी तेज गेंदबाजी और अच्छी बल्लेबाजी से नितीश ने प्रभावित किया था। नितीश ने 14 मैचों में 8 विकेट हासिल किए थे और कई अवसरों पर जबरदस्त बल्लेबाजी भी की है। उनके अलावा शिवदुबे और अर्शद खान भी दावेदार हो सकते हैं। शिवम दुबे फिलहाल टी20 मुंबई लीग में खेल रहे हैं, जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शद खान भारत-ए की ओर से श्रीलंका-ए और अफगानिस्तान-ए के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज में हिस्सा ले रहे हैं।

ओलंपिक में विराट और वैभव को पारी की शुरुआत के लिए शामिल करे बीसीसीआई : श्रीसंत

मुम्बई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर एस. श्रीसंत भी उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी से बेहद प्रभावित हैं। इसी को देखते हुए श्रीसंत ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से कहा है कि साल 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में भारतीय टीम की पारी की शुरुआत के लिए अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और वैभव सूर्यवंशी को रखे। गौरतलब है कि साल 2028 में लॉस एंजिल्स में आयोजित होने वाले ओलंपिक खेलों से क्रिकेट की वापसी हो रही है। जिससे लेकर क्रिकेट जगत में बेहद उत्साह है। इसमें टी20 प्रारुप में मुकाबले रखे गये हैं। इसमें भारत सहित कुल छह शीर्ष टीमों को भाग लेने का अवसर मिलेगा।

श्रीसंत के अनुसार ओलंपिक खेलों के लिए विराट जैसे अनुभवी खिलाड़ी को टीम में रखा जाना चाहिए, और उनके साथ ही 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को भी मौका मिलना चाहिए। श्रीसंत के इस सुझाव के पीछे एक अनुभवी और एक युवा बल्लेबाज के मिश्रण से शीर्ष क्रम को मजबूती देने का विचार है। हालांकि, यह अनुरोध पूरा करना बीसीसीआई के लिए संभव नजर नहीं आता क्योंकि विराट ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया हैं, और वैभव को भी अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करना है।

श्रीसंत ने एक वीडियो में कहा, विराट ने जो काम किया है, वह अविश्वसनीय है। यदि हम ओलंपिक स्वर्ण की बात कर रहे हैं, तो मैं अनुरोध करता हूं कि विराट टीम में खेलें। यह सीनियर और जूनियर का एक बेहतरीन मिश्रण होगा। विराट के साथ सूर्यवंशी का उतरना अद्भुत होगा। उन्होंने कहा, चयनकर्ताओं को विराट को टी20 में बनाए रखना चाहिए, क्योंकि उनकी फिटनेस अभी शीर्ष स्तर की है। गौरतलब है कि विराट का टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर शानदार रहा है, जबकि वैभव ने आईपीएल में धमाकेदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा दिखायी है। इसलिए उन्हें भविष्य का सितारा माना जा रहा है, और उनकी क्षमताओं को देखते हुए ही उन्हें आगामी एशियई खेलों के लिए भी भारतीय टीम में चुना गया है।

फीफा विश्व कप : पहले दिन के अपने खराब रिकॉर्ड को बदलना चाहेगा मैक्सिको

मैक्सिको सिटी (एजेंसी)। सहमेजबान मैक्सिको का फुटबॉल विश्व कप के पहले दिन खेलते हुए रिकॉर्ड काफी खराब है और टीम आमतौर पर विश्व कप के पहले दिन अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाती। पिछले सात प्रयास में मैक्सिको की टीम को पांच बार हार का सामना करना पड़ा जबकि दो मैच ड्रॉ रहे। बृहस्पतिवार को मैक्सिको को एक और मौका मिलेगा जब वह 48 टीम वाले टूर्नामेंट के शुरुआती दिन दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगा।

कोच जेवियर एग्वायरे ने बुधवार को एज्टेका स्टेडियम में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हमें इस सिलसिले को तोड़ना होगा।'' बिना जीत वाले इस सिलसिले के बारे में उन्होंने कहा, ''मुझे इसके बारे में पता नहीं था लेकिन मैं

खिलाड़ियों को इसके बारे में बताऊंगा। यह उन्हें यह बताने का एक अच्छा कारण है कि हमें मैदान पर उतरकर मैच जीतना है। उम्मीद है कि हम कल इस सिलसिले को तोड़ देंगे।'

मैच दक्षिण अफ्रीका में 2010 विश्व कप के उद्घाटन मैच जैसा ही है। वह मैच जोहानिसबर्ग में 1-1 से ड्रॉ हुआ था। मैक्सिको के मैनेजर के तौर पर अपना तीसरा कार्यकाल संभाल रहे एग्वायरे ने टीम को वर्षों बाद अपना सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खेलते हुए देखा है और टीत सात मैच के अजेय अभियान के साथ विश्व कप में उतर रही है। मैक्सिको को अपनी पिछली हार नवंबर में पैराग्वे के खिलाफ मिली थी।

एग्वायरे ने कहा, 'यह हमारे लिए एक शानदार दिन हो सकता है। चाहे कुछ भी हो यह एक ऐसा जश्न होगा जो दशकों तक याद रखा जाएगा।' एग्वायरे ने 1986 में अपने देश में हुए विश्व कप में मैक्सिको का प्रतिनिधित्व किया था तब टीम ने टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच नहीं खेला था लेकिन क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी। मैक्सिको 1930, 1950, 1954, 1958 और 1962 विश्व कप में पहले दिन हुए अपने मैच हार गया था और 1970 (अपने देश में) और 2010 में मैच ड्रॉ रहे थे।

महिला टी20 विश्वकप : अभ्यास मैच में इंग्लैंड ने भारतीय टीम को 5 रनों से हराया

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इंग्लैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में 5 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। शनिवार से शुरु हो रहे टी20 विश्वकप को देखते हुए ये मैच काफी अहम माना जा रहा था। इस मैच मेजबान इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम को 172 रनों का लक्ष्य दिया। जिसका पीछा करते हुए भारतीय टीम 19.5 ओवर में 166 रन ही बना पायी। इस प्रकार उसे करीबी हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम की ओर से विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने सबसे अधिक 68 रन बनाये। इससे पहले भारतीय टीम ने ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 171 रन बनाये। इंग्लैंड की तरफ से एमी जोंस ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 45 गेंदों पर शानदार 64 रन बनाए। वहीं, नट सेवियर ब्रंट ने भी 45 गेंदों पर 57 रन बनाये। डानी गिब्सन ने 12 गेंदों पर 4 चौकों और 1 छक्के की सहायता से नाबाद 30 रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। भारत की ओर से श्रेयांका पाटिल ने दो विकेट लिए जबकि शेफाली वर्मा, रेणुका सिंह, श्री कारणी और राधा यादव को एक-एक विकेट मिला। इसके बाद 172 रन के लक्ष्य का पीछा करते उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारतीय टीम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज 20 रनों के अंदर ही सिमट गये पर छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए ऋचा ने 36 गेंदों पर ही 9 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 68 रन बना दिये। वहीं इंग्लैंड की ओर से लिंसे स्मिथ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट हासिल किए, जबकि चार्ली डीन, कोलमैन और डानी गिब्सन को दो-दो विकेट मिले। इजी वॉंग ने भी एक विकेट लिया।

विंबलडन ने इनामी राशि में किया भारी इजाफा, एकल विजेताओं को मिलेंगे 48 लाख डॉलर

लंदन। खिलाड़ियों की राजस्व में अधिक हिस्सेदारी की मांग के बीच विंबलडन ने कुल इनामी राशि में 20 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी का ऐलान किया। अगले महीने होने वाले इस ग्रास कोर्ट ग्रैंडस्लैम टेनिस टूर्नामेंट के एकल चैंपियन को अब 36 लाख पाउंड (48 लाख डॉलर) मिलेंगे। ऑल इंग्लैंड क्लब की अध्यक्ष डेबोरा जेवन्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि खिलाड़ियों के रोजाना भत्ते सहित कुल इनामी राशि छह करोड़ 42 लाख पाउंड (आठ करोड़ 58 लाख डॉलर) होगी। खिलाड़ी लंबे समय से चार ग्रैंडस्लैम से होने वाली कमाई में अधिक हिस्सेदारी की मांग कर रहे हैं और हाल ही में उन्होंने सामूहिक कार्रवाई की दिशा में कदम उठाना शुरू किया है। फ्रेंच ओपन से पहले दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कहा था कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं तो खिलाड़ियों को किसी ना किसी स्तर पर बहिष्कार करना चाहिए। पुरुषों के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर, कोको गॉफ और अन्य खिलाड़ियों ने भी इस मुद्दे पर अपनी बात रखी। इसके बाद रोलां गैरो पर टूर्नामेंट से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में शीर्ष 10 खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट से होने वाली कमाई में अपने हिस्से को लेकर सांकेतिक विरोध जताते हुए पत्रकारों के साथ अपने सत्र को 15 मिनट तक ही सीमित रखा। एक साल से कुछ अधिक समय पहले 20 प्रमुख खिलाड़ियों ने चारों ग्रैंडस्लैम के प्रमुखों को एक पत्र भेजा था जिसमें अधिक इनामी राशि और फैसले लेने की प्रक्रिया में अपनी अधिक भागीदारी की मांग की गई थी।

स्टोक्स को दूसरे टेस्ट के लिए कप्तानी के साथ ही टीम से बाहर करने पर भड़के वॉन

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने नाइटक्लब विवाद को लेकर बेन स्टोक्स को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए कप्तानी से हटाने के साथ ही टीम से बाहर करने पर नाराजगी जतायी है। इंग्लैंड और मेहमान टीम न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टेस्ट केनिंग्टन ओवल, लंदन में 17 जून से खेला जाएगा पर इस मैच से पहले इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने स्टोक और गस एटकिंसन को टीम से बाहर कर दिया है। ईसीबी ने जो रूट को दूसरे टेस्ट के लिए कप्तान बनाया है। इस फैसले पर भड़े वॉन का मानना है कि स्टोक्स ने जरूर गलती की है, मगर उन्हें कप्तानी से नहीं हटाना चाहिए थे। बता दें, बेन स्टोक्स की अगुवाई में ही इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में हुए पहले टेस्ट में जीत दर्ज कर तीन मैच की इस सीरीज में 1–0 की बढ़त बनाई थी। वॉन ने कहा कि स्टोक्स ने नीयम तोड़कर गलती की थी पर उन्होंने सवाल किया कि क्या यह गलती इतनी गंभीर थी कि उन्हें कप्तानी के पद से हटाया जाए। वॉन ने लिखा, स्टोक्स ने नियम तोड़ा। हां, उन्होंने गलती की। लेकिन क्या यह इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के तौर पर हटाने लायक गलती है? मुझे ऐसा नहीं लगता। वॉन ने कहा कि ईसीसी को कार्रवाई का पूरा अधिकार है पर वह स्टोक्स को लीडरशिप रोल से हटाने के किसी भी कदम से सहमत नहीं हैं। उन्होंने लिखा, ईसीब को इतना साहसी और मजबूत होना होगा कि वह वही करे जो उसे सही लगता है। अगर इसका मतलब उसे निकालना है तो ठीक है, लेकिन मैं इस मुद्दे पर उस फैसले से सहमत नहीं हूं। वॉन ने स्टोक्स का बचाव ऐसे समय में किया है जब टीम प्रोटोकॉल तोड़ने के बाद इंग्लैंड के कप्तान का भविष्य चर्चा का विषय बन गया है। यह मानते हुए कि वॉन ने तर्क दिया कि सजा गलती के हिसाब से होनी चाहिए। टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की हाल की सफलता में स्टोक्स की भूमिका को देखते हुए पूर्व कप्तान ने कहा कि फैसले में गलती होने पर कप्तानी अपने आप नहीं चली जानी चाहिए।

टी20 विश्वकप से 60 गुना अधिक है फीफा विश्वकप की इनामी राशि

सेन डियागो (एजेंसी)। अमेरिकि, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रुप से हो रहे टी20 विश्कवकप में पिछले बार से भी अधिक इनामी राशि मिलेगी। वहीं अगर टी20 क्रिकेट विश्वकप से तुलना की जाये तो फीफा विश्व की इनामी राशि 60 गुना अधिक है। इस प्रकार देखा जाये तो क्रिकेट और फुटबॉल जैसे दो सबसे लोकप्रिय खेलों के विश्वक कप की इनामी राशि में भारी अंतर है। जिससे सभी हैरान हैं। फीफा विश्व कप 2026 में इस बार कुल 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट से पहले ही फीफा ने इस साल की इनामी राशि घोषित कर दी है। जिसमें पिछली बार के मुकाबले लगभग 50 प्रतिशत से अधिक की बढ़त हुई है। पिछली बार 2022 में फीफा वर्ल्ड प अर्जेंटीना ने खिताब जीता था, और उस समय कुल इनामी राशि 440 मिलियन डॉलर थी। वहीं साल 2026 में यह आंकड़ा बढ़कर 655 मिलियन डॉलर (लगभग 6241 करोड़ रुपये) तक पहुंच गया है।

अब अगर इस विशाल राशि की तुलना हाल ही में संपन्न हुए टी20 विश्व कप 2026 से करें, तो यह अंतर और भी हैरान करने वाला हो जाता है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने भारत में आयोजित टी20 विश्व कप 2026 जीतकर लगातार दूसरी बार खिताब जीता था। ऐसे में उसे कुल प्राइज मनी 11.25 मिलियन डॉलर में से विजेता के तौर पर 2.63 मिलियन डॉलर (लगभग 24.28 करोड़ रुपये) मिले थे। वहीं फीफा विश्व कप 2026 की कुल प्राइज मनी टी20 वर्ल्ड कप की तुलना में 60 गुना अधिक है। इतना ही नहीं, फीफा विश्व कप में 33वें से 48वें स्थान पर रहने वाली टीमों को भी 9-9 मिलियन डॉलर (लगभग 86 करोड़ रुपये) का इनाम मिलेगा, जो टी20 वर्ल्ड कप 2026 विजेता टीम इंडिया को मिली राशि से तीन गुना से भी ज्यादा है। और अगर हम फीफा वर्ल्ड कप 2026 के चैंपियन की इनामी राशि देखें, तो विजेता टीम को 50 मिलियन डॉलर (लगभग 476 करोड़ रुपये) मिलेंगे। ये टी20 वर्ल्ड कप विजेता टीम की राशि से 19 गुना अधिक है। उप-विजेता टीम को भी 33 मिलियन डॉलर यानी 314 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे। वहीं तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 29 मिलियन डॉलर (लगभग 276 करोड़ रुपये) मिलेंगे। चौथे स्थान पर 27 मिलियन डॉलर (लगभग 257 करोड़ रुपये) जबकि 5वें से 8वें स्थान तक- 19 मिलियन डॉलर (लगभग 181 करोड़ रुपये)। 9वें से 16वें स्थान तक- 15 मिलियन डॉलर (लगभग 143 करोड़ रुपये)।

17वें से 32वें स्थान तक- 11 मिलियन डॉलर (लगभग 105 करोड़ रुपये) और 33वें से 48वें स्थान तक- 9 मिलियन डॉलर (लगभग 86 करोड़ रुपये) दिये जाएंगे।

दर्शकों को फिल्म की कमाई या बजट से कोई लेना-देना नहीं होना चाहिए

रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण' और महेश बाबू की 'वाराणसी' जैसी बड़ी फिल्मों की काफी चर्चा है। लोग इन फिल्मों की कहानी से ज्यादा इनके करोड़ों रुपये के बजट को लेकर बातें कर रहे हैं। मशहूर अभिनेता मनोज बाजपेयी ने इस बात पर नाराजगी जताई है और दर्शकों को समझाया है कि उन्हें फिल्म की कमाई या बजट से कोई लेना-देना नहीं होना चाहिए।

बजट बताना सिर्फ पब्लिसिटी का एक तरीका है

एक खबर के अनुसार, मनोज बाजपेयी से जब पूछा गया कि 'रामायण' और 'वाराणसी' जैसी फिल्मों के मेकर्स उनके भारी-भरकम बजट का इतना प्रचार क्यों कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि यह सब पब्लिसिटी स्टंट का एक जरिया है। पिछले 15 साल से फिल्मों को हिट दिखाने के लिए इस तरीके का इस्तेमाल किया जा रहा है। मनोज बाजपेयी ने दर्शकों को समझाने के लिए कहा, 'यह बीमारी इतनी बढ़ गई है कि एयरपोर्ट पर मिलने वाले आम लोग भी मुझसे फिल्मों की कमाई के आंकड़े पूछने लगते हैं। मैं उन्हें टोकता हूं कि यह पैसा आपके बैंक खाते में नहीं आ रहा है। दर्शकों का फिल्म से सिर्फ इतना नाता होना चाहिए कि उन्हें फिल्म पसंद आई या नहीं। मेकर्स जिस 500-600 करोड़ रुपये की बात करते हैं, उससे दर्शकों का कोई फायदा नहीं होता। फिल्म का बिजनेस सिर्फ निर्माता का काम है।'

नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे महंगी फिल्म मानी जा रही है, जिसका बजट 4,000 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इस फिल्म में रणबीर कपूर (भगवान राम), साई पल्लवी (सीता), सनी देओल (हनुमान), रवि दुबे (लक्ष्मण) और यश (रावण) के किरदार में नजर आएंगे। इसका पहला भाग इसी साल दिवाली पर रिलीज हो होगा।

एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही फिल्म 'वाराणसी' का बजट लगभग 1,400 करोड़ रुपये है। इसमें महेश बाबू मुख्य भूमिका में हैं और प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म से साउथ में वापसी कर रही हैं। खास बात यह है कि यह पूरी तरह से आईमैक्स फॉर्मेट पर शूट होने वाली भारत की पहली फिल्म होगी।

एक्ट्रेस माही विज ने 'सहर होने को है' शो से कहा अलविदा

टीवी एक्ट्रेस माही विज ने टीवी शो 'सहर होने को है' को अलविदा कह दिया है। इस मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसने फैंस का दिल छू लिया। खास बात यह है कि इस पोस्ट पर उनके एक्स पति जय भानुशाली ने भी कमेंट किया। माही विज ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह अपने मेकअप रूम के दरवाजे के पास नजर आ रही हैं। इस दौरान उनके चेहरे पर भावुकता साफ दिखाई दे रही है। तस्वीर के साथ, उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''आज मैं इस किरदार, इस कमरे और इस पूरे सफर को अलविदा कह रही हूं और अपने साथ अनगिनत खूबसूरत यादें लेकर जा रही हूं। इस किरदार को पर्दे पर जीवंत बनाने का हर पल मेरे लिए बेहद खास रहा। हर सीन, हर इमोशन और हर दिन मेरे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया था। यह अनुभव मैं हमेशा अपने दिल में संजोकर रखूंगी और इसे कभी नहीं भूलूंगी।''

अपने पोस्ट में माही ने उन सभी लोगों का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने इस सफर में उनका साथ दिया। उन्होंने निर्देशक, निर्माता, क्रिएटिव टीम, साथी कलाकारों, तकनीकी कर्मचारियों और चैनल से जुड़े सभी लोगों के प्रति आभार जताया। माही ने लिखा, ''इन सभी लोगों के सहयोग, मार्गदर्शन और विश्वास ने मेरे सफर को यादगार बना दिया। अगर पूरी टीम का साथ और भरोसा न मिलता, तो मैं इस किरदार को इतनी खूबसूरती से नहीं निभा पातीं।''

माही ने अपने लोकप्रिय किरदार 'कौसर' का भी खास जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''अब जब मैं जिंदगी में आगे बढ़ रही हूं, तब भी इस किरदार की यादें हमेशा मेरे साथ रहेंगी। मुझे कौसर की बहुत याद आएगी, क्योंकि इस किरदार ने मुझे दर्शकों के दिलों तक पहुंचाने में मदद की है। मैं दर्शकों का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने मेरे इस किरदार को प्यार और अपनापन दिया। यह मेरे लिए किसी पुरस्कार से कम नहीं है।'' पोस्ट के आखिर में माही ने लिखा, ''यह मेरी जिंदगी का एक बेहद खूबसूरत अध्याय था और मैं इस सफर को हमेशा याद रखूंगी।''

माही की इस पोस्ट पर सबसे ज्यादा ध्यान जय भानुशाली के कमेंट ने खींचा। जय ने कमेंट में ताली बजाने वाला इमोजी भेजा और माही का हौसला बढ़ाया। इसके जवाब में माही ने भी हार्ट इमोजी भेजकर उनका आभार व्यक्त किया। इसी साल जनवरी में माही विज और जय भानुशाली ने अपनी 14 साल पुरानी शादी खत्म करने की घोषणा की थी। दोनों ने बयान जारी करते हुए बताया था कि हमने किसी विवाद की जगह शांति और सम्मान का रास्ता चुना है। भले ही हमारी जिंदगी की राहें अब अलग हो गई हों, लेकिन हम हमेशा एक-दूसरे का सम्मान करेंगे और जरूरत पड़ने पर साथ खड़े रहेंगे।

एलियन- अर्थ 2 का हिस्सा बनना खास

अभिनेता आदर्श गौरव ने रिडले स्कॉट की फिल्म 'एलियन अर्थ' में स्लाइटली के किरदार के लिए खूब प्रशंसा बटोरी। अब अभिनेता इस साइंस फिक्शन शो के आगामी दूसरे सीजन में भी वही भूमिका निभाएंगे और जल्द ही शूटिंग के लिए रवाना होने वाले हैं। दूसरे सीजन में पीटर डिंकलेज के शामिल होने से इसको लेकर लोगों का उत्साह और भी बढ़ गया है। आदर्श ने एमी पुरस्कार विजेता इस अभिनेता की जमकर तारीफ की है।

शूटिंग के बाद भी यह मन में रहता है

नोआ हॉली द्वारा निर्मित और दिग्गज फिल्म निर्माता रिडले स्कॉट द्वारा कार्यकारी निर्मित 'एलियन: अर्थ' स्कॉट की प्रतिष्ठित एलियन फिल्मों का स्पिन-ऑफ है। पहले सीजन में आदर्श ने स्लाइटली उर्फ आरुष की भूमिका निभाई, जो मनुष्य और मशीन का एक हाइब्रिड है। आदर्श गौरव ने कहा कि 'एलियन: अर्थ' के सीजन 2 में वापसी करना बेहद खास लगता है। स्लाइटली एक ऐसा किरदार है जो शूटिंग खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक मेरे मन में बसा रहा, क्योंकि उसकी इमोशनली जटिलता और ट्विस्ट ने मुझे दीवाना बना दिया। नोआ हॉली और रिडले स्कॉट द्वारा निर्मित दुनिया में उसे और गहराई से जानने का अवसर मिलना एक अभिनेता के रूप में रोमांचक और बेहद संतोषजनक है।

शूटिंग के लिए निकले आदर्श

'एलियन: अर्थ' में सिडनी चैंडलर, एलेक्स लॉथर, एस्सी डेविस, सैमुअल ब्लेंकिन और बाबौ सीसे मुख्य भूमिका में हैं, जबकि टिमोथी ओलिवेंट एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आते हैं। सीजन 2 में गेम ऑफ थ्रोन्स के मशहूर अभिनेता पीटर डिंकलेज की एंट्री होती है, जिससे एलियन यूनिवर्स का विस्तार होता है। आदर्श ने आगे कहा कि इस अनुभव को वास्तव में उल्लेखनीय बनाने वाली बात यह है कि मुझे एक टेलेंटेड एक्टर्स के साथ इस लोकप्रिय यूनिवर्स का हिस्सा बनने का मौका मिला। पीटर डिंकलेज, टिमोथी ओलिवेंट और पूरी टीम जैसे कलाकारों के साथ काम करना आपको हर दिन क्रिएटिव रूप से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। मैं जून के पहले वीक में शूटिंग के लिए निकल रहा हूं और उसके तुरंत बाद शूटिंग शुरू हो जाएगी। इस सीजन को लेकर काफी उत्सुकता है, क्योंकि इसमें कहानी कहने का तरीका और भी महत्वाकांक्षी हो गया है।

2025 में आया था पहला सीजन

'एलियन: अर्थ' सीजन 1 का प्रीमियर अगस्त 2025 में भारत में जियोहॉटस्टार पर हुआ था। डिज्नी ने घोषणा की कि 'एलियन: अर्थ' के पहले एपिसोड को स्ट्रीमिंग के पहले छह दिनों में ही दुनिया भर में 9.2 मिलियन व्यूज मिले। इस शो को क्रिटिक्स से भी सराहना मिली। दूसरे सीजन की शूटिंग चल रही है, लेकिन रिलीज डेट की घोषणा अभी नहीं की गई है।

'तू या मैं' में नजर आए थे आदर्श गौरव

बॉलीवुड में आदर्श गौरव को आखिरी बार बेजॉय नाम्बियार की सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म 'तू या मैं' में देखा गया था। इस फिल्म में शनाया कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं। फरवरी में रिलीज हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही।

'स्वयंभू' के लिए 45 दिन की कड़ी ट्रेनिंग के बाद योद्धा जैसे बने निखिल

निखिल सिद्धार्थ की आगामी फिल्म 'स्वयंभू' लगातार चर्चा में बनी हुई है। टीजर और पहले गीत 'रा रा धीवरा' के बाद अब निर्माताओं ने फिल्म का एक बिहाइंड द सीन्स वीडियो जारी किया है, जिसमें निखिल के योद्धा में बदलने की तैयारी दिखाई गई है। निखिल के जन्मदिन के अवसर पर जारी इस वीडियो में एक्टर 45 दिनों की विशेष ट्रेनिंग लेते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह अंतरराष्ट्रीय स्टंट विशेषज्ञों के साथ एक्शन सीन्स की तैयारी करते दिखाई देते हैं। फिल्म के लिए उन्होंने तलवारबाजी, युद्ध कौशल और शारीरिक प्रशिक्षण पर विशेष मेहनत की है। यह फिल्म एक ऐतिहासिक-एक्शन ड्रामा है, जिसकी कहानी भारतीय इतिहास और पौराणिक परंपराओं से प्रेरित बताई जा रही है। फिल्म का आधार सेंगोल है, जिसे न्याय, धर्म और सत्ता के प्रतीक के रूप में जाना जाता है। हालांकि फिल्म किसी वास्तविक घटना का सीधा चित्रण नहीं होगी, बल्कि सेंगोल से प्रेरित एक कालखंड और योद्धा की कहानी प्रस्तुत करेगी। फिल्म का निर्देशन भरत कृष्णमाचारी ने किया है। टेक्निकल टीम में कई बड़े नाम शामिल हैं।

लेकिन भाषाएं सीखना रोमांचित करता है

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उन्हें एक ऐसी महिला का किरदार निभाने का मौका मिला, जो उनकी अपनी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से काफी अलग है, जिसके चलते उन्हें नई भाषा और संस्कृति को समझना पड़ा। अपने इस अनुभव को उन्होंने आईएएनएस संग साझा किया। आईएएनएस से बात करते हुए शरवरी वाघ ने कहा, ''घर में मैं मराठी भाषा बोलती हूं और मेरी परवरिश पूरी तरह मराठी संस्कृति के बीच हुई है। ऐसे में एक पंजाबी महिला का किरदार निभाना मेरे लिए एक नया और दिलचस्प अनुभव था।'' शरवरी ने कहा, ''भाषाएं हमेशा से मुझे आकर्षित करती रही हैं। मेरा मानना है कि भारत जैसे देश में कलाकारों के लिए सीखने और समझने के अवसर कभी खत्म नहीं होते। यहां इतनी सारी भाषाएं और संस्कृतियां हैं कि हर नया किरदार किसी नई दुनिया का दरवाजा खोल देता है। एक अभिनेता के लिए सिर्फ डायलॉग बोलना ही काफी नहीं होता, बल्कि उस भाषा की भावना, उसके लहजे और उससे जुड़ी संस्कृति को समझना भी जरूरी होता है।'' अभिनेत्री ने कहा, ''भले ही मैं नई भाषाएं सीखने को लेकर उत्साहित रहती हूं, लेकिन मेरी मातृभाषा मराठी आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। जब भी मुझे किसी सीन के लिए भावनात्मक रूप से खुद को तैयार करना होता है या किसी खास एहसास से जुड़ना होता है, तो मैं अक्सर मराठी गाने सुनती हूं। मराठी भाषा के शब्द मेरे दिल को सबसे गहराई से छूते हैं।'' शरवरी ने कहा, 'अपनी जड़ों से जुड़ा रहना और साथ ही नई चीजें सीखना, दोनों ही जरूरी हैं। महाराष्ट्र से होने का एक फायदा यह भी मिला कि मुझे दूसरी भाषाओं को समझने और अपनाने में आसानी हुई। भारत की कई भाषाएं एक-दूसरे से किसी न किसी रूप में जुड़ी हुई हैं। यही वजह है कि नई भाषा सीखने की प्रक्रिया मेरे लिए मुश्किल के बजाय आनंददायक रही।'

हॉरर-कॉमेडी और सुपरनैचुरल तत्वों के इर्द-गिर्द बुनी गई है गोलमाल 5 की कहानी

रोहित शेट्टी की कॉमेडी फ्रेंचाइज 'गोलमाल' की पांचवीं किस्त को लेकर इंडस्ट्री में चर्चाएं तेज हैं। फिल्म अभी बनने की प्रोसेस में है लेकिन प्रोडक्शन और क्रू से जुड़े सूत्रों के हवाले से इसके शेड्यूल, स्टारकास्ट, कहानी और किरदारों से जुड़ी कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। खास जानकारी के मुताबिक, इस बार फिल्म में अक्षय की एंट्री सबसे बड़ा आकर्षण होगी, वहीं कहानी हॉरर-कॉमेडी और सुपरनैचुरल तत्वों के इर्द-गिर्द बुनी गई है।

मुंबई में अगला बड़ा शेड्यूल शुरू होने की तैयारियां चल रही हैं

फिल्म का करीब 80 से 85 प्रतिशत हिस्सा मुंबई के स्टूडियो और अलग-अलग लोकेशंस पर शूट हो रहा है। एक्टर्स को उनके किरदारों के हिसाब से 10 से 15 दिन के स्लॉट में बुलाया जा रहा है। पहला प्रमुख शेड्यूल ऊटी में पूरा हो चुका है, जहां कुछ गानों और पैचवर्क की शूटिंग की गई। इसके अलावा गोवा भी फिल्म की कहानी का अहम हिस्सा रहेगा। जुलाई से अगला बड़ा शेड्यूल शुरू होगा।

अक्षय का किरदार फिल्म में तमिलनाडु के 'बादशाह' के रूप में दिखाया जाएगा

फिल्म में अक्षय कथित तौर पर मुख्य विलेन या एंटी-हीरो की भूमिका में नजर आ सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, उनका किरदार 'हाउसफुल 4' के चर्चित 'बाला' अवतार से प्रेरित हो सकता है। कहानी में इस किरदार को तमिलनाडु की पृष्ठभूमि वाले 'बादशाह' नाम से पेश किए जाने की चर्चा है। अक्षय और अजय देवगन-अरशद वारसी की गैंग के बीच एक बड़ा एक्शन-कॉमेडी सीक्वेंस पहले ही शूट किया जा चुका है, जिसे फिल्म का प्रमुख आकर्षण माना जा रहा है।

शरमन जोशी इस बार अजय देवगन नहीं अक्षय की टीम का होंगे हिस्सा

पहली 'गोलमाल' के बाद फ्रेंचाइज से अलग हुए शरमन जोशी इस बार वापसी कर रहे हैं। वे अपने पुराने किरदार और उसी पहचान के साथ कहानी में लौटेंगे। हालांकि इस बार उनका झुकाव गोपाल की टीम के बजाय अक्षय के किरदार की तरफ दिख सकता है, जिससे कहानी में नया संघर्ष पैदा होगा।

बच्ची के रोल के लिए नई चाइल्ड आर्टिस्ट हुई कास्ट

'गोलमाल अगेन' की हॉरर-कॉमेडी सफलता के बाद रोहित शेट्टी उसी जॉनर को ही नए अंदाज में आगे बढ़ा रहे हैं। कहानी एक ऐसी बच्ची के इर्द-गिर्द घूमेगी, जिसके पास रहस्यमयी शक्तियां आ जाती हैं। इस रोल के लिए किसी स्टारकिड को न चुनकर मुंबई से बाहर की एक नई बाल कलाकार को चुना गया है।

रोहित के कॉप यूनिवर्स से रणवीर सिंह के भी कैमियो की है चर्चा

परिणीति चोपड़ा इस बार प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं हैं। तबु की मौजूदगी को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। वहीं अजय अपने क्लासिक 'गोपाल' लुक में ही नजर आएंगे। फिल्म में रोहित के कॉप यूनिवर्स से रणवीर सिंह के संभावित स्पेशल अपीयरेंस और क्लाइमैक्स में कुछ सरप्राइज एंट्री की भी चर्चाएं हैं।

जीभ खोलती है आपकी सफाई की पोल!

फेमस अमेरिकी सिंगर ऐंड ऐक्ट्रेस केर को मशहूर युवा पॉप गायिका माइली सायरस से प्रस्तुति देते वक्त अपनी जीभ बाहर निकालने से मना किए अभी बहुत दिन नहीं बीते हैं, कि विशेषज्ञों ने जीभ को लेकर बहुत ही दिलचस्प तथ्य का खुलासा किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, जीभ को देखकर किसी व्यक्ति की स्वच्छता के प्रति उसके रुख एवं उस व्यक्ति के स्वास्थ्य के बारे में जाना जा सकता है। आप अपने किसी ऐसे मित्र या किसी ऐसी लोकप्रिय हस्ती के बारे में सोचिए जो अक्सर अपनी जीभ बाहर निकालता रहता है। अगर उसकी जीभ पर मोटी सफेद पर्त दिखाई दे निश्चित ही यह उसके लिए बहुत बड़ी परेशानी का सबब बन सकती है।

गुड़गांव के कोलंबिया एशिया अस्पताल में दंत चिकित्सक एकता सिंह ने बताया कि दांतों में ब्रश करना जितना महत्वपूर्ण है, जीभ को स्वच्छ रखना भी उतना ही जरूरी है। जीभ साफ करने से पहले टंग क्लीनर को साफ कर लेना चाहिए। टंग क्लीनर से जीभ पर बहुत दबाव नहीं डालना चाहिए, और 2-3 बार हल्के हाथों से जीभ की सफाई करनी चाहिए। अपने मुंह में हानिकारक जीवाणुओं को पनपने से रोकने के लिए जीभी (टंग क्लीनर) का प्रयोग अवश्य करें।

वेबसाइट पैरेंट्यून डॉट कॉम ने मुंह से संबंधित बीमारियों की विशेषज्ञ सोनाली बस्सी के हवाले से कहा कि गाढ़े रंगों वाले खाद्य पदार्थ खाने से भी जीभ का रंग परिवर्तित हो जाता है। हल्दी, काले अंगूर, जामुन या इसी तरह के गहरे रंग वाले खाद्य पदार्थ खाने से आपकी जीभ का रंग बदल सकता है। लेकिन यह इतना हानिकारक नहीं होता, तथा टंग क्लीनर की सहायता से आसानी से साफ किया जा सकता है। धातु या प्लास्टिक से बने टंग क्लीनर का उपयोग किया जा सकता है। कई कंपनियां इस तरह का ब्रश भी बनाती हैं जिसके पिछले हिस्से का उपयोग जीभ को साफ करने के लिए किया जा सकता है। दंत चिकित्सक अयान मजूमदार ने बताया कि जीभ साफ करने के लिए ब्रश के पिछले हिस्से का उपयोग सुरक्षित है, लेकिन ब्रश वाले हिस्से से ऐसा करना हानिकारक हो सकता है। अध्ययनों में यह साबित हो चुका है कि सामान्य ब्रश की अपेक्षा जीभ साफ करने की सुविधा से युक्त ब्रश कहीं प्रभावी होते हैं। मजूमदार ने हालांकि धातु की अपेक्षा प्लास्टिक की जीभी को अधिक सुरक्षित बताया, क्योंकि जंग लगने के कारण धातु का टंग क्लीनर स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। जीभ को स्वच्छ रखने का दूसरा सबसे बेहतर उपाय है माउथवॉश का उपयोग करना। मजूमदार ने बताया कि सांसों की दुर्गंध का सबसे बड़ा कारण जीभ पर बैठी गंदगी ही होती है। हमारे पास कम से कम 70 फीसदी लोग इसी तरह की शिकायतें लेकर आते हैं।

अपनी सांसों को तरोताजा बनाए रखने के लिए दिन में कम से कम एक बार माउथवॉश का उपयोग करें।

आप अपने किसी ऐसे मित्र या किसी ऐसी लोकप्रिय हस्ती के बारे में सोचिए जो अक्सर अपनी जीभ बाहर निकालता रहता है। अगर उसकी जीभ पर मोटी सफेद पर्त दिखाई दे निश्चित ही यह उसके लिए बहुत बड़ी परेशानी का सबब बन सकती है।

2-3 बार करें हल्के हाथ से सफाई

जीभ को स्वच्छ रखने का दूसरा सबसे बेहतर उपाय है माउथवॉश का उपयोग करना। मजूमदार ने बताया कि सांसों की दुर्गंध का सबसे बड़ा कारण जीभ पर बैठी गंदगी ही होती है। हमारे पास कम से कम 70 फीसदी लोग इसी तरह की शिकायतें लेकर आते हैं। अपनी सांसों को तरोताजा बनाए रखने के लिए दिन में कम से कम एक बार माउथवॉश का उपयोग करें।

मुंह को नमक के पानी से धोकर भी स्वच्छ रखा जा सकता है। बस्सी ने बताया कि आधे ग्लास गुनगुने पानी में आधा चम्मच नमक डालें। इस पानी से अपने मुंह को दिन में 5-6 बार धोएं। जीभ पर खाने के बाद जमा गंदगी कई तरह के रोगों को जन्म दे सकती है। एकता सिंह ने बताया कि कई बार जीभ के गंदे होने के कारण डिहाइड्रेशन की शिकायत भी हो सकती है। इसलिए घर से निकलते हुए इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि चेहरे और दांतों के साथ-साथ आपकी जीभ का भी स्वच्छ रहना बेहद जरूरी है।

आधी रात में भी खाओगे तो मोटे हो जाओगे

हेल्थ एक्सपर्ट्स कहते हैं कि मिड नाइट स्नैक्स लेना हेल्थ के नजरिए से सही नहीं है। आप बिना वक्त के जो भी खाते हैं, वह सीधे कैलरीज में चेंज हो जाता है। इसकी वजह यह है कि मिड नाइट स्नैक्स लेने के बाद कोई फिजिकल एक्टिविटीज नहीं हो पाती और आप सीधे बेड पर सोने चले जाते हैं। फिजिशियन डॉ. निखिल श्रीवास्तव कहते हैं कि मिडनाइट स्नैक्स की यह आदत आपको कई तरह की फिजिकल प्रॉब्लम्स दे सकती है। सबसे बड़ी प्रॉब्लम खाना डाइजेस्ट न होना है।

नीलिमा अक्सर देर रात तक टीवी देखती है। इसी के साथ कुछ न कुछ खाना-पीना भी चलता रहता है। जब उसने अपना वेट किया, तो देखा कि दो महीने में उसका वेट तीन से चार किलो तक बढ़ गया। खाना डाइजेस्ट होने में भी प्रॉब्लम होने लगी। यही हाल स्टूडेंट शिल्पी का है। वह टीवी देखते हुए तो नहीं, लेकिन देर रात तक पढ़ाई करने के दौरान कुछ न कुछ खाती रहती है। यही नहीं, पढ़ाई के दौरान नींद न आए, इसके लिए एक से दो कप कॉफी भी पीती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स कहते हैं कि मिड नाइट स्नैक्स लेना हेल्थ के नजरिए से सही नहीं है। आप बिना वक्त के जो भी खाते हैं, वह सीधे कैलरीज में चेंज हो जाता है। इसकी वजह यह है कि मिड नाइट स्नैक्स लेने के बाद कोई फिजिकल एक्टिविटीज नहीं हो पाती और आप सीधे बेड पर सोने चले जाते हैं। फिजिशियन डॉ. निखिल श्रीवास्तव कहते हैं कि मिडनाइट स्नैक्स की यह आदत आपको कई तरह की फिजिकल प्रॉब्लम्स दे सकती है। सबसे बड़ी प्रॉब्लम खाना डाइजेस्ट न होना है। इसके बाद दांतों का खराब होना और फैट बढ़ना भी बेहद कॉमन प्रॉब्लम है।

दांतों पर कैवेटीज

डॉ. अजय कहते हैं कि मिड नाइट स्नैक्स लेने के बाद ज्यादातर लोग ब्रश नहीं करते और खाकर सीधे सो जाते हैं। इससे खाई हुए चीजों का कुछ हिस्सा दांतों पर रह जाता है, जिससे बाद में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। खासतौर से अगर आपने मिठाइयां और डेजर्ट्स खाया है, तो आपके लिए इससे बचना नामुमकिन है। मिड नाइट स्नैक्स से न केवल दांतों में बैक्टीरिया पनपने का खतरा रहता है, बल्कि इससे दांतों पर कैवेटीज भी हो जाती हैं।

डाइजेशन में प्रॉब्लम

भले ही मिड नाइट स्नैक्स खाने में आपको मजा तो खूब आता है, लेकिन यह स्नैक्स आपके डाइजेस्टिव सिस्टम को बिगाड़ देता है। क्या आपको पता है कि कुकीज और चिप्स जैसे जंक फूड को पचाने में बॉडी को दो से तीन घंटा तक लग जाता है, वह भी दिन में। ऐसे में अगर आप रात को इसे खाते हैं, तो पेट की क्या हालत हो सकती है, अंदाजा लगाया जा सकता है।

?सीधे फैट में तब्दील

स्नैक्स चाहे दिन में खाएं या रात को, उसका फैट में तब्दील होना तय है। स्नैक्स चटपटे, ऑयली और फ्राइड होते हैं। हां, अगर आप वर्कआउट करते हैं, तो एक निश्चित क्वॉन्टिटी में इस तरह के स्नैक्स ले सकते हैं। अगर आपकी आदत में इस तरह के स्नैक्स आ चुके हैं, तो जंक फूड की जगह हेल्दी फूड खाने की आदत डालें।

देर रात तक न जागें

देर रात तक जागने की आदत से तौबा करें। डिनर के बाद अगर आप बहुत देर रात तक जगे रहते हैं, तो लंबा गैप होने से आपका ध्यान इन चीजों की तरफ खाने को जरूर जाएगा। इस तरह की चीजों से बचने का सबसे कारगर तरीका यही है कि आप समय पर सोएं।

मजबूत हड्डियां चाहिए तो आजमाएं यह उपाय

- ?हाल में हुए शोध की मानें तो दिन में दो बार दस दफा कूदने को अगर कसरत के तौर पर नियमित किया जाए तो इससे हड्डियां काफी मजबूत होंगी।
- अमेरिकन जर्नल ऑफ हेल्थ प्रमोशन में प्रकाशित शोध की मानें तो सुबह और शाम लगातार दस-दस बार कूदने की प्रक्रिया में हड्डियों को मजबूती मिलती है और इससे जुड़ी समस्याओं से बचाव होता है।
- शोध के दौरान 25 से 50 वर्ष की आयु वाली 60 महिलाओं को कूदने की कसरत का अभ्यास दिन में दो बार नियमित तौर पर करवाया गया और पाया गया कि इससे उनकी हड्डियों में पांच प्रतिशत का सुधार देखा गया।
- शोधकर्ता डॉ. लैरी टकर के अनुसार, यह कसरत चलने या जॉगिंग करने की अपेक्षा अधिक फायदेमंद है और इससे हड्डियों के घनत्व में 1.3 प्रतिशत सुधार देखा गया है।

हरी सब्जियों के जूस का ऐसा भी हो सकता नुकसान

हरे साग-सब्ज?ियों का सेवन ज?तना अधिक फायदेमंद है, इनके जूस का एक चौंकाने वाला नुकसान भी है। फीमेलफस्ट में प्रकाशित शोध की मानें तो हरी सब्जियों दांतों की सफेदी के लिए नुकसानदायक हो सकता है। शोधकर्ताओं का मानना है कि हरी सब्जियों में रंग बनाने वाला क्रोमोजेन दांतों को सफेद रखने वाले मॉलिक्यूल को नुकसान पहुंचाता है। इतना ही नहीं, उनका यह भी मानना है कि हरी सब्जियों के जूस के बजाय इनके सेवन से दांतों को कम नुकसान पहुंचता है।

ऐसे में अगर आप सब्जियों के जूस के फायदों को देखते हुए इनका सेवन करना ही चाहते हैं तो इन बातों का ध्यान जरूर रखें।

- हरी सब्जियों के जूस को स्ट्रा से पिएं जिससे इसका दांतों से संपर्क कम से कम हो।
- हरी सब्जियों के जूस में नींबू सा साइट्रस फलों को न मिलाएं क्योंकि क्रोमोटेन और साइट्रस फलों में मौजूद टैनिन के मिलने से दांतों को अधिक नुकसान पहुंचता है।
- रोज हरी सब्जियों का जूस पीते हैं तो दिन में कम से कम तीन बार ब्रश करें।

20 मिनट कसरत का ऐसा फायदा नहीं जानते होंगे आप

- मौसम बदलने पर बदन दर्द, बुखार यानी फ्लू की समस्या से बचना भी अपनेआप में एक चुनौती है। ऐसे में अगर आप बदलते मौसम में अक्सर फ्लू का शिकार होते हैं तो इससे बचाव का कारगर उपाय है।
- हाल में हुए एक शोध में माना गया है कि नियमित रूप से 20 मिनट तक व्यायाम करने से फ्लू से बचाव 10 प्रतिशत आसान हो जाता है।
- लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन ने 4,800 प्रतिभागियों पर किए गए अपने अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है।
- इतना ही नहीं, उन्होंने फ्लू के 100 मामलों में केवल कसरत की मदद से उपचार का भी दावा किया है।
- शोधकर्ता डॉ. एल्मा एडलर के अनुसार, हम अपने शोध से मिले परिणाम को लेकर बेहद उत्साहित हैं हालांकि यह अभी शुरुआती दौर में है और इसपर अधिक अध्ययन बाकी है। लेकिन इससे फ्लू से बचाव की दिशा में मदद मिल सकती है।